आज का मौसम
19.0⁰ अधिकतम तापमान
8.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.05
सूर्यास्त 05.40

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष अमावस्या 01:21 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

रविवार, 18 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 55, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा बोले- ममता पश्चिम बंगाल को बनाना चाहती हैं बांग्लादेश - 11

■ कपड़ा, दवा इंजीनियरिंग को भारत ईयू के बीच मुक्त व्यापार समझौते से होगा लाभ - 12

■ ईरान को अमेरिका की धमकियों का विरोध, बगदाद में सड़कों पर प्रदर्शन - 13

■ महिला प्रीमियर लीग में यूपी वॉरियर्स की मुंबई इंडियंस पर लगातार दूसरी जीत - 14

बादलों सा घना कोहरा

प्रयागराज में शनिवार सुबह घने कोहरे से घिरा श्री आदि शंकर विमान मंडपम।

सीजन के सबसे घने कोहरे में रात भर दुर्घटनाएं, 7 की मौत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश के 15 जिलों में 40 से ज्यादा वाहन टकराए, 50 से ज्यादा घायल
- 53 जिलों में छाया रहा घना कोहरा कई इलाकों में शून्य रही दृश्यता

अमृत विचार: प्रदेश में शुक्रवार-शनिवार की रात घिरे सीजन के सबसे घने कोहरे में सड़कों पर ताबड़तोड़ दुर्घटनाएं हुईं। प्रदेश के 15 जिलों में हुए इन सड़क हादसों में एक बच्चे समेत सात की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। कई स्थानों पर दृश्यता शून्य हो जाने से हाईवे और शहरी सड़कों पर यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा।

मेरठ, बाराबंकी, फतेहपुर, मुरादाबाद, सुलतानपुर और गाजियाबाद समेत कई जिलों में घने कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाएं हुईं। फतेहपुर में एनएच-2 पर 10 वाहन

आपस में टकरा गए, एक कार चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मुरादाबाद में एक ट्रक ने बाइक पर सवार दो लोगों को कुचल दिया, इनमें एक की जान चली गई। सुलतानपुर में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप को दूसरे वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। मेरठ में भी कोहरे के चलते एक कार नाले में गिर गई और उसमें मौजूद डेढ़ साल की बच्ची की मौत हो गई।

रेल और हवाई यातायात भी प्रभावित

घने कोहरे का असर प्रदेश में रेल और हवाई यातायात पर भी साफ दिखा। गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ समेत प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 100 से अधिक ट्रेनें कई घंटे की देरी से चलीं। कई वीआईपी ट्रेनें भी अपने गंतव्य पर निर्धारित समय पर नहीं पहुंच सकीं। लखनऊ एयरपोर्ट पर इंडिगो की दो उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि 14 से अधिक उड़ानें देरी से संचालित हुईं।

कई जिलों में 8वीं तक के स्कूल बंद

कोहरे और कड़ाके की ठंड को देखते हुए नोएडा, ग्रेटर नोएडा, बरेली, मेरठ, सहारनपुर, बदायूं और संभल में कक्षा 8 तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। प्रयागराज और शाहजहांपुर में कक्षा 12 तक के विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार की रात 53 जिले घने कोहरे की चपेट में रहे। कई इलाकों में दृश्यता शून्य रही और शीतलहर से कड़ाके की ठंड महसूस की गई। बाराबंकी 3.5 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा। पहाड़ों पर बर्फबारी के चलते अगले चार-पांच दिनों तक प्रदेश में शीतलहर और घने कोहरे की स्थिति बनी रह सकती है।

आज का पूर्वानुमान

- प्रदेश के अधिकांश जिलों में सुबह घना से अत्यंत घना कोहरा बने रहने की संभावना
- कई इलाकों में घने कोहरे के कारण 0 से 50 मीटर तक रह सकती है दृश्यता
- न्यूनतम तापमान में कोई खास राहत नहीं, जारी रहेगा शीतलहर और गलन का असर
- पहाड़ों पर बर्फबारी के कारण अगले कुछ दिनों तक ऐसा ही बना रह सकता है मौसम

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, अखबार बचपन का पहला शब्दकोश व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

विकसित देश भी कर रहे हैं घुसपैठियों पर कार्रवाई, बंगाल के लिए ये बड़ी चुनौती

मोदी ने मालदा में किया चुनावी संग्राम का आगाज, तृणमूल पर घुसपैठियों के संरक्षण का आरोप

मालदा, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के मालदा में हावड़ा और गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी संग्राम का आगाज करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधने के लिए घुसपैठ को मुख्य मुद्दा बनाया और आरोप लगाया कि बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासन ने राज्य की जनसांख्यिकी को बदल दिया है और इसी के कारण दंगे हुए हैं। मोदी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के संरक्षण और सिंडिकेट राज के चलते घुसपैठ में वृद्धि हुई है। मोदी ने एसआईआर पर जारी विवाद के बीच उन शरणार्थियों को चिंता न करने को कहा जो बांग्लादेश में धार्मिक उत्पीड़न के कारण पलायन कर भारत आए हैं।

मोदी ने मुस्लिम बहुल जिले मालदा में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि घुसपैठ पश्चिम बंगाल के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आने पर पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों पर नकेल कसने और अवैध प्रवासन को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएगी। उन्होंने कहा, दुनिया में ऐसे विकसित और समृद्ध देश हैं जिनके पास धन की कोई कमी नहीं है, फिर भी वे घुसपैठियों को बाहर निकाल रहे हैं। पश्चिम बंगाल से घुसपैठियों को निकालना भी उतना ही आवश्यक है। मोदी ने दावा किया कि घुसपैठ से राज्य के कई हिस्सों में जनसांख्यिकीय संतुलन बदल गया है। कहा, लोग मुझे बताते हैं कि कई जगहों पर तो बोली जाने वाली भाषा भी बदलने लगी है। भाषा और बोली में अंतर उभरने लगे हैं। घुसपैठियों की बढ़ती आबादी के कारण पश्चिम बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद सहित कई इलाकों में दंगे होने लगे हैं।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस की सिंडिकेट व्यवस्था राज्य में घुसपैठियों को बसाने का काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि घुसपैठियों और सत्तारूढ़ दल के बीच सांठगांठ है। आपको इस सांठगांठ को तोड़ना होगा। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि जैसे ही भाजपा की सरकार बनेगी, घुसपैठ और घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री ने 2019 से भाजपा के प्रमुख वोट बैंक रहे मतुआ समुदाय को भरोसा दिलाया कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। तृणमूल कांग्रेस की गुंडागर्दी और गरीबों को धमकाने की राजनीति का जल्द अंत होगा। दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों से घिरा पश्चिम बंगाल अब बदलाव के लिए तैयार है।

हावड़ा-गुवाहाटी मार्ग पर देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी

- पश्चिम बंगाल में 3,250 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को हावड़ा एवं गुवाहाटी के बीच देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, साथ ही पश्चिम बंगाल में 3,250 करोड़ रुपये से अधिक की रेल एवं सड़क परियोजनाओं की शुरुआत की।

मोदी ने चार अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाई जो न्यू जलपाईगुड़ी को नागरकोइल और तिरुचिरापल्ली तथा अलीपुरद्वार को एसएमवीटी बेंगलुरु और मुंबई (पनवेल) से जोड़ेंगी। प्रधानमंत्री ने मालदा टाउन रेलवे स्टेशन से हावड़ा और गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच देश की सबसे उन्नत और पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की पहली जोड़ी का उद्घाटन किया। उन्होंने गुवाहाटी-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को भी यहीं से डिजिटल तरीके से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शिंदे गुट का बीएमसी के मेयर पद पर दावा, महायुति में रस्साकशी

- ढाई साल का कार्यकाल मांगा, नवनिर्वाचित पार्षदों को होटल में ठहराया

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव के ऐन बाद बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के मेयर पद को लेकर महायुति के घटक दल भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) में रार शुरू होने के संकेत सामने आए हैं। शिंदे गुट ने ढाई साल के लिए यह पद अपनी पार्टी को देने की मांग पेश कर दी है, जबकि भाजपा नतीजे आने के फौरन बाद बीएमसी में अपना पहला मेयर बनाने की घोषणा कर चुकी है।

इस बीच शिंदे गुट ने अपने नवनिर्वाचित पार्षदों को बांद्रा के एक आलीशान होटल में स्थानांतरित कर दिया है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने उन्हें व्यस्त चुनावी माहौल के खुद को तरोताजा करने का मौका देने की बात कही है। शिंदे गुट की प्रवक्ता शीतल म्हात्रे ने तर्क दिया है कि बालासाहेब ठाकरे के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में यह पद उनकी पार्टी को मिलना चाहिए। नए मेयर का चुनाव 26 जनवरी के बाद होने की संभावना है क्योंकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दावोस के निवेश शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने गए हैं। उनके 25 जनवरी को लौटने के बाद नगर विकास विभाग मेयर पद के लिए आरक्षण की लॉटरी निकालेगा और चुनाव का औपचारिक कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। शुक्रवार को हुई मतगणना में भाजपा और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के गठबंधन ने 227 सदस्यीय बीएमसी में स्पष्ट बहुमत हासिल किया, जिसमें उन्हें क्रमशः 89 और 29 सीट मिलीं। बीएमसी के चुनाव में शिवसेना (उबाठा) दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उसे 65 और मनसे को छह सीट मिली हैं। वंचित बहुजन आघाडी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को 24 सीट, एआईएमआईएम को आठ, राकांपा को तीन, समाजवादी पार्टी को दो और राकांपा (शप) को सिर्फ एक सीट मिली है।

उद्धव ठाकरे बोले- देवा ने चाहा तो मेयर हमारा होगा

बीएमसी के मेयर को लेकर ताजा राजनीतिक समीकरणों के बीच उद्धव ठाकरे ने यह कहकर अटकलों को और हवा दे दी है कि अगर देवा (भगवान) की इच्छा हुई तो महापौर उनकी पार्टी का हो सकता है। उद्धव ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत में कहा कि मुंबई में शिवसेना (उबाठा) का महापौर बनाना मेरा सपना है। देवा की इच्छा हुई तो ऐसा हो सकताहै। वहीं, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई का मेयर महायुति का ही होगा।

ब्रीफ न्यूज

गुजरात के कच्छ में 4.1 तीव्रता के भूकंप से दहशत फैली

अहमदाबाद। कच्छ जिले में शुक्रवार एवं शनिवार की दरमियानी रात 4.1 तीव्रता का भूकंप आने से लोगों में दहशत फैल गई। गांधीनगर स्थित भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के अनुसार, भूकंप शुक्रवार देर रात एक बजकर 22 मिनट पर आया और इसका केंद्र जिले के खावड़ा से लगभग 55 किमी उत्तर-उत्तरपूर्व में था। अत्यधिक जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र में स्थित कच्छ जिले में कम तीव्रता के नियमित भूकंप आते रहते हैं। 26 जनवरी 2001 को कच्छ में आए भूकंप से भारी तबाही के साथ 13,800 लोगों की मौत हो गई थी।

गाजा पुनर्निर्माण के लिए बोर्ड ऑफ पीस में शामिल हुए अजय बंगा

वाशिंगटन। विश्व बैंक समूह के भारतीय मूल के अध्यक्ष अजय बंगा और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को गाजा पुनर्निर्माण के लिए 'बोर्ड ऑफ पीस' में नामित किया गया है। बोर्ड का गठन संघर्ष समाप्त करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापक योजना के तहत किया गया है। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को 'बोर्ड ऑफ पीस' के सदस्यों की सूची जारी की। इसमें वे नेता शामिल हैं जिनके पास राजनय, विकास, बुनियादी ढांचे और आर्थिक रणनीति का अनुभव है।

दिल्ली में फिर लागू हुए ग्रैप- 4 प्रतिबंध

- तेजी से बढ़ा एक्यूआई 400 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण फिर गंभीर श्रेणी में पहुंच जाने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को दिल्ली-एनसीआर में क्रमिक प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के चरण-4 के तहत प्रतिबंध लागू कर दिए।

सीएक्यूएम के एक अधिकारी के मुताबिक दिल्ली का एक्यूआई शनिवार को शाम चार बजे 400 दर्ज किया गया और पश्चिमी विक्षोभ, बेहद प्रतिकूल मौसम और प्रदूषकों के फैलाव की कमी के कारण तेजी से बढ़कर रात आठ बजे 428 हो गया। वायु गुणवत्ता में और गिरावट को रोकने के लिए सीएक्यूएम की जीआरएपी संबंधी उपसमिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि मौजूदा ग्रैप के चरण-4 की सभी कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से पूरे एनसीआर में लागू किया जाए। सीएक्यूएम ने शुक्रवार को ही दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 के तहत प्रतिबंध लागू किए थे। ग्रैप-4 प्रतिबंधों के तहत ट्रकों, गैर बीएस-6 वाहनों के प्रवेश और निर्माण कार्यों पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा स्कूलों और सरकारी व गैरसरकारी कार्यालयों में उपस्थिति सीमित की जा सकती है।

विदेशी दबाव के बजाय राष्ट्रीय हित के आधार पर हों संधियां

नई दिल्ली, एजेंसी

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- अंतर्राष्ट्रीय कर समझौतों में भी अपनी संप्रभुता की रक्षा करे भारत

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संधियां राष्ट्रीय हित के आधार पर होनी चाहिए न कि विदेशी सरकारों या निगमों के दबाव में। कोर्ट ने यह भी कहा कि भारत को अंतरराष्ट्रीय कर समझौते करते समय अपनी कर संप्रभुता की रक्षा के साथ निष्पक्षता सुनिश्चित करनी चाहिए और दुरुपयोग को रोकना चाहिए।

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की ये टिप्पणियां उस फैसले के दौरान आईं, जिसमें शीर्ष अदालत ने घरेलू राजस्व अधिकारियों के उस निर्णय को बरकरार रखा, जिसमें कहा गया था कि अमेरिका स्थित निवेशक कंपनी 'टाइगर ग्लोबल' द्वारा 2018 में फ्लिपकार्ट से बाहर निकलने पर उत्पन्न पूंजीगत लाभ भारत में कर के योग्य है। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने एक अलग लेकिन सहमति वाला फैसला लिखा, जिसमें स्पष्ट किया गया कि भारत को अंतरराष्ट्रीय कर संधियों के प्रति किस तरह का व्यापक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा, कर संधियां, अंतरराष्ट्रीय समझौते, प्रोटोकॉल और सुरक्षा उपाय अत्यंत सहभागी, पारदर्शी होने चाहिए और उनमें समय-समय पर समीक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही संधि से बाहर निकलने के मजबूत प्रावधानों के साथ पुनः वार्ता की शक्ति भी होनी चाहिए ताकि अनुचित परिणामों से बचा जा सके।

ये था मामला : टाइगर ग्लोबल ने 2018 में तब फ्लिपकार्ट से बाहर निकलने का फैसला किया था, जब वॉलमार्ट इंक ने भारतीय ई-वाणिज्य कंपनी में नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल की थी। इसके बाद टाइगर ग्लोबल ने फरवरी 2019 में इस मामले पर आयकर विभाग से अग्रिम प्राधिकरण निर्णय के लिए संपर्क किया था। टाइगर ग्लोबल के पूंजीगत लाभों को इस निर्णय में कर के योग्य बताया गया था।

बांग्लादेश : हिंदू युवक की कार से कुचलकर हत्या

नई दिल्ली/ढाका, एजेंसी

- पेट्रोल पंप का कर्मचारी था मृतक पैसे दिए बगैर जाने पर खड़ा हो गया था कार के सामने

बांग्लादेश में एक कार चालक ने पेट्रोल पंप पर काम करने वाले एक हिंदू युवक को कुचल दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक पेट्रोल की कीमत दिए बगैर जा रहा था जिसे युवक ने रोकने की कोशिश की थी। राजबाड़ी जिले में शुक्रवार को हुई इस घटना को लेकर हालांकि अभी यह पुष्टि नहीं हो पाई है कि हिंदू युवक को जानबूझकर सांप्रदायिक हिंसा का शिकार बनाया गया या नहीं। पुलिस ने आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मृतक की पहचान रिपन साहा (30) के रूप में हुई है जो गोलंदा मोड़ स्थित करीम पेट्रोल पंप पर काम करता था। राजबाड़ी सदर पुलिस प्रमुख खोनदाकर जियाउर रहमान ने हत्या का मामला दर्ज करने की बात कही है। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुक्रवार तड़के लगभग साढ़े चार बजे एक काली एसयूवी में सवार लोग पेट्रोल पंप पहुंचे और 5,000 टका (लगभग 3,710 रुपये) का पेट्रोल भरवाया। इसके बाद एसयूवी चालक ने पेट्रोल की कीमत चुकाए बिना वहां से जाने की कोशिश की तो रिपन उसके आगे खड़ा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एसयूवी चालक रिपन को कुचलते हुए वहां से भाग गया।

शुरुआत | प्रदेश के छह जिलों में 1500 करोड़ रुपये की लागत से एकीकृत न्यायालय परिसर का शिलान्यास

पूरे देश के लिए उदाहरण बनेगा उत्तर प्रदेश का मॉडल : सीजेआई

- चंदौली, महोबा, अमेठी, शामली, हाथरस व औरैया में शुरू हुआ पायलट प्रोजेक्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के न्यायिक इतिहास में शनिवार को एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। चंदौली जनपद से सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई न्यायमूर्ति एस सूर्यकांत, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चंदौली, महोबा, अमेठी, शामली, हाथरस व औरैया समेत छह जिलों में लगभग 1500 करोड़ रुपये से बनने वाले एकीकृत न्यायालय परिसरों का भूमि पूजन व शिलान्यास किया।

सीजेआई ने कहा कि यूपी का एकीकृत कोर्ट मॉडल आम आदमी के संवैधानिक सपनों को साकार करने वाला कदम है। यह देश के अन्य राज्यों के लिए उदाहरण बनेगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने यह भी कहा कि जब भी वे अन्य राज्यों में जाएंगे, वहां उत्तर प्रदेश के न्यायिक ढांचे और सुविधाओं का उल्लेख अवश्य करेंगे। न्याय व्यवस्था का मूल उद्देश्य यही है कि आम नागरिक को उसके नजदीक, सुगम और सुलभ न्याय मिले। इससे पहले मुख्यमंत्री ने न्यायमूर्ति एस. सूर्यकांत समेत कार्यक्रम में आए सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति विक्रमनाथ, न्यायमूर्ति पंकज मिथल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्र, न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली व उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता तथा वरिष्ठ न्यायाधीश महेश चंद्र त्रिपाठी को स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

चंदौली में एकीकृत न्यायालय परिसर के शिलान्यास के अवसर पर भूमि पूजन करते सीजेआई सूर्यकांत और मुख्यमंत्री योगी।

एकीकृत न्यायालय परिसर में ये खास

- छह जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हुई शुरुआत
- एक छत के नीचे कोर्ट, अधिवक्ता चैंबर, अन्य सुविधाएं
- हाईराइज इमारतों में वकीलों के लिए सुव्यवस्थित चैंबर
- न्यायिक अधिकारियों के आवास, पार्किंग, खेल सुविधाएं
- सरकार की ओर से पूर्ण वित्तीय सहयोग का आश्वासन

मुख्यमंत्री ने कहा, हर जिले में बनेंगे एकीकृत न्यायालय परिसर

योगी ने न्यायपालिका के इतिहास के नए पृष्ठ का सृजन बताते हुए कहा कि एक छत के नीचे सभी सुविधाओं वाले एकीकृत न्यायालय परिसर की परिकल्पना साकार हो रही है। पहले चरण में छह जिलों के लिए धनराशि अवमुक्त हो चुकी है और डिजाइन स्वीकृत होने के बाद निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा। योगी ने एलान किया कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में ऐसे आधुनिक न्यायालय परिसर विकसित किए जाएंगे। कहा, अब अधिवक्ताओं को जर्जर चैंबरों में काम नहीं करना पड़ेगा, उन्हें हाईराइज इमारतों में सुव्यवस्थित चैंबर उपलब्ध होंगे।

जिला न्यायालयों में बनाएं महिला बार रूम और स्वास्थ्य केंद्र

प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि जनपद न्यायालयों में प्रैक्टिस करने वाली महिलाओं के लिए अलग से बार रूम बनें। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी से अनुरोध किया कि कॉम्प्लेक्स में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी बन जाए। सीजेआई ने कहा कि इससे बुजुर्गों, वादकारियों आदि को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से भी निजात मिल जाएगी।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 18 जनवरी 2026

बरेली में बनेगी राज्य की पहली इंडस्ट्रियल टाउनशिप : मणिकंदन

15 दिन बाद होगी टाउनशिप की घोषणा, यूपी को देश की इंडस्ट्रियल कैपिटल बनाने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बरेली विकास प्राधिकरण राज्य का ऐसा पहला विकास प्राधिकरण है, जो विश्वस्तरीय इंडस्ट्रियल टाउनशिप डेवलप करने की दिशा में बढ़ चला है। इस टाउनशिप में उद्यमियों को फ्री होल्ड प्लाट के साथ-साथ पानी, बिजली, सीवर, पार्किंग, सोलर और पाइप के जरिए गैस कनेक्शन उपलब्ध होंगे। यह पहली टाउनशिप होगी, जिसमें उद्यमी को एनओसी के लिए किसी भी विभाग के चक्कर नहीं लगाने होंगे।

बरेली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मणिकंदन ने इंडिया फूड एक्सपो-2026 में बताया कि बरेली विकास प्राधिकरण की वेबसाइट पर इंडस्ट्रियल टाउनशिप में जाते ही एनओसी का एक ऐप मिलेगा। इसी ऐप पर जाकर एनओसी के लिए एप्लाई करना होगा। एप्लाई करने के 15 दिन के भीतर संबंधित विभाग एनओसी जारी कर देगा।

टाउनशिप से 20 मिनट की दूरी पर है गंगा-एक्सप्रेस वे

उन्होंने बताया कि बरेली में इंडस्ट्रियल टाउनशिप ऐसी जगह पर विकसित की जा रही है, जहां से 20 मिनट में गंगा एक्सप्रेस वे पर पहुंचा जा सकता है। यह टाउनशिप लखनऊ-दिल्ली हाइवे को 35 मीटर चौड़ी सड़क से जोड़ेगी। इस टाउनशिप में 500 से 5000 वर्गफुट के प्लाट मिलेंगे। प्राधिकरण से नक्शा पास कराने की फीस 1510 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर से अदा करना होगा। नक्शा पास होने के बाद प्राधिकरण सभी विभागों से एनओसी दिलाएगा।

लखनऊ के रिगेलिया ग्रीन्स में लगे इंडिया फूड एक्सपो में आयोजित सेमिनार को संबोधित करते मुख्य अतिथि बरेली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मणिकंदन। अमृत विचार

इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए बरेली सबसे अच्छी जगह

प्राधिकरण उपाध्यक्ष मणिकंदन ने बताया कि अगले 15 से 20 दिन में इस इंडस्ट्रियल टाउनशिप की घोषणा कर दी जायेगी। अगले 3 से 4 महीने में प्लाट आवंटन का काम शुरू हो जाएगा। अगले 20 से 25 साल में उत्तर प्रदेश देश की इंडस्ट्रियल कैपिटल होगा। उन्होंने कहा इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए बरेली सबसे अच्छी जगह इसलिए है कि यहां से ''उत्तर प्रदेश'' और ''भारत'' दोनों की ''राजधानी'' बराबर दूरी पर है और दोनों स्थानों पर साढ़े 3 से 4 घंटे में पहुंचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस इंडस्ट्रियल टाउनशिप का विकास इस तरह से किया जा रहा है कि हर प्लाट के सामने 18 मीटर चौड़ी सड़क होगी। उन्होंने कहा कि उद्यमी आयें और अपने सुझाव दें। हम हर सुझाव पर विचार करेंगे। जो सुझाव भी टाउनशिप को और बेहतर बना सकते हैं उसे योजना में शामिल किया जाएगा।

अलग होगा बिजली सब स्टेशन

उपाध्यक्ष ने बताया कि इस इंडस्ट्रियल टाउनशिप के लिए बिजली विभाग का अलग सब स्टेशन भी स्थापित किया जाएगा, ताकि उद्यमियों को बिजली की समस्या से न जूझना पड़े। उन्होंने बताया कि उद्यमी को जिस दिन प्लाट एलाट हो जाएगा, उसी दिन से उसकी किस्तें शुरू हो जायेंगी।

सेलर्स और बायर्स 'एक साथ एक छत के नीचे'

विशेष बातचीत

मंजिल की ओर और आगे बढ़े : चेतन देव भल्ला

इंडिया फूड एक्सपो-2026 के चेयरमैन 'चेतन देव भल्ला' फूड एक्सपो के दूसरे दिन उमड़ी उद्यमियों की भीड़ देखकर खासे उत्साहित नजर आये। उनसे यह पूछने पर कि एक्सपो के 10वें संस्करण पर कैसा महसूस कर रहे हैं, वह बोले कि लगता है कि अपनी मंजिल की तरफ हम एक कदम और आगे बढ़ गये हैं। इसमें 90 कंपनियों के 115 स्टाल हैं, जबकि पहली बार सिर्फ 35 स्टाल ही थे। कल एक्सपो का पहला दिन था। पहले दिन 5 हजार उद्यमियों ने एक्सपो देखा। उन्होंने कहा कि इस एक्सपो में 500 से 800 करोड़ बिजनेस की उम्मीद है। एक से तीन वर्ष में लगभग 3 हजार करोड़ रुपये के निवेश का अनुमान है। इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन फंड प्रोसेसिंग का इको सिस्टम डेवलप करेगी। उन्होंने कहा कि अगले साल लगने वाले एक्सपो में 300 स्टाल आने की उम्मीद है। हम उत्तर प्रदेश में देश का सबसे बड़ा एक्सपो लगाना चाहते हैं।

एक्सपो का मकसद गति पकड़ रहा : डीएस वर्मा

आईआईए के एक्सीक्यूटिव डायरेक्टर 'डीएस वर्मा' का मानना है कि जानकारियां करती उद्यमियों और युवाओं की जुटान बता रही है कि एक्सपो का मकसद गति पकड़ रहा है। लोग आज प्रदर्शनी के स्टालों पर एकत्र हैं और वहां से वह अपनी आवश्यकतानुसार कुछ न कुछ निकाल रहे हैं। सरकार की भी प्राथमिकता है कि किसानों की आय दोगुनी हो। इसी दिशा में काम तेज है। कृषकों की आय दोगुना करना, फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देना इसी कड़ी का एक अहम हिस्सा है। उत्पादन की प्रोसेसिंग से किसानों की आय में वृद्धि होना तय है। उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तो यूनिटें बढ़ेंगी और आय में इजाफा होगा ही। उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए यह बहुत ज्यादा उपयोगी होने वाला है। लोगों के सवाल और उद्यम लगाने की जानकारी करना भविष्य के अच्छे संकेत दे रहा है।

एक्सपो में 'फुटफॉल' बढ़ा : आलोक अग्रवाल

आईआईए के सीनियर वाइस प्रेसीडेंट आलोक अग्रवाल कहते हैं कि उद्यमियों, उत्पादकों और विभिन्न इंडस्ट्रीज की आज मजबूत उपस्थित फूड एक्सपो की मंशा को स्पष्ट कर रहा है। एक्सपो में आज 'फुटफॉल' काफी बढ़ा है। निश्चित तौर पर हम सही दिशा में तेजी के साथ आगे बढ़ रहे हैं। सेलर्स और बायर्स दोनों को 'एक साथ एक छत के नीचे' लाकर उनकी राह आसान कर रहे हैं। उन्हें एक ही मंच पर उद्यम से रिलेटेड सभी जरूरी जानकारियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। उत्पादकों की अच्छी संख्या है तो विभागीय अधिकारी भी हैं। किसानों की जरूरतों के ''सवालों'' पर 'उत्तर' दे रहे हैं। उद्यमी संतुष्टि के भाव के साथ न केवल सेमिनार में बल्कि प्रदर्शनी के स्टॉलों पर भी जुट रहे हैं। उन्हें उद्यम शुरू करने और उसे आगे ले जाने के लिए बारीक से बारीक जानकारियां दे रहे हैं। ऐसे में बड़े निवेश की उम्मीद है।

जमीन हो रही कम इसलिए बढ़ा नॉनवेज का चलन

फार्म वाला अंडा होता है वेज क्योंकि इसमें नहीं होते सेल : डॉ. ब्रजेश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: इंडिया फूड एक्सपो-2026 में पशु पालन विभाग के उपनिदेशक डॉ. ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि लगातार कृषि की जमीनों में कमी आने से वेज कम हो रहा है और नॉनवेज बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि फार्म का अंडा वेज होता है, क्योंकि इसमें सेल नहीं होते। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि व्यक्ति का जितना वजन किलोग्राम में होता है, उतने ग्राम प्रोटीन की उसे रोजाना जरूरत होती है। एक अंडे में 12 ग्राम प्रोटीन होता है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में खपत से आधा अंडा ही पैदा हो पाता है। अंडे की डिमांड पूरी करने के लिए हरियाणा आदि राज्यों से अंडा खरीदना पड़ता है।

सरकार दे रही पोल्ट्री फार्म के उद्योग को बढ़ावा : उन्होंने बताया कि अंडे की कमी को पूरा करने के लिए सरकार पोल्ट्री फार्म के उद्योग को बढ़ावा दे रही है। पोल्ट्री फार्म के लिए 7 फीसदी ब्याज पर ऋण मिलता है। पोल्ट्री फार्म के लिए खरीदी जाने वाली जमीन पर स्टाम्प शुल्क कम लगता है। बिजली शुल्क मामले में 10 साल तक एक लाख यूनिट प्रतिवर्ष की खपत में बिजली पर टैक्स का पैसा नहीं देना पड़ता।

फूड एक्सपो में आयोजित सेमिनार में संबोधित करते पशुपालन विभाग के उप निदेशक डॉ. ब्रजेश कुमार त्रिपाठी।

फूड एक्सपो में लगे स्टाल पर उत्पाद देखते लोग। अमृत विचार

चीन के प्लास्टिक अंडे की सप्लाई सच्चाई नहीं

डॉ. त्रिपाठी ने चाइना से प्लास्टिक के अंडे सप्लाई किये जाने की बात पर कहा कि इसमें कोई सच्चाई नहीं है। प्लास्टिक का अंडा महंगा पड़ता है, जबकि फार्म का अंडा आधी कीमत में आसानी से मिलता है। उन्होंने कहा, अंडा खाने से कैंसर होने की बात को सिरे से नकार दिया। एफएसआई ने भी इस बात की पुष्टि कर दी है। उन्होंने उस भ्रांति को भी गलत बताया कि चूजे को इंजेक्शन लगाकर वह तेजी से बड़ा हो जाता है।

फूड एक्सपो का उद्देश्य इन्वेस्टमेंट बढ़ाना : डॉ. सुनील राठौर

अमृत विचार, लखनऊ : पशुपालन विभाग के डॉ. सुनील राठौर ने बताया कि फूड एक्सपो का उद्देश्य निवेश को बढ़ाना है। पशुपालन विभाग का लक्ष्य 1000 करोड़ था, लेकिन हमने 2074 करोड़ का निवेश हासिल कर लिया है। उन्होंने बताया कि भारत में सबसे ज्यादा दूध का उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है, लेकिन उसकी मार्केटिंग नहीं हो पा रही है।

उन्होंने बताया कि श्वेत क्रांति के समय भारत में क्रॉस ब्रीडिंग की नीति को अपनाया गया। उस नीति ने भारत को दूध उत्पादन में नंबर वन पर पहुंचा दिया, लेकिन क्रॉस ब्रीडिंग से पशुओं में बीमारियां ज्यादा आ रही थीं। अब सरकार ने स्वदेशी नस्लों को बढ़ावा देने का फैसला किया है। इसमें 25 गायें 64 लाख रुपये में आएंगी, जिसमें यूपी सरकार 25 लाख रुपये की सब्सिडी देगी। ऑनलाइन अप्लाई करने पर सब्सिडी मिल जाती है।

स्टार्टअप के लिए आयोजन बहुत अच्छा : विकास खन्ना

आईआईए लखनऊ चैप्टर के चेयरमैन विकास खन्ना कहते हैं कि यह 10वां बड़ा संस्करण है। स्टार्टअप के लिए यह आयोजन बहुत अच्छा है। उद्यमियों के आज का फुटफॉल देख उनके चेहरे पर संतोष के भाव उभरते हैं। वे कहते हैं कि उद्यमियों की यह जुटने वाली भीड़ बता रही है कि एक्सपो का मकसद सही लाइन पर है। लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों से आ रहे किसान, उत्पादक, उद्यमियों के लिए यह एक बेहतरीन अवसर है। लॉजिस्टिक इंडस्ट्री को इसका बहुत बड़ा लाभ मिलने वाला है। फूड की प्रोसेसिंग को लेकर तमाम जानकारी एक मंच से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

दो लाख लाभार्थियों के खातों में आज पहुंचेंगे एक-एक लाख रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : शहरी गरीबों को पक्का घर उपलब्ध कराने के संकल्प को और मजबूत करते हुए प्रदेश सरकार रविवार को एक और बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत रविवार को दोपहर दो लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में एक-एक लाख रुपये की पहली किस्त भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से सिंगल क्लिक पर यह धनराशि लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित करेंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर के शामिल होने की भी संभावना है।

दाखिले के लिए स्ट्रे राउंड काउंसिलिंग शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के सरकारी व निजी आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक व यूनानी कॉलेजों में स्नातक (यूजी) और परास्नातक (पीजी) की रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए स्ट्रे वैकेंसी राउंड काउंसिलिंग शुरू हो चुकी है। पंजीकरण कराने की अंतिम तिथि आगामी 19 जनवरी है। तत्पश्चात मेरिट के क्रम मे अभ्यर्थियों से दो दिन तक कॉलेजों की प्राथमिकताएं ली जाएंगी और 20 जनवरी को सीट आवंटन परिणाम घोषित कर 23 जनवरी तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। यूपी आयुष यूजी काउंसिलिंग के नोडल अधिकारी एवं होम्योपैथिक निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि स्नातक की लगभग 300 सीटें रिक्त हैं, इनमें 110 सीटें आयुर्वेद में, 100 सीटें होम्योपैथी में और 75 सीटें यूनानी कॉलेजों में रिक्त हैं। इसी प्रकार पीजी की रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया 23 जनवरी तक पूरी की जाएगी।

मंदिरों को तोड़ने का सफेद झूठ फैला रही कांग्रेस : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- काशी में मणिकर्णिका घाट के पुनर्विकास को लेकर मुख्यमंत्री ने विपक्ष के आरोपों का दिया जवाब
- निशाने पर कांग्रेस, कहा- अहिल्याबाई की टूटी मूर्ति का वीडियो एआई से बनाया

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को वाराणसी में बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन करने के बाद कांग्रेस पर निशाना साधा। कहा कि जब काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण हो रहा था, तब भी कुछ लोगों ने साजिशें रची थीं। यहां तक कि जिन वर्कशॉप में मूर्तियां बनती हैं, वहां से टूटी हुई मूर्तियों के अवशेष लाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए और सफेद झूठ फैलाया गया कि मंदिर तोड़े जा रहे हैं।

दरअसल पिछले एक-दो दिनों से सोशल मीडिया पर काशी के मंदिर व मणिकर्णिका घाट को तोड़ने और माता अहिल्याबाई की मूर्ति के कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन्हीं आरोपों का जवाब देने के लिए मुख्यमंत्री योगी खुद मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने इन वीडियो की सत्यता को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि माता अहिल्याबाई की टूटी मूर्ति का वीडियो कांग्रेस ने एआई से बनाया। उन्होंने कहा कि एआई जनरेटेड वीडियो कांग्रेस फैला रही है। योगी ने कहा कि विरासत का सम्मान कैसे होता है, यह हमें कांग्रेस से पूछने की आवश्यकता नहीं। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर 500 वर्षों के बाद मंदिर निर्माण का कार्य, काशी हो या अयोध्या, मां विंध्यवासिनी धाम हो या प्रयागराज, बौद्ध तीर्थस्थल हो या फिर भारत की विरासत से जुड़े सभी तीर्थस्थल, विरासत के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के सभी कार्य प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सकुशल संपन्न हो रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस द्वारा इस प्रकार की अनर्गल टिप्पणी और उसके नेताओं के इस प्रकार के बचकाने बयान और बचकानी हरकतों को देखकर उन पर हंसी भी आती है और दया भी। इनका यह कृत्य वैसे ही है जैसे ''सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली''।

देश की जीडीपी में काशी का योगदान 1.3 लाख करोड़ : कॉरिडोर बनने के बाद काशी में आए परिवर्तन को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम बनने से पहले यहां प्रतिदिन औसतन पांच हजार से 25 हजार श्रद्धालु आते थे। कॉरिडोर बनने के बाद प्रतिदिन सवा लाख से डेढ़ लाख श्रद्धालु यहां दर्शन कर रहे हैं। धाम बनने के बाद से अब तक अकेले काशी ने देश की जीडीपी में 1.3 लाख करोड़ रुपये का योगदान किया है।

वाराणसी में पत्रकारों से वार्ता करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मंदिर तोड़े नहीं गए, पुनरुद्धार हुआ

योगी ने सीधे-सीधे कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब काशी विश्वनाथ धाम बन रहा था, तब भी कांग्रेस ने सफेद झूठ फैलाया कि मंदिर तोड़े गए, जो कि सरासर गलत है। उन मंदिरों का पुनरुद्धार हुआ है, वे आज भी वैसे ही हैं। फर्क इतना है कि पहले जीर्णशीण हालत में थे, अब उनका पुनरुद्धार हो चुका है।

कांग्रेस क्यों वापस नहीं लाई मां अन्नपूर्णा की मूर्ति

मुख्यमंत्री ने कहा कि सौ वर्ष पहले माता अन्नपूर्णा की मूर्ति यहां से चोरी कर यूरोप पहुंचा दी गई थी। प्रधानमंत्री के प्रयास से वह मूर्ति वापस आई और काशी विश्वनाथ में उसकी स्थापना की गई। योगी ने कांग्रेस से सवाल किया कि 1947 से लेकर 2014 तक ज्यादातर समय केंद्र में कांग्रेस की सरकारें रहीं, आखिर उन्होंने यह प्रयास क्यों नहीं किया।

देवदार गद्दी पर विराजमान होंगे गोरक्षपीठाधीश्वर

चकराता में तैयार विशेष कुर्सी गोरखनाथ मंदिर के मुख्य सभागार में स्थापित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार : प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ का उत्तराखंड से जुड़ाव एक बार फिर सांस्कृतिक और भावनात्मक रूप से मजबूत हुआ है। मकर संक्रांति के अवसर पर उत्तराखंड सरकार में राज्यमंत्री (कर्नल, सेवानिवृत्त) अजय कोठियाल ने गोरखपुर पहुंचकर योगी आदित्यनाथ को गोरक्षपीठ की गद्दी के रूप में देवदार की विशेष कुर्सी भेंट की। यह कुर्सी केवल फर्नीचर नहीं, बल्कि उत्तराखंड की आस्था, परंपरा और काष्ठकला का प्रतीक है।

कर्नल कोठियाल के अनुसार, केदारनाथ पुनर्निर्माण परियोजना में प्रयुक्त देवदार लकड़ी का कुछ हिस्सा शेष बचा था। उसी पवित्र लकड़ी से इस गद्दी का निर्माण कराया गया, ताकि उसका आध्यात्मिक महत्व बना रहे। इसका डिजाइन आर्किटेक्ट कृष्ण कुडियाल ने उत्तराखंड के प्राचीन मंदिरों की वास्तुशैली और काष्ठकला का अध्ययन कर तैयार किया। चकराता के पास कोटा गांव के परंपरागत कारीगरों ने लगभग 15 दिनों की मेहनत से इसे आकार दिया। कुर्सी के हत्थों पर उकेरी गई सिंह आकृतियां शक्ति और संरक्षण का प्रतीक हैं, जबकि पीछे पारंपरिक मंदिर शैली की नक्काशी की गई है। इसमें योगी आदित्यनाथ का प्रिय भगवा रंग भी प्रमुखता से शामिल है।

गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में भेंट की गई यह गद्दी योगी आदित्यनाथ को बेहद पसंद आई और इसे गोरखनाथ मंदिर के मुख्य सभागार में स्थापित किया गया है। देवदार की सुगंध से सभागार का वातावरण और अधिक पवित्र व आध्यात्मिक हो गया है।

उल्लेखनीय है कि योगी आदित्यनाथ मूल रूप से उत्तराखंड के पौड़ी जिले के यमकेश्वर ब्लॉक स्थित पंचूर गांव के निवासी हैं, जिससे यह उपहार उनके लिए भावनात्मक रूप से भी खास महत्व रखता है।

मुख्यमंत्री योगी को गोरक्षपीठ की गद्दी के रूप में देवदार की विशेष कुर्सी भेंट करते उत्तराखंड सरकार में राज्यमंत्री अजय कोठियाल।

मंदिरों व प्रतिमाओं के ध्वस्तीकरण का कांग्रेस ने किया कड़ा विरोध

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस ने वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर मंदिरों, प्रतिमाओं और धार्मिक स्थलों को ध्वस्त किए जाने पर कड़ा विरोध जताते हुए इसे विकास के नाम पर सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का विनाश बताया है। पार्टी ने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की योगी सरकार हिंदुत्व का दिखावा करते हुए हजारों साल पुरानी आस्था और परंपराओं को नष्ट कर रही है।

उप्र. कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर द्वारा जीर्णोद्धारित इस ऐतिहासिक घाट पर उनकी प्रतिमाओं, सैकड़ों साल पुराने मंदिरों और शिवलिंग को ध्वस्त किया गया है, जिससे हिंदू समाज की गहरी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक अभय दुबे ने कहा कि कांग्रेस की मांग है कि मणिकर्णिका घाट पर चल रहे कार्य तत्काल रोके जाएं, धर्माचार्यों से संवाद किया जाए।

विश्वविद्यालय और कॉलेज लेंगे 10 से 15 ग्राम पंचायतों को गोद

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश को गरीबी से मुक्त बनाने की दिशा में योगी सरकार एक और निर्णायक पहल करने जा रही है। जीरो पावर्टी अभियान को जमीनी स्तर पर और प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को सीधे इससे जोड़ा जाएगा। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत उच्च शिक्षण संस्थान अपने नजदीकी 10 से 15 ग्राम पंचायतों को गोद लेकर वहां चिन्हित जीरो पावर्टी परिवारों के सर्वांगीण विकास में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

अभियान के तहत शिक्षण संस्थानों के एनएसएस, एनसीसी और एमएसडब्ल्यू (सोशल वर्क) समेत विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्र वालंटियर के रूप में गांवों में कार्य करेंगे। ये छात्र जीरो पावर्टी परिवारों के सदस्यों को आजीविका संवर्धन, कौशल विकास, रोजगार, अप्रेंटिसशिप और उद्यमिता से जोड़ने में सहयोग करेंगे। साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवेदन प्रक्रियाओं में भी सहायता देंगे।

न्यूज ब्रीफ

जल प्रबंधन में मॉडल राज्य बनेगा उत्तराखंड

देहरादून, अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय राज्य मंत्री (जल शक्ति मंत्रालय) डॉ. राज भूषण चौधरी के बीच शनिवार को राज्य में भविष्य की जल परियोजनाओं, केंद्र-राज्य समन्वय को और सुदृढ़ करने तथा जल संसाधनों के सतत उपयोग को लेकर गहन विचार विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार के सहयोग से उत्तराखंड जल प्रबंधन के क्षेत्र में एक मॉडल राज्य के रूप में उभरकर सामने आएगा।

सोनभद्र में सियार के हमले में नौ लोग घायल

सोनभद्र, एजेंसी : सोनभद्र जिले के एक गांव में सियार के हमले में तीन बच्चों सहित नौ लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। ये हमले शुक्रवार और शनिवार को जुगैल थाना अंतर्गत जुगैल गांव में हुए। इन घटनाओं से इलाके में दहशत फैल गई है। इस संबंध में वन रेंजर अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि अभी पूरी जानकारी नहीं मिली है लेकिन संबंधित ग्राम प्रधान से बात हुई थी, जिसके अनुसार सियार ने कुछ लोगों पर हमला किया है। सिंह ने बताया कि अभी विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने बताया कि वन विभाग की कई टीम रविवार को गांव का दौरा करेगी ताकि स्थिति का जायजा लिया जा सके और जानवर को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू की जा सके। घायलों को इलाज के लिए चोपान के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया और आवश्यक टीके लगाए गए।

ताजमहल में भगवा ले जा रहे लोगों को रोका

आगरा,एजेंसी : आगरा में ताजमहल पर भगवा ध्वज ले जा रहे हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक लिया। शनिवार को ताजमहल में चल रहे शाहजहां के उर्स के आखिरी दिन अखिल भारत हिन्दू महासभा के कार्यकर्ता 21 मीटर लंबा भगवा ध्वज लेकर जा रहे थे जिन्हें पुलिस ने ताजमहल से पहले पुरानी मंडी चौराहे पर रोक लिया।

अमिताभ ठाकुर की याचिका पर 19 को सुनवाई

देवरिया,एजेंसी : धोखाधड़ी के आरोप में उत्तर प्रदेश की देवरिया जिला जेल में बंद पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर की जमानत याचिका पर शनिवार को अदालत में सुनवाई हुई। अभियोजन पक्ष ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मामले में अब 19 जनवरी को सुनवाई होगी। अभियोजन पक्ष ने यहां बताया कि ठाकुर की जमानत याचिका पर आज जिला न्यायाधीश धनेन्द्र प्रताप सिंह की अदालत में सुनवाई हुई।

प्रतापगढ़ में बाल शिशु गृह से बच्चा चोरी

प्रतापगढ़, एजेंसी : जिले के थाना नगर कोतवाली पुलिस ने बाल शिशु गृह से एक बच्चा चोरी होने के मामले में एक महिला कर्मचारी के खिलाफ नामजद व अन्य अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। नगर क्षेत्र के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रशांत राज हुड्डा ने शनिवार को बताया कि थाना नगर कोतवाली क्षेत्र के दाहिलामऊ उत्तरी शुकुलपुर में बाबा राम उदित सेवा संस्थान के नाम से बाल शिशु गृह का संचालन किया जा रहा है, जिसमें कुल सात बच्चे हैं। उन्होंने बताया कि गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात महिला कर्मचारी रंजना श्रीवास्तव व रीना ड्यूटी पर तैनात थीं तभी भोर में पांच माह के बच्चे आयुष के चोरी होने की सूचना पर प्रबंधक कमलाकांत शुक्ला ने पुलिस को सूचित किया।

वाहनों से डीजल चोरी करने वाले 4 गिरफ्तार

पीलीभीत/अमरिया, अमृत विचार : हाईवे पर खड़े वाहनों से डीजल की चोरी करने वाले गिरोह के चार लोगों को अमरिया पुलिस ने धर दबोचा। वह क्षेत्र के ही रहने वाले थे। उनके पास से चोरी किया एक हजार लीटर डीजल समेत अन्य सामान बरामद किया गया। सहायक पुलिस अधीक्षक नताशा गोयल ने खुलासा किया। जिसके बाद आरोपियों को चालान कर कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया है।

किशोरी को ले गए थे बिहार के युवक, गिरफ्तार

पीलीभीत, अमृत विचार : लापता किशोरी को अमरिया पुलिस ने बरामद कर लिया। दो आरोपियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जोकि बिहार के रहने वाले हैं। पूर्व में दर्ज रिपोर्ट में सामूहिक दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी कर दोनों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अमरिया थाने में क्षेत्र के एक व्यक्ति ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया था कि 13 जनवरी को रात आठ बजे उसकी सोलह वर्षीय पुत्री ताई के घर टीवी देखने जाने की बात कहकर घर से निकली थी और लापता हो गई।

दुल्हन के परिधान में सजी हिंदू युवती और मुस्लिम युवक के शव पेड़ से लटके मिले

झांसी, एजेंसी

- **झांसी का मामला, पुलिस कर रही है जांच**

जिले में शनिवार को एक मुस्लिम युवक और दुल्हन के परिधान में सजी एक 18 वर्षीया हिंदू युवती के शव पेड़ से लटके पाए गए। पुलिस को संदेह है कि युवती की शादी कहीं और तय होने के बाद दोनों ने यह कदम उठाया। हालांकि, दोनों के परिवार वालों ने उनके बीच किसी भी तरह के प्रेम संबंध की जानकारी होने से इनकार किया है।

पुलिस ने बताया कि उसे पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। हालांकि, अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। याजुल (20) और मुस्कान नाम के ये दोनों युवा पट्टी कुम्हररा गांव के निवासी थे। चिरगांव पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी राहुल राठौर ने बताया कि ग्रामीणों ने एक सुनसान मकान के परिसर में स्थित पेड़ की शाखा से बंधे फंदे से दोनों के शवों को लटका देखा।

उन्होंने कहा कि महिला दुल्हन के परिधान में सजी थी, जिससे स्थानीय लोगों में संदेह पैदा हुआ कि दोनों अपने अलग-अलग धर्मों के कारण शादी न कर पाने से दुखी थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, महिला की सगाई कहीं और तय हो जाने के बाद पुरुष और महिला ने कथित तौर पर फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली।

तारों के गोलाकार समूह विंटर सर्किल का है सर्दियों से अटूट रिश्ता, मार्च माह तक देख सकते हैं नजारा

आसमान के सौंदर्य में चार चांद लगाता विंटर सर्किल

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध से छह खूबसूरत तारों का समूह विंटर सर्किल का सर्दियों से अटूट रिश्ता रहा है। अलग-अलग तारा मंडलों के इन चमकीले तारों को शीत ऋतु का प्रतीक माना जाता है। यह आधा दर्जन तारों का गोलाकार समूह सर्द रातों में आसमान की सुंदरता में चार चांद लगाता है।

धरती पर सर्दियां सैकड़ों सदियों से चली आ रही हैं। कहीं की सर्द रातें अधिक कठोर होती हैं तो कहीं ठंड का हल्का सा आभास दे जाती हैं। शीतकाल में आसमान में यह छह तारों की गोलाकार आकृति लिए आकर्षक समूह है, जो वास्तव

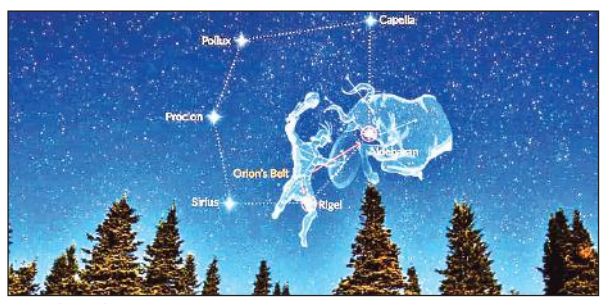

छह तारों का गोलाकार समूह विंटर सर्किल। ● अमृत विचार

में सुखद अनुभूति प्रदान कराती है। टिमटिमाते इन तारों को नग्न आंखों से देखा जा सकता है। यह समूह दिसंबर से मार्च के बीच देखा जा सकता है। इस सर्किल को सूर्यास्त के बाद शाम सात बजे के बाद से अलसुबह तक बखूबी देखा जा सकता है। यह छह अलग-अलग तारामंडलों के सबसे चमकीले तारें हैं। जिनमें सीरियस, रिगेल, कैपेला, पोलक्स, प्रोसियन और एल्डबरन शामिल है।

उत्तरी गोलार्ध में सर्दियों के महीनों में स्पष्ट नजर आने के कारण इसे विंटर सर्किल कहा जाता है। इन छः तारा मंडलों के नाम ओरियन, वृषभ, औरिगा, मिथुन, कैनिस माइनर, कैनिस मेजर हैं। विंटर सर्कल को आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी पहचान के लिए तीन तारों की बेल्ट वाला तारा मंडल ओरियन के जरिए आसानी से पहचाना जा सकता है। खगोल वैज्ञानिक इसे रोमांचक खगोलीय घटना मानते हैं। एस्ट्रो फोटोग्राफी के लिए भी यह सर्किल रोमांच पैदा करता है। उत्तरी गोलार्ध के विपरीत दक्षिणी गोलार्ध की बात करें तो दक्षिणी गोलार्ध में इसे समर सर्किल कहा जाता है क्योंकि इन दिनों दक्षिणी गोलार्ध में ग्रीष्मकाल चल रहा है।

पूर्व में ग्रह नक्षत्रों से होती थी समय की पहचान

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि भले ही वर्तमान में समय, महीनों और ऋतुओं की पहचान के लिए साधन उपलब्ध हैं, लेकिन प्राचीनकाल में ग्रह नक्षत्रों के जरिए ही वक्त की पहचान हो पाती थी। वर्तमान में आसमान में चमकते ग्रहों और तारों की चमक, प्रकाश और वायु प्रदूषण के जरिए फीकी पड़ चुकी है जिस कारण आसमान के प्रति आकर्षण नहीं रहा। मगर ब्रह्मांड में ग्रह और तारा मंडलों का महत्व कतई नकारा नहीं जा सकता। यह आसमान में उकेरा कुदरत का अनूठा चित्र जैसा ही है। तारों की विशेष आकृति बनाने वाला विंटर सर्किल अद्भुत और निराला है।

चारधाम के मंदिर परिसरों में मोबाइल, कैमरों पर प्रतिबंध

इस साल से यात्रा में नियम लागू, गढ़वाल आयुक्त ने की समीक्षा

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड में इस वर्ष से चार धाम के मंदिर परिसरों में मोबाइल फोन और कैमरे पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेंगे।

ऋषिकेश स्थित चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप में शनिवार को चारधाम यात्रा की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में संबंधित जिलों के डीएम, एसएसपी तथा विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करने के बाद गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने संवाददाताओं को बताया कि बीते वर्षों में मंदिर परिसरों में मोबाइल फोन एवं कैमरा ले जाने से दर्शन व्यवस्था में कई समस्याएं सामने आई थीं और इसे देखते हुए मंदिर परिसरों में मोबाइल फोन एवं कैमरों को पूरी तरह से प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया गया है। पांडेय ने कहा कि चारधाम यात्रा एक पवित्र यात्रा हैं जहां लोग श्रद्धा से आते हैं।
उन्होंने कहा, श्रद्धालु, मोबाइल और कैमरा जमा कराकर मंदिर में दर्शन करें और वहां से निकलने के बाद वे मंदिर की पृष्ठभूमि में अपने फोटो और वीडियो ले लें। बीकेटीसी को श्रद्धालुओं के मोबाइल फोन एवं कैमरा सुरक्षित रखने के लिए मंदिर परिसरों में पृथक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आयुक्त ने बताया कि चारधाम यात्रा सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाए जाने के उद्देश्य से अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

अक्षय तृतीया पर घोषित होंगी तिथियां

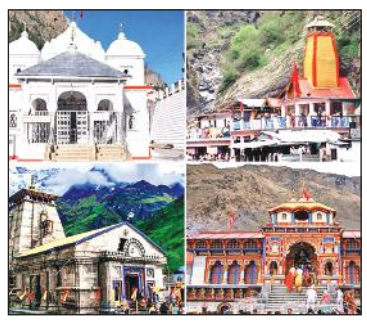
देहरादून : आयुक्त ने कहा कि पिछले यात्रा सीजन में 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने चार धामों-गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ की यात्रा की थी। इस वर्ष यात्रा को और अधिक सुगम एवं सरल बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएंगे। गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट अक्षय तृतीया पर खोले जाते हैं जो इस वर्ष 19 अप्रैल को है। बदरीनाथ मंदिर के कपाट खुलने की तिथि बसंत पंचमी तथा केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने की तिथि महाशिवरात्रि के पर्व पर घोषित की जाती है।

रुद्रप्रयाग डीएम प्रतीक जैन ने केदारनाथ धाम की पैदल यात्रा को लेकर सुझाव प्रस्तुत किया। उन्होंने अवगत कराया कि वर्तमान पैदल मार्ग पर यात्रियों एवं घोड़े-खच्चरों की अधिक आवाजाही के कारण श्रद्धालुओं को असुविधा होती है। इस समस्या के समाधान हेतु पुराने मार्ग से लगभग पांच किलोमीटर कम दूरी वाला एक नया वैकल्पिक पैदल मार्ग तैयार किया गया है।

बीएड की योग्यता नहीं रखने वाले की नियुक्ति नहीं

प्रयागराज,एजेंसी: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया है कि बीएड की योग्यता नहीं रखने वाले किसी भी व्यक्ति की सहायक अध्यापक/प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (कला) के पद पर नियुक्ति नहीं की जाएगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक (कला) परीक्षा-2014 के लिए इस पद का विज्ञापन निकाला गया था। हालांकि, अदालत ने प्रतिवादियों को चयन प्रक्रिया आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति सुधांशु चौहान की पीठ ने विनोद कुमार यादव और चार अन्य द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को यह आदेश पारित किया।

अदालत ने प्रदेश के महाधिवक्ता को नोटिस जारी करते हुए राज्य सरकार, उप्र लोक सेवा आयोग और अन्य को इस मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई की तिथि 13 मार्च, 2026 तय की। उप्र लोक सेवा आयोग ने उक्त पदों के लिए बीएड की डिग्री को तरजीही योग्यता बनाई थी। याचिकाकर्ताओं ने उक्त विज्ञापन को चुनौती दी और कहा कि बीएड की डिग्री को सहायक अध्यापक (कला) के पद के लिए तरजीही योग्यता बनाई गई ना कि न्यूनतम योग्यता।

इंजीनियर को हिरासत में लेने के बाद पिता ने सरकार से मदद मांगी

गाजियाबाद, एजेंसी

- **मर्चेंट नेवी के एक तेल टैंकर पर कार्यरत है इंजीनियर केतन**

ईरान में मर्चेंट नेवी के एक तेल टैंकर पर कार्यरत इंजीनियर केतन मेहता को हिरासत में लिये जाने के बाद उसके पिता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत अन्य प्रमुख लोगों को पत्र लिखकर बेटे की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप की अपील की है। केतन को अन्य भारतीयों के साथ हिरासत में लिया गया है। तेल टैंकर पर तीसरे इंजीनियर के रूप में कार्यरत केतन के पिता मुकेश मेहता ने प्रधानमंत्री मोदी, विदेश मंत्रालय और जहाजरानी महानिदेशालय से मामले में हस्तक्षेप कर उनके बेटे और अन्य भारतीयों को ईरान की हिरासत से मुक्त कराने की अपील की है।

मुकेश मेहता ने कहा कि उन्होंने मानवीय आधार पर बेटे की तत्काल रिहाई सुनिश्चित कराने के लिए पत्र लिखे हैं। उन्होंने पत्र की प्रति भी मीडिया को उपलब्ध कराई। मुकेश ने बताया कि केतन दुबई की कंपनी प्राइम टैंकर एलएलसी द्वारा संचालित तेल टैंकर एमटी ब्रिलियंट रोअर पर तृतीय इंजीनियर के रूप में कार्यरत है। उन्होंने प्राप्त जानकारी के हवाले से बताया कि जहाज को ईरान के बंदर अब्बास बंदरगाह पर रोक लिया गया और केतन सहित चालक दल के अन्य सदस्यों को ईरानी अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। मुकेश ने बताया कि गिरफ्तारी के दिन से उनका पूरा परिवार लगातार भय, चिंता और भावनात्मक आघात में जी रहा है। उन्होंने कहा कि उनके बेटे ने कोई अपराध नहीं किया है और न ही किसी कानून का उल्लंघन किया है।

उन्होंने कहा कि वह (केतन) केवल एक नाविक के रूप में अपने वैध कर्तव्यों का पालन कर रहा था। इस बीच, तेहरान में भारतीय दूतावास ने शनिवार को कहा कि देश जहाज के 16 भारतीय क्रू सदस्यों को जल्द से जल्द राजनयिक पहुंच उपलब्ध कराने के लिए ईरानी अधिकारियों पर दबाव डालता रहेगा। मिशन ने कहा कि उसे दिसंबर के मध्य में भारतीय क्रू वाले जहाज, एमटी वैलेंट रोर की हिरासत के बारे में सूचित किया गया था। दूतावास ने एक बयान में कहा, बंदर अब्बास में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने तुरंत (14 दिसंबर को) ईरान सरकार को क्रू तक राजनयिक पहुंच देने के लिए लिखा। इसने कहा कि तब से राजनयिक पहुंच के लिए अनुरोध कई बार दोहराया गया है, राजनयिक पत्राचार और बंदर अब्बास और तेहरान में व्यक्तिगत बैठकों के माध्यम से, जिसमें राजदूत के स्तर पर भी शामिल है।

नोएडा में कार पानी से भरे गड्ढे में गिरी इंजीनियर की मौत

नोएडा, एजेंसी : नोएडा में नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के सेक्टर 150 के पास शुक्रवार देर रात एक कार के अनियंत्रित होकर पानी से भरे करीब 20 फुट गहरे गड्ढे में गिरने से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस के साथ राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) एवं अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंचीं और रातभर चले बचाव अभियान के बाद शनिवार तड़के शव को बरामद कर लिया गया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 12 बजकर 15 मिनट पर सूचना मिली थी कि सेक्टर 150 के पास कार एक निर्माणाधीन इमारत के बेसमेंट के लिए खोदे गए पानी से भरे करीब 20 फुट गहरे गड्ढे में गिर गई है।

प्रवक्ता ने बताया कि गोताखोरों की मदद से कार तथा चालक की तलाश शुरू की गई। उन्होंने बताया कि तड़के करीब चार बजे कार बरामद कर ली गई और चालक कार के अंदर मृत पाया गया। प्रवक्ता ने बताया कि मृतक की पहचान युवराज मेहता (27) के रूप में की गई है जो सेक्टर 150 स्थित एक सोसाइटी में रहता था और एक नामी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर था।

गैर हिंदू प्रवेश वर्जित के लगे बोर्ड पर गरमाई सियासत

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: हरिद्वार में हर की पौड़ी घाट और आसपास गैर हिंदुओ के प्रवेश पर रोक लगाने वाले बोर्ड लगने के बाद प्रदेश में पक्ष और विपक्ष में तीखी बहस शुरू हो गई है।

कांग्रेस का कहना है कि एक तरफ किसी भी जगह पर गैर हिंदुओं के प्रवेश को निषेध करना और दूसरी तरफ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट का यह कहना कि सब धर्मो के लोग आ सकते हैं, यह दर्शाता है कि भारतीय जनता पार्टी धार्मिक मामलों में खुद असमंजस की स्थिति में है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा कि दरअसल, भाजपा की सोच धार्मिक मामलों में बिल्कुल भी स्पष्ट नहीं है। इधर, भाजपा ने कुंभ क्षेत्र में गैर हिंदू प्रवेश मुद्दे पर कांग्रेस आपत्ति को तुष्टिकरण की नीति का हिस्सा बताया है, और कहा है कि अंकिता प्रकरण में मुंह की खाने के बाद कांग्रेस अब विरोध के नए बहाने तलाश रही है। शनिवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि हरिद्वार कुंभ क्षेत्र में गैर हिंदू प्रवेश मुद्दे पर सनातन भावना का सम्मान होना चाहिए। इस विषय को लेकर जो विपक्षी आपत्तियां हैं, वह सब तुष्टीकरण की राजनीति से प्रेरित है।

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर में प्रभावितों को मिलेगा उम्मीद से ज्यादा मुआवजा

मथुरा, एजेंसी

वृंदावन में ठाकुर बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर के निर्माण की दिशा में एक बड़ी और ऐतिहासिक सफलता हाथ लगी है। उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित उच्च स्तरीय कमेटी के प्रयासों से मंदिर के आसपास के विकास कार्यों के लिए पहली रजिस्ट्री भगवान बांके बिहारी जी के नाम कर दी गई है।

जिला प्रशासन ने साफ किया है कि कॉरिडोर निर्माण के लिए जिन लोगों की जमीन या दुकानें ली जा रही हैं, उन्हें बाजार दर से भी बेहतर और उम्मीद से कहीं ज्यादा मुआवजा दिया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, कॉरिडोर निर्माण की दिशा

में पहला कदम उठाते हुए श्रीमती यति गोस्वामी, अनिकेत गोस्वामी और अभिषेक गोस्वामी ने अपनी संपत्ति की रजिस्ट्री भगवान के पक्ष में की है।

प्रशासन ने इसे एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए उम्मीद जताई है कि अब कॉरिडोर का काम जल्द गति पकड़ेगा। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य रोजाना आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को भीड़भाड़ और असुविधा से निजात दिलाना है। संपत्ति अधिग्रहण को लेकर स्थानीय लोगों के मन में चल रही आशंकाओं को दूर करते हुए आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जिनकी भी निजी संपत्ति या दुकानें इस विकास कार्य के दायरे में आ रही हैं, उन्हें पर्याप्त वित्तीय मुआवजा दिया जा रहा है।

कॉरिडोर बनने के बाद प्रयास रहेगा कि प्रभावित दुकानदारों को उसी परिसर में नई दुकानें आवंटित की जाएं। जिन लोगों के घर जा रहे हैं, उन्हें रुक्मिणी विहार और सुनरख बांगर में रियायती दरों पर फ्लैट उपलब्ध कराए जाएंगे। जिलाधिकारी सिपी सिंह ने कहा कि लोगों के मन में डर था कि उन्हें सही दाम मिलेगा या नहीं, लेकिन जो दरें तय की गई हैं, वे लोगों की सोच से कहीं ज्यादा हैं।

नौकरी लगवाने के नाम पर 2.17 लाख रुपये ठगे

कार्यालय, शाहजहांपुर

- **विद्युत मीटर रीडर के पद नौकरी का दिया था लालच, चार पर रिपोर्ट**

अमृत विचार: बिजली विभाग में मीटर रीडर पर भर्ती कराने के नाम पर आरोपियों ने कई लोगों से 2 लाख 17 हजार रुपये हड़प लिए। रुपये वापस मांगने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुवायां थाना क्षेत्र के गांव बद्रीपुर हदीरा निवासी अंकुल शर्मा ने बताया कि विद्युत विभाग निगोही में मीटर रीडर के पद पर काम करता है। वहीं पर सुपरवाइजर पद पर नसीम भी कार्य करता है। उसकी नसीम से जान पहचान हो गयी। आरोपी नसीम ने उससे कहा कि प्रमोशन करा देगे। आरोपी ने उससे कहा कि अन्य लोग बिजली विभाग में नौकरी करने के इच्छुक हो तो संविदा में नौकरी लगवा देगा। जिसमें प्रमोशन के लिए बतौर सिक्योरिटी 50 हजार रुपये आउट सोर्सिंग फर्म के स्वामी शशांक अवस्थी को देने होंगे व मीटर रीडर पद के लिए 30 हजार रुपये देने होंगे। अंकुल शर्मा ने आरोपी को कुछ प्रपत्र दिखाये। पीड़ित आरोपी की बातों पर विश्वास कर लिया। आरोपी ने उसको कथित आउटसोर्सिंग फर्म विमू इन्फोटेच इंडिया के स्वामी शशांक अवस्थी से मिलवाया। पीड़ित ने सुपरवाइजर पद के लिए आरोपी को किस्तों पर 50 हजार रुपये इंटरनेट सुविधा से नसीम के खाते में भेज दिए। उसने अपने रिश्तेदारों को इसकी जानकारी भी दी।

दुर्घटनाएं दुर्घटना में महिला समेत तीन लोग हुए घायल, खैरपुर चौराहा पर कटरा-जलालाबाद रोड पर हुआ हादसा

घने कोहरे में टकराए पांच वाहन, तीन की गई जान

संवाददाता , शाहजहांपुर

- **मृतक चालक बरेली, बिजनौर और संभल के रहने वाले थे**

अमृत विचार : कटरा जलालाबाद मार्ग पर शनिवार को घने कोहरे में दो टैंकर, एक ट्रक, एक ईको और एक बोलेरो टकरा गई। हादसे में दो चालकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक ने इलाज के दौरान तीसरे चालक की मौत हो गई। हादसे में तीन लोग मामूली रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद रोड पर लंबा जाम लग गया। जिसमें करीब एक घंटे तक वाहन फंसे रहे। मौके पर पहुंची पुलिस वाहनों को एक ओर कराकर यातायात सुचारू करवाया। मृतक चालक बरेली, बिजनौर और संभल के रहने वाले थे। शनिवार को कटरा-जलालाबाद मार्ग पर खैरपुर चौराहा के पास खाली ट्रक लेकर आ रहे बरेली के मीरगंज निवासी निहालउद्दीन के ट्रक में रामपुर निवासी इकबाल के

हादसे के बाद खड़ा क्षतिग्रस्त ट्रक।

मटर लदे ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद सड़क पर जाम लग गया। हादसे में निहालुद्दीन गंभीर रूप से घायल हो गए। वह ट्रक की बॉडी में फंस गए। लोगों ने पुलिस की मदद से निहालुद्दीन को ट्रक से निकालकर बरेली भेज दिया। हादसे के दौरान रोड पर जाम लग गया। फर्रूखाबाद की ओर से आ रहे नसीम अहमद निवासी निदरु जिला बिजनौर का टैंकर रूका ही था कि पीछे से टैंकर लेकर आ रहे राजीखेड़ा थाना कुंदरी जिला संभल निवासी राजपाल का टैंकर नसीम के टैंकर से टकरा गया। इसके बाद दोनों चालक दोनों ट्रैंकर के बीच में खड़े होकर विवाद करने लगे। इतनें में जलालाबाद की ओर धान भरकर आ रहे मुनीश निवासी मैनपुरी के ट्रक ने एक टैंकर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह टैंकर आगे बढ़ गया। इससे दोनों टैंकरों के बीच खड़े नसीम अहमद और राजपाल दोनों टैंकरों के बीच फंस गए। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

उधर इलाज के दौरान निहालुद्दीन ने भी दम तोड़ दिया। घटना के बाद रोड पर जम लग गया।

घने कोहरे में हाईवे पर टकराए वाहन, 6 घायल

अमरोहा, अमृत विचार : नेशनल हाईवे पर घने कोहरे के चलते भीषण सड़क हादसा हो गया।10 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए। आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। पलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जहां तीन लोगों की हालत नाजुक बनी है। यह हादसा हाईवे पर कोहरे से जीरो विजिबिलटी के कारण हुआ। टक्कर लगने के बाद हाईवे पर जाम लग गया। पुलिस ने क्रेन से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाया। दरअसल शुक्रवार देर रात से ही भीषण कोहरा हो गया था जो शनिवार की सुबह तक बना रहा। घने कोहरे के चलते दृश्यता शून्य हो गई थी। नेशनल हाईवे पर तो कुछ भी देख पाना संभव नहीं था। वाहन भी धीमी रफ्तार से चल रहे थे। सुबह करीब 4 :30 बजे मुरादाबाद से दिल्ली लेन पर पहले ट्रक के पीछे डीसीएम टकराई और इसके बाद एक के बाद एक 8 से 10 वाहन टकराते चले गए। चार वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इसके बाद दिल्ली से मुरादाबाद लेन पर भी पिकअप, कार और निजी बस आपस में टकरा गई। हादसे में बरेली के नवाबगंज के रहने वाले डीसीएम चालक वाहिद अली, कार सवार हमजा घायल हो गए हैं। पिकअप सवार लोग पानीपत के रहने वाले हैं और मनोना धाम जा रहे थे। पिकअप में सवार श्रीदेवी, सोनू, उदयवीर और हरीश घायल हो गए। हादसे के बाद तुरंत लोगों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया जिसके चलते पीछे से आने वाले वाहन रुकते चले गए। सूचना मिलते ही डिडौली कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं हादसे के बाद हाईवे पर चीख पुकार मच रही। क्षतिग्रस्त वाहनों के कारण जाम लग गया।

न्यूज ब्रीफ

एमएलसी को सीएचसी में नदारद मिला स्टाफ

रिठौरा, अमृत विचार : एक माह पहले सांसद छत्रपाल गंगवार और एमएलसी बहोरन लाल मौर्य ने जिस सीएचसी का शुभारंभ किया। शनिवार को उसी सीएचसी का एमएलसी ने निरीक्षण किया तो यहां केवल चतुर्थश्रेणी कर्मचारी ही मौजूद मिला। पूरा स्टाफ नदारद रहा। एमएलसी ने मामले की सूचना सीएमओ को दी और इस अव्यवस्था पर नाराजगी जताई है। इस सीएचसी में पहले दिन से ही लगभग सौ मरीज रोजाना दवा लेने पहुंचने लगे हैं।

मकान से लाखों की चोरी, रिपोर्ट दर्ज

मऊचंदपुर, अमृत विचार : क्षेत्र में धन्ना वाली गौटिया गांव में गुरुवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक मकान में लाखों रुपए की नकदी और कीमती तेजराम के घर चोरी कर लिए सुबह घटना की जानकारी होने पर परिवार में हड़क मच गया सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी पीड़ित तेजराम वर्मा ने पुलिस को दी तहरीर मैं बताया कि गुरुवार परिवार के सदस्य सो रहे थे। देर ज्ञात चोर मकान में घुस गए कमरा में रखी नकदी के साथ सोना चांदी जेवरात लेकर फरार हो गए। सुबह जब परिवार के सदस्य जागे तो उनका सामान बिखरा हुआ मिला उसके बाद चोरी का पता लगा पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

संदिग्ध हालात में युवक का शव लटका मिला

दुनका, अमृत विचार : थाना शाही गांव धनेली की गोटियां में शनिवार को आम के पेड़ पर युवक का शव लटका मिला। गोटिया में गांव से 500 मीटर दूरी पर आम के पेड़ से रस्सी के सहारे फांसी पर लटका मिला। मृतक की पहचान लाखन (30) के रूप में हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने पड़ताल की। शव आम के पेड़ पर प्लास्टिक की रस्सी के सहारे लटका था। मौके पर मृतक के परिजन भी मौजूद थे।

चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

भोजीपुरा, अमृत विचार : पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को चोरी मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी भोजीपुरा, चौकी इंचार्ज धौंराटांडा के साथ बाइक नहीं रोकने पर पकड़ा तो बाइक चोरी की निकली।

किसानों ने आवारा गोवंश को बनाया बंधक

मझगवां ब्लाक में फसल तबाही से परेशान किसानों का सब्र टूटा, प्रशासन के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन

संवाददाता, अलीगंज/राजपुर कलां

मझगवां ब्लाक के ग्राम पंचायत ढकिया के किसानों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर पशुओं को गोशाला भेजने की मांग की।

अमृत विचार : पशुधन मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में आवारा पशुओं के छुट्टा घूमना किसानों को परेशान कर रहा है। आवारा पशुओं से बर्बाद हो रही फसल से आजिज किसानों ने एकत्र होकर 50 से ज्यादा आवारा पशुओं को पानी की टंकी पर बंधक बना लिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया। ग्राम विकास अधिकारी को भी ग्रामीणों ने घेर लिया। किसानों ने आवारा पशुओं को गोशाला भिजवाने की मांग की ताकि फसलों को बचाया जा सके।

विकासखंड मझगवां की ग्राम पंचायत ढकिया में आवारा गौवंश से फसलों को हो रहे भारी नुकसान से परेशान किसानों का सब्र शनिवार को जवाब दे गया। सुबह दर्जनों किसानों ने खेतों में घूम रहे आवारा गौवंश को इकट्ठा कर गांव की पानी की टंकी परिसर में बंधक बना दिया और प्रशासन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

ग्रामीणों ने मांग थी कि आवारा गौवंश को तत्काल गौशालाओं में भिजवाया जाए, ताकि किसानों की मेहनत की फसल बर्बाद होने से बच सके। सूचना मिलने पर खंड विकास अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने ग्राम विकास अधिकारी विकास गौतम को मौके पर भेजा, लेकिन गांव पहुंचते ही ग्रामीणों ने उन्हें घेर लिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। हालात बिगड़ते देख ग्राम सचिव विकास गौतम तथा प्रधान ढालवती के पति श्याम बिहारी को मौके से निकलना पड़ा। सुबह से दोपहर करीब 2:30 बजे तक किसी भी जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी के न पहुंचने से आक्रोशित ग्रामीण पानी की टंकी के गेट पर धरने पर बैठ गए।

पानी की टंकी पर बंधक आवारा पशु। ● अमृत विचार

इसी दौरान सूचना पर पहुंचे सपा नेता लोधी पीयूष वर्मा भी किसानों के समर्थन में धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने अपनी पीड़ा खुलकर रखी। नेत्रहीन किसान हेतराम ने बताया कि उनके और उनके भाई के पास कुल दस बीघा जमीन है। भाई गेहूं बोकर मजदूरी के लिए बाहर चले गए हैं। गांव वालों की मदद से किसी तरह खेतों से गौवंश को भगाया जाता है, फिर भी गेहूं की फसल को गोवंश खाकर नष्ट कर चुके हैं।

● एडीओ का किसानों ने किया घेराव, आश्वासन पर माने

गांव के प्रेमपाल ने बताया कि उन्होंने 40 बीघा में मिर्च की फसल उगाई थी, लेकिन चारों तरफ तार लगाने के बावजूद लगभग 35 बीघा फसल आवारा गौवंश ने तबाह कर दी। धर्मपाल वर्मा ने बताया कि वह खुद की दस बीघा जमीन के अलावा बटाई की जमीन लेकर खेती करते हैं, लेकिन दिन-रात रखवाली के बावजूद आवारा गौवंश फसल चर जाते हैं। किसान कर्ज लेकर खेती करता है और उसकी पूरी मेहनत बर्बाद हो जाती है। करीब तीन बजे मौके पर पहुंचे एडीओ पंचायत अभय आर्या ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि गांव में पकड़े गए सभी गौवंश को अनिरुद्धपुर गौशाला सहित अन्य गौशालाओं में भिजवाया जाएगा। इसके बाद ग्रामीणों का आक्रोश शांत हुआ।

ढकिया के ग्राम प्रधान ने बताया कि नौ गायों को अनिरुद्धपुर गौशाला भेज दिया गया है। बाकी की गौवंश सुबह अनिरुद्धपुर गौशाला और गंगापुर गौशाला भेज दी जायेंगी।

अब आठ केयर टेकर करेंगे गोवंश की देखभाल

शनिवार को अनिरुद्धपुर गोशाला में निरीक्षण को पहुंचीं सीडीओ देवयानी।

संवाददाता, अलीगंज/राजपुर कलां

अमृत विचार : अनिरूद्धपुर गौशाला में आठ केयर टेकर गोवंशो की देखभाल करेंगे। गोशाला में बल्ली लगाकर पशुओं को अलग अलग श्रेणी बनाकर उसमें रखा जाएगा। सफाई व्यवस्था पहले से काफी बेहतर हो गई है। यह बात गोशाला के निरीक्षण के बाद सीडीओ देवययानी ने कही।

गौशाला की प्रभावी निगरानी के लिए अनिरुद्धपुर गोशाला के सभी वार्डों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। बुधवार को गोशाला में हुई पशुओं की मौत के बाद अफसरों का लगातार यहां आवागमन बना है। इससे गौशाला की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और गोवंशों को भरपेट खाना के साथ ठंड से भी बचाव की व्यवस्था हो गई है। शनिवार को अनिरुद्धपुर गोशाला पहुंची सीडीओ गौशाला में साफ-सफाई, चारा-पानी और देखभाल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। गौशाला का संचालन कर रही खाटू श्याम गौ सेवा समिति के संचालक विनोद कुमार को निर्देश दिए कि गौशाला परिसर में सफाई व्यवस्था को और बेहतर किया जाए। उन्होंने कुछ स्थानों पर अभी भी पड़े गोबर को तत्काल हटाने, नियमित सफाई सुनिश्चित करने तथा गोवंश को पर्याप्त मात्रा में चारा की व्यवस्था है। सीडीओ ने बताया कि वर्तमान में गौशाला में गोवंश को पीने के लिए स्वच्छ पानी, हरा चारा और चोकर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जा रहा है। बीमार पशुओं के उपचार हेतु उन्हें अलग रखने के लिए सिकवार्ड भी तैयार किए गए हैं। अब व्यवस्था पहले से बेहतर हो गई है।

जन्म प्रमाण पत्र के लिए रिश्वत का आरोप

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : तहसील नवाबगंज में जन्म प्रमाण पत्र से जुड़े कार्यों को लेकर भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। उपजिलाधिकारी कार्यालय में तैनात एक रिटायर्ड स्टेनो और एक संविदा कर्मी पर छात्र-छात्राओं को गुमराह कर रिश्वत मांगने तथा अभद्र व्यवहार करने के आरोप लगाए गए हैं।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों ने समाधान दिवस में नायब तहसीलदार शोभित चौधरी को ज्ञापन देते हुए आरोप लगाया कि जन्म प्रमाण पत्र की पत्रावली पर शीघ्र आदेश कराने के नाम पर संबंधित कर्मचारी मोटी रिश्वत की मांग करते हैं। रिश्वत न देने की स्थिति में छात्र-छात्राओं के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया जाता है और उनके कागजात गुम होने की बात कहकर टाल दिया जाता है। कई मामलों में कार्यालय पहुंचने पर यह कह दिया जाता है कि फाइल उपलब्ध नहीं है और ब्लॉक से पत्रांक संख्या लाने के बाद ही कार्य किया जाएगा। छात्र-छात्राओं को इस प्रक्रिया के चलते भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि बार-बार चक्कर लगाने के बावजूद जन्म प्रमाण पत्र से संबंधित कार्य लंबित रखे जा रहे हैं। मामले को लेकर शिकायतकर्ताओं ने प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है।

एडीएम, एसडीएम ने सुनीं शिकायतें

मीरगंज, अमृत विचार : तहसील सभागार में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। विभिन्न विभागों से संबंधित 22 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 02 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। सबसे अधिक शिकायतें राजस्व विभाग से जुड़ी जमीन पैमाइश को लेकर सामने आईं। लगातार आ रही जमीन से जुड़े मामलों को देखते हुए एडीएम ने नाराजगी जाहिर की और राजस्व विभाग को लंबित प्रकरणों का शीघ्र व गणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।

मुंह बोले भाई ने दिया प्रेम प्रस्ताव, रिपोर्ट

नवाबगंज, अमृत विचार: मीडिया संस्थान की महिला कर्मचारी ने अपने पूर्व सहकर्मी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने पहले कार्यालय में जबरन नजदीकियां बढ़ाने का प्रयास किया और बाद में उसके गांव स्थित घर पहुंचकर अभद्रता करते हुए आत्महत्या की धमकी दी।

पीड़िता के अनुसार वर्ष 2017 में वह हल्द्वानी में तैनात थी। उसी कार्यालय में एक युवक की नियुक्ति आईटी हेड के पद पर हुई। आरोप है कि नियुक्ति के बाद आरोपी ने पीड़िता से जबरन नजदीकियां बढ़ाने का प्रयास शुरू कर दिया और सार्वजनिक रूप से उसे बहन कहकर संबोधित करने लगा। पीड़िता का कहना है कि वह केवल कार्यालय कार्यों तक ही सीमित रही, लेकिन आरोपी लगातार व्यक्तिगत बातचीत का दबाव बनाता रहा। कई बार समझाने के बावजूद उसके व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। मानसिक रूप से परेशान होकर पीड़िता ने अपना तबादला बरेली करा लिया।

● कार्यालय में काम करने के दौरान बहन कहकर संबोधित करता

आरोप है कि इसके बाद भी आरोपी किसी तरह बरेली स्थित कार्यालय पहुंचा और पीड़िता से जबरन "बहन का रिश्ता निभाने" की बात कहने लगा। इंकार करने पर वह वहां से चला गया।

पीड़िता के अनुसार 17 जनवरी को आरोपी वाहन से उसके गांव स्थित घर पहुंचा और हाथ पकड़ते हुए प्रेम प्रस्ताव रखा। परिवार के विरोध करने पर आरोपी ने जेब से चाकू निकाल लिया और खुद को खत्म करलेने की धमकी देते हुए चाकू अपने पेट में मार लिया। घटना की सूचना पीड़िता ने डायल 112 पर दी। इंस्पेक्टर नवाबगंज ने बताया कि मामले में आरोपी अजय आनंद निवासी रघुनाथपुरम देवल चौड, रामपुर रोड हल्द्वानी के खिलाफ छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज कर हिरासत में ले लिया है।

रिछा-जहानाबाद मार्ग पर दौड़ने लगीं रोडवेज बसें

देवरनियां, अमृत विचार : काफी समय से रिछा-जहानाबाद मार्ग पर रोडवेज बसें चलने का इलाके की जनता का सपना पूरा हो गया है। बरेली और हल्द्वानी तक रोडवेज बसें दौडने लगी हैं।

रिछा इंडस्ट्रियल एरिया समेत इलाके की जनता एक अरसे से रिछा-जहानाबाद मार्ग पर पीलीभीत से बरेली और उत्तराखण्ड के हल्द्वानी तक रोडवेज बस सेवा का सपना देख रही थी। जनता का यह सपना अब पूरा हो गया है। दोनों जगहों के लिए अभी शुरुआत में एक-एक बसें चल रही हैं, बाद में इनमें बढोत्तरी होगी। हल्द्वानी जाने वाली रोडवेज बस पौने ग्यारह बजे रिछा आती है, 12.30 बजे हल्द्वानी पहुंचने के बाद यह 1.30 बजे वहां से वापसी होती है। बरेली जाने वाली बस दिल्ली तक जा रही है। यह दिन में भारत राइस मिल पर स्टापेज करेगी। रोडवेज बस चलने से सर्विसमैन के साथ- साथ राइस मिलर्स के लिए भी फ़ायदा होगा।

सभी बूथों पर आज बनेंगे नए वोट

संवाददाता, फतेहगंज पूर्वी,

अमृत विचार : क्षेत्र के सभी बूथो पर शनिवार को बीएलओ मौजूद रहे जिन्होंने मतदाताओं की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण किया तथा नए मतदाताओं के वोट बनाए।

सुपरवाइजर केवल राणा ने बताया कि रविवार को भी विशेष दिवस का आयोजन किया जाएगा विशेष दिवस पर रविवार को सभी वूथो पर सभी बीएलओ मौजूद रहेंगे जो मतदाताओं को मतदाता सूची दिखाकर उनके नए वोट बनाएंगे और वोटर लिस्ट में मतदाताओं की कमियों का सुधार करेंगे।

शेरगढ़ में विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के तहत बूथों पर विशेष शिविर में मतदाता सूची देखने और मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इस दौरान बूथों पर तैनात बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने मतदाताओं को सूची पढ़कर सुनाई।

फरीदपुर में एमएलसी कुंवर महाराज सिंह ने बूथ का निरीक्षण किया।

फरीदपुर में कंवर प्लाजा एमएलसी कार्यालय पर मतदाता गहन पुनरीक्षण के तहत बूथ 253 बूथ 299 के बीएलओ प्रेमपाल और वूथ अध्यक्ष हिमांशु शर्मा सेक्टर संयोजक दिनेश शर्मा गुडडू विशाल सिंह के साथ एमएलसी कुंवर महाराज सिंह ने वोटो का जायजा लिया आगे की कार्रवाई कर कैसे करें उसको समझने का प्रयास किया।

रिठौरा में शनिवार को बूथों पर आलेख्य मतदाता सूचियों का प्रकाशन हुआ। इसी दौरान एमएलसी बहोरन लाल मौर्या ने दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज बूथ का निरीक्षण किया। वहां कोई बीएलओ नहीं मिला। मौजूद बीएलओ वर्षा गुप्ता ने बताया सभी बीएलओ नगर पंचायत कार्यालय प्रांगण में मतदाता सूचियों का प्रकाशन कर रहे हैं।

गुमशुदा मंदबुद्धि को परिजनों से मिलवाया

मीरगंज, अमृत विचार : मिशन शक्ति टीम ने एक गुमशुदा मंदबुद्धि किशोर को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया। शुक्रवार को मिशन शक्ति टीम में तैनात महिला उपनिरीक्षक रेनू रानी, महिला हेड कांस्टेबल सीमा यादव एवं महिला कांस्टेबल उदिति को भ्रमण के दौरान ग्राम हुरहुरी चौराहे पर 16 वर्षीय एक किशोर अज्ञात अवस्था में मिला, जो अपना नाम-पता बताने में असमर्थ था। हेल्पलाइन की सहायता से किशोर के पिता शिवकुमार से संपर्क स्थापित हुआ। पिता द्वारा बताया गया कि गुमशुदा बच्चे का नाम प्रेमकुमार पुत्र शिवकुमार, निवासी ग्राम बनिया हारी, थाना कोतवाली देहात, बहराइच है, जिसकी उम्र करीब 16 वर्ष है।

आज कांधरपुर में छह घंटे बंद रहेगी बिजली

कैंट, अमृत विचार : 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र कांधरपुर के स्विच यार्ड में मेंटेनेंस का कार्य किया जाएगा। इससे विद्युत उपकेंद्र से पोषित सभी पोषकों की विद्युत आपूर्ति रविवार को सुबह 10 बजे से सायं 4 बजे तक बाधित रहेगी।

प्रमाण पत्र में सगे भाइयों की जाति अलग-अलग

संवाददाता, नवाबगंज

● दातागंज नगर पालिका चेयरमैन की कुर्सी पर संकट रिपोर्ट डीएम को भेजी
● सूचना के अधिकार के तहत मांगी जनसूचना में सच आया सामने

अमृत विचार : बदायूं जिले की दातागंज नगर पालिका परिषद की चेयरमैन नैना गुप्ता की जाति को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। एक ही परिवार के दो सगे भाइयों की अलग-अलग जाति प्रमाणित होने के बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है। मामले की जांच के बाद एसडीएम ने अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी है। जनसूचना अधिकार के तहत मामला प्रकाश में आया है। पहले यह मामला गुपचुप ढंग से चल रहा था।

दातागंज नगर पालिका परिषद की चेयरमैन नैना गुप्ता नवाबगंज के मोहल्ला कहरवान की निवासी है। उनके पिता रमेश चंद्र गुप्ता उर्फ बंगाली बाबू हैं। दातागंज नगर पालिका क्षेत्र के मोहल्ला परा निवासी मुकेश शर्मा की शिकायत पर तहसील स्तर से इस पूरे प्रकरण की जांच कराई गई। जांच के दौरान चेयरमैन के पिता रमेश चंद गुप्ता उर्फ बंगाली बाबू ने तहसीलदार के समक्ष कस्बे के जेपीएन इंटर कॉलेज की स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टीसी) प्रस्तुत की, जिसमें उनकी जाति कसौधन वैश्य दर्ज पाई गई। तहसीलदार द्वारा विद्यालय से कराए गए सत्यापन में प्रधानाचार्य ने 10 सितंबर 2025 को लिखित रूप से रमेश चंद गुप्ता की जाति कसौधन वैश्य होने की पुष्टि की। इसी बीच रमेश चंद गुप्ता के सगे भाई शिवओम गुप्ता ने अपने पुत्र रवि प्रकाश गुप्ता के ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन किया। आवेदन के साथ प्रस्तुत की गई टीसी में शिवओम गुप्ता की जाति वैश्य अंकित पाई गई। इस संबंध में भी तहसीलदार द्वारा जेपीएन इंटर कॉलेज से सत्यापन कराया गया, जिसमें प्रधानाचार्य ने 9 सितंबर 2025 को शिवओम पुत्र गप्पामल की जाति वैश्य होने की पुष्टि की।

> नवाबगंज के जेपीएन इंटर कालेज के प्रधानाचार्य द्वारा प्रदत्त टीसी में दोनों भाई की जाति भिन्न पाई गई है। यह रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी है।
> –दुष्यंत सिंह, तहसीलदार

एक ही विद्यालय से दो सगे भाइयों की अलग-अलग जाति प्रमाणित होने का मामला सामने आने के बाद एसडीएम उदित पवार ने पूरे प्रकरण की रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी है। रिपोर्ट भेजे जाने के बाद शिकायतकर्ता मुकेश शर्मा ने मंडल आयुक्त को पत्र भेजकर मामले को बदायूं जिले की जिला जाति सत्यापन समिति को भेजने की मांग की है। जाति से जुड़ा यह मामला सामने आने के बाद दातागंज नगर पालिका चेयरमैन नैना गुप्ता के खिलाफ कार्रवाई की आशंका बढ़ गई है। उल्लेखनीय है कि नैना गुप्ता ने पिछड़ा वर्ग का जाति प्रमाण पत्र लगाकर चुनाव लड़ा था और वह चुनाव जीतकर चेयरमैन बनी थीं। यह मामला कई दिनों से प्रशासनिक हल्कों में चल रहा था लेकिन प्रकाश में नहीं आया था लेकिन स्थानीय निवासी नानक चंद ने जनसूचना अधिकार के तहत बदायूं ओर बरेली के अफसरों से सूचना मांगी तो जाति प्रमाणपत्र का मामला सामने आया है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी MBBS, DOMS, DNB, MNAMS CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श डॉ. दीपक माहेश्वरी M.B.B.S., M.D. Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल •CARE FOR SURE•
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का नाम आधार कार्ड में भूलवश आदर्श कुमार कश्यप दर्ज हो गया है जबकि उसका वास्तविक नाम अमन कुमार (Aman Kumar) है। उसके शैक्षणिक दस्तावेजों में भी अमन कुमार नाम ही दर्ज है। **आशा देवी पत्नी श्री मोहन लाल निवासी ग्राम अखा थाना बिशारतगंज जिला बरेली।**

सूचना
मेरे ड्राइविंग लाइसेंस सं.- UP24/001396/Budaun/ 2011 में अंग्रेजी में मेरा नाम Mohd. Uvaish अंकित है जो गलत है जबकि मेरा सही नाम मोहम्मद उवेश पुत्र अब्दुल कय्यूम Mohammad Uvesh s/o Abdul kayyum है। जो कि सही है। भविष्य में मुझे Mohammad Uvesh s/o Abdul kayyum से जाना व पहचाना जाये। **मोहम्मद उवेश पुत्र अब्दुल कय्यूम निवासी बेहटा गुसाई तहसील बिल्सी जिला बदायूं**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा इण्टरमीडिएट वर्ष 2015 अनुक्रमांक 0718844 का प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। **कु. चाँदनी कश्यप पुत्री श्री श्यामा चरन निवासी नवादा शेखान, कटरा चाँद खाँ, पुराना शहर जिला बरेली।**

सूचना
मैने अपने दो पुत्र शाहरुख पुत्र नौशे (25) दूसरे पुत्र फारूख (32) दोनों पुत्रों के गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार से क्षुब्ध होकर संबंध विच्छेद व चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है आज से इनके द्वारा किये गये लेन-देन कृत्यो आदि को लेकर दिनांक 17-01-2026 से वह स्वयं जिम्मेदार होंगे मेरे व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। **नौशे पुत्र रहीम (60) ग्राम पंचायत रसूलपुर नगला- मजरा ग्राम पजावा थाना-उसहैत (बदायूँ)**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आशा देवी पत्नी श्री मोहन लाल निवासी ग्राम अखा मेरे पुत्र का नाम आधार कार्ड में भूलवश (चित्र कुमार कश्यप) (Chitra Kumar Kashyap) दर्ज हो गया है जबकि उसका वास्तविक नाम चमन (Chaman) है। उसके शैक्षणिक दस्तावेजों में भी चमन (Chaman) नाम ही दर्ज है। भविष्य में उसे इसी नाम से जाना जायेगा।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र रजनीश कुमार व उसकी पत्नी सुरमिला को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **कुसुम कुमार पुत्र मटरे लाल निवासी ग्राम नगरिया कला थाना फतेहगंज पूर्वी जिला बरेली।**

सूचना
हमने अपने पुत्र जाहर सिंह के गलत आचरण, दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में अपने लेन-देन, कृत्यों आदि का स्वयं जिम्मेदार होगा, हमारा कोई वास्ता नहीं होगा। **सोनपाल पुत्र स्व. मंगली, मुन्नी देवी पत्नी सोनपाल निवासीगण-देवीपुरा, मजरा मलगांव, थाना बिशारतगंज, बरेली।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे आई.डी.बी.आई. बैंक खाता सं. 1021104000013411 शाखा पीलीभीत में मेरा नाम भूलवश त्रिलोचन मेहरबानी (Trilochan Meharbani) दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम त्रिलोचन मेहरवानी (Trilochan Meharwani) है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी यही नाम दर्ज है। **त्रिलोचन मेहरवानी पुत्र श्री नन्द लाल निवासी नियर बाबू बैंड ए129 मो. खुशीमल थाना सुनगढ़ी जिला पीलीभीत।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

लोक दर्पण

अखबार

बचपन का पहला शब्दकोश

बच्चे अगर ज्ञान के सहज और सुगम मार्ग से जुड़ेंगे, तो उनमें स्वाभाविक रूप से पठन प्रवृत्ति विकसित होगी। यह बात कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि वर्तमान में प्रत्येक माता-पिता की साझा चिंता यह है कि बच्चे पढ़ाई-लिखाई की बजाय दिनभर मोबाइल, टैबलेट और टीवी में डूबे रहते हैं। स्क्रीन ने उनकी दिनचर्या का बड़ा हिस्सा घेर रखा है, जिससे एकाग्रता, कल्पनाशक्ति और अध्ययन-रुचि प्रभावित हो रही है। हालांकि हम इस स्थिति पर चिंता तो करते हैं, लेकिन समाधान जानते हुए भी अक्सर अनदेखा कर जाते हैं, जबकि समाधान हमारे आस-पास या समाने ही होता है। ऐसे समय में हाल ही में उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकार द्वारा स्कूली शिक्षा में बच्चों के लिए अखबार पढ़ने को अनिवार्य करना एक दूरदर्शी और व्यावहारिक पहल मानी जा सकती है। यह निर्णय किसी तात्कालिक प्रयोग का परिणाम नहीं, बल्कि शोध, अनुभव और व्यापक विमर्श से निकला कदम है। पुस्तकें और पठन-पाठन की आदत बच्चों को तकनीकी जाल से बाहर निकालने का सशक्त माध्यम बन सकती हैं। यदि परिवार और समाज मिलकर बच्चों के लिए रोचक व ज्ञानवर्धक पढ़ने की सामग्री उपलब्ध कराएं, तो स्क्रीन-आसक्ति की समस्या से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। चिंता से मुक्ति का मार्ग पढ़ने की संस्कृति में ही निहित है।

डॉ. प्रशांत अग्निहोत्री
निदेशक, रुहेलखंड शोध संस्थान, शाहजहांपुर

अध्ययन की आदत का निर्माण

अच्छी आदतों का निर्माण बचपन से ही प्रारंभ होता है। बचपन के प्रारंभिक वर्ष आदत निर्माण की दृष्टि से महत्वपूर्ण होते हैं। इस उम्र में यदि किसी कार्य में रुचि पैदा कर दी जाए और उसमें बालक को आनंद और संतुष्टि प्राप्त होने लगे, तो वह उस कार्य को दोहराता है। पर्याप्त अभ्यास और पुनरावृत्ति से उस आदत को सुदृढ़ किया जा सकता है। परिवार और विद्यालय में सही दिशा में सही प्रयत्न से अच्छी आदतों का निर्माण शीघ्रता से किया जा सकता है। मनोविश्लेषणवादी मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि व्यक्ति में अच्छी आदतों का निर्माण उसके चेतना के स्तर पर होता है। इनके लिए व्यक्ति को सचेतन प्रयास करने होते हैं। वहीं बुरी आदतें संवेग के आधार पर विकसित होती हैं। पढ़ने की आदत एक अच्छी आदत है। इस आदत के निर्माण और विकास के लिए बचपन से ही सचेष्ट प्रयास करने होते हैं। इसके लिए बालक में समझने की योग्यता का विकास करना आवश्यक है। इससे भी अध्ययन के लिए मानसिक रूप से तैयार होते हैं। पढ़ने में एकाग्रता एक और महत्वपूर्ण आयाम है। पढ़ने में वैविध्यता, माता-पिता, शिक्षकों और सहपाठियों के साथ आपसी बातचीत और अंतर्क्रिया के साथ-साथ अभ्यास और प्रमुख बातों को नोट करने की प्रवृत्ति भी इसमें महत्वपूर्ण होती है। भाषा की समझ, उसके रचनात्मक प्रयोग और बेहतर आत्माभिव्यक्ति का विकास अध्ययन की आदत से ही होता है। समाचार पत्रों के वाचन से न केवल बच्चों में अध्ययन आदत का विकास होगा वरन वे समसामयिक घटनाओं से भी परिचित हो सकेंगे।

विविधताओं से परिचित होंगे छात्र

अखबार विविधताओं से भरा हुआ होता है। इसमें संपादकीय, खेल की खबरें, नई खोजों पर आधारित तकनीक के विषय में लेख, संपादकीय आधारित लेखन, समूह चर्चाएं, शब्द खोज प्रतियोगिताएं, सुडोकू जैसे बौद्धिक खेल आदि शामिल होते हैं। इससे बच्चे सिर्फ पढ़ने के बजाए सोचने, लिखने और संवाद कौशल में भी निखार ला सकते हैं। उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकार के निर्देश के अनुसार प्रत्येक दिन लगभग 10 मिनट तक छात्र अखबार पढ़ेंगे, जिसमें राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, खेल आदि समाचारों के मुख्य बिंदुओं के साथ संपादकीय भाग पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यह गतिविधि विद्यालयों की दैनिक दिनचर्या का एक अविभाज्य हिस्सा बन गई है। इस आदेश का उद्देश्य न केवल छात्रों को समाचार से अपडेट रखना है, बल्कि उनके भाषा कौशल, सामाजिक जागरूकता, आलोचनात्मक सोच और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जैसे कई लंबी अवधि के लाभ सुनिश्चित करना है। आधिकारिक सरकारी दस्तावेज और राज्य शिक्षा विभाग के निर्देश बताते हैं कि यह नीति कई शैक्षिक उद्देश्यों को साधने के लिए लाई गई है। इसमें सबसे प्रमुख है बच्चों के भाषायी कौशल और शब्दावली में सुधार। वास्तव में प्रतिदिन अखबार पढ़ने से छात्र नए शब्दों, व्याकरणिक संरचनाओं और अभिव्यक्ति के विविध रूपों से परिचित होंगे।

इस कार्यक्रम में 'वर्ड ऑफ द डे' जैसी गतिविधि शामिल की गई है, जिसमें रोज अखबार से चुनिंदा पांच कठिन शब्दों को स्कूल की बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाएगा। इससे छात्रों की शब्दावली और पढ़ने की समझ दोनों में सुधार आएगा। यही नहीं इससे सामान्य जागरूकता और सामाजिक समझ विकसित होगी, क्योंकि समाचार पत्र न केवल प्रमुख खबरें प्रदान करते हैं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक विषयों पर विस्तृत सामग्री भी देते हैं। नियमित रूप से समाचार पढ़ने से छात्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं की गहन समझ विकसित कर सकते हैं, जिससे वे समाज में हो रहे परिवर्तनों के प्रति सजग और उत्तरदायी नागरिक बन सकेंगे। वास्तव में अखबार भिन्न दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करते हैं, खासकर संपादकीय और विश्लेषणात्मक लेखों के माध्यम से छात्रों को खबरों के पीछे के कारणों और परिणामों को समझने का अवसर मिलता है, जिसके परिणामस्वरूप उनकी आलोचनात्मक क्षमता एवं विचार-समीक्षा कौशल मजबूत होता है। भारत में अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाएं जनरल नॉलेज और करंट अफेयर्स पर आधारित होती हैं। रोजाना अखबार पढ़ने से छात्र इन परीक्षाओं की तैयारी में स्वत : बेहतर हो सकते हैं, क्योंकि नियमित समाचार-अध्ययन से उन्हें रोजमर्रा की राजनीति, अर्थव्यवस्था, विज्ञान, खेल और महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का ज्ञान मिलता है। अखबार के नियमित रूप से वाचन और अध्ययन से हम बच्चों के स्क्रीन टाइम में कमी की जा सकेगी।

जनसंचार के क्षेत्र में सबसे पहली क्रांति के रूप में अखबार छपा, फिर रेडियो आया और उसके बाद टेलीविजन। इनके आ जाने से अखबार पढ़कर सूचनाओं को जानने की जिज्ञासा कम हो गई। पहले समाचार पढ़ने के स्थान पर सुने जाने लगे, फिर टेलीविजन के आविष्कार और घर-घर तक उसकी सहज पहुंच ने समाचारों को सुनने के साथ-साथ देखने की सुविधा भी प्रदान कर दी। इंटरनेट और एंड्राइड मोबाइल ने हर हाथ से पत्र-पत्रिकाओं को बहुत दूर कर दिया। आज के समय में बचपन से मोबाइल और डिजिटल स्क्रीन पर आश्रितता बढ़ते जा रही है, जिससे पढ़ने की आदत और ध्यान अवधि प्रभावित हो रही है। अखबार का भौतिक रूप छात्रों को स्क्रीन से दूर लाने और पढ़ने की आदत विकसित करने में सहायक माना जा रहा है।

एआई इमेज

संभावित चुनौतियां और समाधान

यह नीति अत्यंत सकारात्मक है, परंतु इसके कार्यान्वयन में कई चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। सबसे पहले बात दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित कई सरकारी विद्यालयों में अखबारों की नियमित खरीद या उपलब्धता एक समस्या हो सकती है। इस चुनौती से निपटने के लिए डिजिटल ई-पेपर सदस्यता या अन्य सामुदायिक संसाधनों का उपयोग एक समाधान हो सकता है। इसके अतिरिक्त सिर्फ अखबार उपलब्ध कराने से परिणाम नहीं निकलेंगे, शिक्षकों को समाचार विश्लेषण, चर्चा संचालन और प्रासंगिकता जोड़ने के लिए प्रशिक्षण देना आवश्यक है। वहीं 10 मिनट का समय प्रारंभिक रूप से पर्याप्त लग सकता है, परंतु इसे अभ्यास-आधारित गतिविधियों के साथ जोड़कर प्रभावशीलता बढ़ाई जा सकती है। उदाहरण के लिए, सप्ताह में एक दिन ज्यादा गहन चर्चाओं के लिए रखा जा सकता है। इंटरनेट के बढ़ते प्रयोग के बीच अखबारों की प्रसार संख्या में यद्यपि कमी आ रही है और उनके सामने बहुत सी चुनौतियां हैं, फिर भी भारत में विभिन्न भाषाओं के अखबारों की प्रसार संख्या अभी भी करोड़ों में है। अखबारों की स्थिति यह दर्शाती है कि मुद्रित और डिजिटल दोनों रूपों में समाचार आज भी व्यापक रूप से पढ़े जा रहे हैं और इन्हें सार्वजनिक संवाद का प्रमुख स्रोत माना जाता है। इसलिए इस नीति के कार्यान्वयन से यदि सही दिशा में और अनुशासित प्रयास किए जाएं, तो यह छात्रों के शैक्षिक विकास और जनरल साक्षरता में एक सकारात्मक क्रांति ला सकती है।

शिक्षाविदों की राय

छोटी आदत, बड़ा बदलाव

यह पहल न केवल ज्ञानवर्धक है, बल्कि चरित्र-निर्माण में भी सहायक सिद्ध होगी। नियमित अखबार पढ़ने से बच्चे देश-दुनिया की घटनाओं से जुड़ते हैं, तथ्यों और राय के बीच अंतर समझते हैं तथा फेक न्यूज को पहचानने की क्षमता विकसित करते हैं। साथ ही हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में पठन-लेखन कौशल में सुधार होता है। हालांकि इसकी सफलता के लिए कुछ चुनौतियां भी हैं, जैसे अखबारों की उपलब्धता, शिक्षकों का उचित प्रशिक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में रुचि जगाना। फिर भी यदि इसे गंभीरता से लागू किया जाए, तो यह छोटा-सा बदलाव बच्चों के भविष्य को बहुत बड़ा मोड़ दे सकता है।

डॉ. नीलिमा पांडेय
प्रोफेसर, लखनऊ विश्वविद्यालय

यदि अन्य राज्य भी इस पहल से प्रेरणा लेकर इसे अपनाएं, तो आने वाली पीढ़ी अधिक जागरूक, संवेदनशील और पढ़ने-लिखने वाली होगी। अखबार पढ़ने के लाभों पर कई शोध अध्ययन उपलब्ध हैं, जो विशेष रूप से बच्चों और छात्रों के संज्ञानात्मक विकास, शब्दावली, पढ़ने-लिखने की क्षमता तथा शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव दर्शाते हैं। अमेरिका में 'Newspapers in Education' कार्यक्रमों पर किए गए अध्ययनों से पता चलता है कि जो स्कूल सप्ताह में नियमित रूप से अखबार का उपयोग करते हैं, उनके छात्रों के मानकीकृत परीक्षा स्कोर औसतन 10 प्रतिशत अधिक होते हैं। उच्च अल्पसंख्यक छात्रों वाले स्कूलों में यह अंतर 30 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। ये कार्यक्रम पढ़ने की समझ, विश्लेषणात्मक क्षमता, सामाजिक अध्ययन, भाषा कला और गणित में बेहतर प्रदर्शन से जुड़े पाए गए हैं।

भारत में भी शोध बताते हैं कि नियमित अखबार पढ़ने से दिमाग 32 प्रतिशत अधिक सक्रिय रहता है, फोकस करने की क्षमता बढ़ती है और विश्लेषणात्मक सोच विकसित होती है। परिवार में माता-पिता के साथ अखबार पढ़ने-चर्चा करने से बच्चों की पढ़ने की प्रेरणा बढ़ती है, जो सीधे उनकी शैक्षणिक उपलब्धि से जुड़ी होती है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों की यह पहल इसी वैज्ञानिक आधार पर उठाई गई है- एक छोटी आदत, बड़ा बदलाव!

अखबार और विधि शिक्षा

अखबार पढ़ने की आदत हर विषय के छात्र के लिए बेहद उपयोगी होगी, लेकिन विशेषत : विधि के छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होती है, क्योंकि विधि केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न होकर समाज, शासन और समसामयिक घटनाओं से गहराई से जुड़ी हुई है। नियमित रूप से अखबार पढ़ने से विधि के छात्रों को देश-विदेश में घटित कानूनी, संवैधानिक और प्रशासनिक घटनाओं की अद्यतन जानकारी प्राप्त होती है, जो उनकी विषय-समझ को अधिक व्यापक बनाती है। विधि से संबंधित समाचार, जैसे न्यायालयों के महत्वपूर्ण निर्णय, विधायी संशोधन, सरकारी नीतियां और संवैधानिक बहसें, छात्रों को व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। इससे वे कानून की पुस्तकीय धाराओं को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़ पाते हैं। उदाहरणस्वरूप, सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के निर्णयों की रिपोर्टिंग छात्रों में केस एनॉलिसिस की क्षमता विकसित करती है, जो विधिक अध्ययन का मूल आधार है। इसके अतिरिक्त अखबार पढ़ने से विधि के छात्रों की भाषा, तर्कशक्ति और अभिव्यक्ति क्षमता में उल्लेखनीय सुधार होता है। कानूनी भाषा की समझ, लेखन कौशल और वाद-विवाद की क्षमता विकसित होती है, जो मूट कोर्ट, सेमिनार, इंटरव्यू और न्यायिक परीक्षाओं में अत्यंत सहायक होती है। साथ ही, संपादकीय लेख छात्रों को विभिन्न कानूनी और सामाजिक मुद्दों पर आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करने में मदद करते हैं। इस प्रकार, अखबार पढ़ना विधि के छात्रों को एक जागरूक, तार्किक और व्यावहारिक विधि-विशेषज्ञ बनने की दिशा में सक्षम बनाता है।

डॉ. अमित सिंह
विभागाध्यक्ष विधि एमजेपीआरयू, बरेली

बच्चों का बहुआयामी विकास

गंभीरता से विश्लेषण करें, तो यह कदम एक नितांत सराहनीय एवं दूरदर्शितापूर्ण कदम है। आज बच्चों के द्वारा मोबाइल स्क्रीन को दिया जाने वाला समय अनावश्यक रूप से बढ़ गया है। चिंता की बात तो यह है कि बच्चे एवं उनके अभिभावक मोबाइल स्क्रीन से प्राप्त होने वाले छद्म आनंद के नशे में चूर होने की वजह से अपने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से सर्वथा अनभिज्ञ हैं। इस व्यसन से व्यक्तित्व में किस स्तर की विकृति उत्पन्न हो रही है, इसका अंदाजा लगाना बहुत मुश्किल है। स्कूलों में अखबार पढ़ाने की इस अभूतपूर्व पहल से बच्चों का बहुआयामी विकास सुनिश्चित हो सकेगा, क्योंकि देश-दुनिया से परिचित होने के लिए अखबार से बेहतर साधन आज भी नहीं है। शैक्षिक यात्रा के आरंभिक चरण से ही समाचार पत्र पढ़ने की आदत निश्चित रूप से भविष्य में बच्चों को एक अच्छा वक्ता, लेखक एवं विविध विषयों की बेहतरीन समझ रखने वाला राष्ट्र का एक जिम्मेदार नागरिक बनने में सहायक सिद्ध होगी। आज जिस तरह से वैश्विक परिदृश्य करवटें ले रहा है एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता सरीखे प्रौद्योगिकी के अवतार मानव के ऊपर अपना वर्चस्व कायम करने पर उतारू हैं, ऐसी परिस्थितियों में बच्चों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को निखारने का जिम्मा सफलतापूर्वक उठाना होगा अन्यथा वे आने वाले समय में दौड़ती हुई तकनीक एवं द्रुत गति से परिवर्तित होते परिदृश्य के साथ समायोजन बिठा पाने में असमर्थ एवं अक्षम रहेंगे।

डॉ. प्रभात शुक्ला
प्रोफेसर, स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज, शाहजहांपुर

पठन-पाठन अपनी संस्कृति को जानने का माध्यम

मेरे सामने अक्सर ही ऐसे उदाहरण आते रहते हैं, जिनमें बच्चों के बारे में चिंताएं व्यक्त की जाती रहती हैं कि बच्चे पठन-पाठन से विमुख होते जा रहे हैं, पुस्तकों की जगह वीडियो गेम, टीवी और स्मार्टफोन ने ले ली है, बच्चों का स्क्रीन टाइम बढ़ता जा रहा है। अगर हम ऊपरी तौर पर सोचें, तो इन बातों से सहमत हुआ जा सकता है, पर अगर थोड़ा भी गहराई में जाएं तो क्या सच में ऐसा है? क्या वास्तव में बच्चे पठन-पाठन से विमुख हो रहे हैं या इसके पीछे कुछ और कारण भी हैं? इन सवालों पर कोई भी जबाव देने से पहले हम बड़े जरा विचार करें कि हमारे घरों में रोचक और बालोपयोगी पत्र-पत्रिकाएं नियमितता से आती हैं क्या? बच्चों को सुनने, उनसे बोलने-बतियाने, उनके साथ खेलने-कूदने की फुर्सत हम बड़ों को मिल पा रही है क्या? हम बच्चों के सम्मुख स्वयं कुछ लिखते-पढ़ते नजर आते हैं क्या? हमें इस बात पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि हम जो भी आरोप बच्चों पर लगा देते हैं क्या उनके जिम्मेदार हम खुद नहीं हैं? बाल मन को रुचने वाले साहित्य के स्थान पर उनके हाथ में स्मार्ट फोन थमाकर आखिरकार हम किस प्रकार के आउटपुट की कामना कर रहे हैं? बच्चों के हिस्से का समय बार, क्लब, पब पार्टी व अन्य इसी प्रकार के शगल में बिताने के बाद हम अगर यह उम्मीद पालें कि वे अपने एकाकी/संवादहीन जीवन को स्मार्ट टीवी के ऊलजलूल पात्रों, वीडियो गेम और स्मार्टफोन के आभासी चरित्रों से न जोड़ें तो आखिर करें क्या? क्या कभी हमने बच्चों के स्तर पर उतर कर यह बूझने जानने कि कोशिश की है कि वे रोज हमसे क्या-क्या बातें साझा करना चाहते हैं कि उन्हें किस बात पर बहुत मजा आया कि उन्हें कौन सी बात बिल्कुल अच्छी नहीं लगी? बच्चों की बालसुलभ जिज्ञासाओं को बचकानी बात कहकर टाल देने वाले हम बड़ों को क्या बच्चों की दुनिया में उतरकर यह पता करने की आवश्यकता नहीं है कि जिज्ञासाओं के सही या गलत जो भी हल हैं, उन्हें बच्चे स्मार्ट फोन जैसे तमाम अन्य माध्यमों से ग्रहण कर रहे हैं और बड़े हो रहे हैं, जिनका दुष्प्रभाव उनके मन और स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। तब इस समस्या का समाधान क्या हो? निश्चित रूप से समस्या में ही इसका समाधान छिपा है। बच्चे खेल-कूद और पढ़ने - लिखने की स्वाभाविक प्रवृत्ति के साथ जन्म लेते हैं। इस प्रवृत्ति के विकास हेतु हम बड़ों को बच्चों के लिए आवश्यक साधन-संसाधन जुटाने होंगे तथा खेल और पठन संस्कृति का विकास करना होगा। विद्यालय स्थित खेल मैदान और पुस्तकालय इसमें प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं।

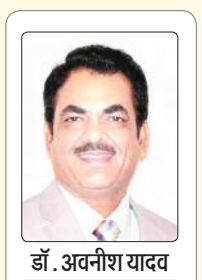

डॉ. अवनीश यादव
प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग, उ.प्र.

प्रखर शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था, "पुस्तकें वो साधन हैं, जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का काम करते हैं"। निश्चित रूप से विभिन्न संस्कृतियों के अंतर्गत निहित ज्ञान-विज्ञान और कला-संस्कृतियों के बारे में जानने का सहज व प्रभावी माध्यम पुस्तकें ही होती हैं। बच्चे अगर ज्ञान के इस सहज और सुगम मार्ग से जुड़ेंगे, तो उनमें स्वाभाविक रूप से पठन प्रवृत्ति विकसित होगी। दैनिक अखबार और पत्रिकाएं उन्हें ज्ञान के विविध क्षेत्रों से जोड़ेंगे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 'पठन संस्कृति विकास' हेतु प्रारंभिक व माध्यमिक स्तर पर पाठ्यपुस्तकों समेत विविधतापूर्ण पठन सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता तथा उपयोग पर जोर देती है। शिक्षा नीति के अनुसार 'शिक्षण संस्थानों में पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए पुस्तकों तक पहुंच और उपलब्धता बेहतर करना आवश्यक है।' ब्रिटिश उपन्यासकार जे.के. रोलिंग के अनुसार, 'जब संदेह में हो पुस्तकालय जाओ'। लारा बुश ने कहा था , "मैंने पाया है कि मेरे बटुए में सबसे मूल्यवान चीज मेरा लायब्रेरी कार्ड है।" इन उद्धरणों से स्वतः ही स्पष्ट है कि पुस्तकें और पुस्तकालय किसी भी समाज में ज्ञान, शिक्षा और संस्कृति के महत्वपूर्ण स्रोत हैं। बेहतर पुस्तकों की उपलब्धता बच्चों की पठन प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी, जिससे वह आभासी दुनिया के काल्पनिक चरित्रों से मुक्त हो पाएंगे।

वर्तमान समय में पुस्तकालय और उसकी उपयोगिता सर्वविदित है। पुस्तकालय की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए सिडनी शेल्टन ने कहा था ' पुस्तकालय कल्पना को बढ़ावा देने वाली ऊर्जा को संग्रहीत करते हैं। वे दुनिया के समक्ष ज्ञान की खिड़कियां खोलते हैं। पुस्तकालय हमें खोज करने के लिए प्रेरित करते हैं और हमारे जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में योगदान करते हैं। समाचार पत्रों और पत्रिकाओं से समृद्ध पुस्तकालय बच्चों के सबसे विश्वसनीय मित्र साबित होंगे इसमें किंचित मात्र भी संदेह नहीं है। इस समूची प्रक्रिया में विद्यार्थियों के भीतर पठन संस्कार विकसित होंगे, जो उन्हें भावी जीवन की चुनौतियों का सामना करने हेतु तैयार करेंगे तथा काल्पनिक चरित्रों के स्थान पर वास्तविक चरित्रों का अनुसरण करने की प्रेरणा देंगे।

एकाग्रता और धैर्य बढ़ाते हैं अखबार

आज के डिजिटल युग में बच्चों को स्क्रीन से दूर रखना एक बड़ी चुनौती बन चुका है। मोबाइल, टैबलेट और टीवी बच्चों के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनते जा रहे हैं, जिससे उनके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अखबार पढ़ना बच्चों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक है, बल्कि यह उनकी भाषा-समझ, शब्द-भंडार और अभिव्यक्ति क्षमता को भी विकसित करता है, उनमें सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी की भावना जागृत होती है और उन्हें सतही मनोरंजन से हटाकर विचारशीलता की ओर ले जाती है, जहां डिजिटल स्क्रीन त्वरित सूचना और मनोरंजन का माध्यम है, वहीं अखबार गहन, संतुलित और स्थायी सीख प्रदान करते हैं। डिजिटल स्क्रीन की अपेक्षा अखबार बच्चों और युवाओं के लिए अनेक दृष्टियों से अधिक लाभदायक और सुरक्षित हैं। मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से आंखों पर दबाव पड़ता है। साथ ही सिरदर्द, नींद की समस्या और चिड़चिड़ापन बढ़ता है, जबकि अखबार पढ़ने से आंखों को अपेक्षाकृत कम नुकसान होता है और पढ़ने की प्राकृतिक आदत विकसित होती है। अखबार एकाग्रता और धैर्य बढ़ाते हैं। स्क्रीन पर लगातार बदलती तस्वीरें और नोटिफिकेशन ध्यान भंग करते हैं, जबकि अखबार पढ़ते समय पाठक शांत होकर विषय पर केंद्रित रहता है। इससे गहरी सोच और समझ विकसित होती है। अखबार भाषा और अभिव्यक्ति कौशल को सुदृढ़ करते हैं। अखबारों में प्रयुक्त शुद्ध, संतुलित और तथ्यपरक भाषा बच्चों के शब्द-भंडार और लेखन क्षमता को निखारती है, जबकि डिजिटल माध्यमों पर भाषा प्राय : संक्षिप्त और अनौपचारिक होती है। इसके अतिरिक्त, अखबार विश्वसनीय और संरचित जानकारी प्रदान करते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भ्रामक सूचनाओं का खतरा अधिक रहता है, जबकि अखबार संपादकीय छानबीन के बाद प्रकाशित होते हैं, जिससे पाठक तथ्य और विचार में अंतर समझना सीखता है। यदि स्कूलों में अखबार की विषय-वस्तु पर चर्चा हो, विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हों, घर में माता-पिता स्वयं अखबार पढ़ें और बच्चों के साथ समाचारों पर चर्चा करें, तो यह आदत और भी प्रभावी बन सकती है। इस प्रकार अखबार बच्चों को स्क्रीन से दूर रखने के साथ-साथ उन्हें जागरूक, संवेदनशील और सोचने वाला नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध हो सकता है।

डॉ. मीता गुप्ता
प्रवक्ता, केंद्रीय विद्यालय, बरेली

सांसों की सेहत

अस्थमा में आयुर्वेद और योग की शक्ति

अस्थमा जिसे आम बोलचाल में दमा कहा जाता है, श्वसन तंत्र से जुड़ा एक दीर्घकालिक रोग है, जो व्यक्ति के दैनिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इस रोग में रोगी को बार-बार सांस लेने में कठिनाई, सीने में जकड़न, घरघराहट तथा खांसी की समस्या होती है। आधुनिक जीवनशैली, बढ़ता प्रदूषण, धूल-धुआं, रासायनिक तत्वों का संपर्क, मानसिक तनाव और असंतुलित खान-पान ने अस्थमा को एक आम समस्या बना दिया है। अस्थमा का प्रकोप बच्चों से लेकर वृद्धों तक देखा जाता है और समय पर उचित देखभाल न होने पर यह रोग जीवन की गुणवत्ता को कम कर देता है। आयुर्वेद में अस्थमा को केवल एक फेफड़ों की बीमारी न मानकर पूरे शरीर के दोष संतुलन से जुड़ी समस्या माना गया है, इसलिए इसका उपचार भी समग्र रूप से किया जाता है।

आयुर्वेद में अस्थमा को "तमक श्वास" कहा गया है। आयुर्वेदिक शास्त्रों के अनुसार यह रोग मुख्य रूप से वात और कफ दोष के असंतुलन से उत्पन्न होता है। जब कफ श्वसन मार्ग में जमा होकर अवरोध उत्पन्न करता है और वात दोष का प्रवाह बाधित होता है, तब श्वसन कष्ट उत्पन्न होता है। तमक श्वास में रोगी को अंधकार या घुटन का अनुभव होता है, इसलिए इसे यह नाम दिया गया है। आयुर्वेद का मानना है कि जब तक दोषों का संतुलन नहीं किया जाता, तब तक स्थायी राहत संभव नहीं होती।

अस्थमा होने के कारण

अस्थमा के अनेक कारण हो सकते हैं, जिनमें आनुवंशिक कारण भी शामिल हैं। यदि परिवार में किसी को अस्थमा है, तो अगली पीढ़ी में इसके होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त धूल, धुआं, पराग कण, प्रदूषण, ठंडी हवा, एलर्जी, धूम्रपान, रसायनों का संपर्क और अत्यधिक तनाव अस्थमा को बढ़ाने वाले प्रमुख कारक हैं। अनियमित दिनचर्या, देर रात तक जागना, अधिक ठंडा, तला और भारी भोजन करने से भी कफ बढ़ता है, जो अस्थमा के दौरे को जन्म देता है।

आहार का महत्व

आयुर्वेद के अनुसार अस्थमा के रोगी के लिए उचित आहार अत्यंत आवश्यक है। हल्का, सुपाच्य और गर्म भोजन कफ को नियंत्रित करने में सहायक होता है। दलिया, सूप, उबली सब्जियां, मूंग की दाल और गुनगुना पानी लाभकारी माने जाते हैं। अदरक, लहसुन, हल्दी और काली मिर्च जैसे मसाले पाचन को सुधारते हैं और कफ को संतुलित रखते हैं। इसके विपरीत ठंडा पानी, दही, आइसक्रीम, अधिक तला और भारी भोजन अस्थमा के लिए हानिकारक होता है।

विहार और परहेज

अस्थमा के रोगी को अपने दैनिक व्यवहार पर विशेष ध्यान देना चाहिए। ठंडी हवा, धूल-धुएं और प्रदूषित वातावरण से बचना चाहिए। धूम्रपान और तंबाकू का सेवन पूरी तरह त्याग देना चाहिए। अधिक ठंड में सीधे बाहर निकलने से बचें और शरीर को ढककर रखें। नियमित दिनचर्या अपनाना, समय पर भोजन करना और पर्याप्त नींद लेना भी रोग नियंत्रण में सहायक होता है।

उपचार का सिद्धांत

आयुर्वेदिक उपचार का उद्देश्य केवल लक्षणों को दबाना नहीं, बल्कि रोग के मूल कारण को दूर करना होता है। अस्थमा के उपचार में कफ को पतला कर बाहर निकालना, वात दोष को नियंत्रित करना और श्वसन तंत्र को सशक्त बनाना मुख्य लक्ष्य होता है। इसके लिए शोधन चिकित्सा, शमन चिकित्सा, औषधियां, आहार-विहार और योग को एक साथ अपनाया जाता है। पंचकर्म की कुछ विधियां जैसे वमन और नस्य, विरेचन चिकित्सा भी चयनित रोगियों में लाभकारी सिद्ध होती हैं।

योग और प्राणायाम

योग और प्राणायाम अस्थमा के रोगियों के लिए अत्यंत उपयोगी माने जाते हैं। नियमित योगाभ्यास से फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है और श्वसन तंत्र मजबूत होता है। अनुलोम-विलोम प्राणायाम से श्वास-प्रश्वास का संतुलन सुधरता है। कपालभाति से फेफड़ों में जमी अशुद्धियां बाहर निकलती हैं। भ्रामरी प्राणायाम मानसिक तनाव को कम करता है और श्वसन तंत्र को शांति प्रदान करता है। उज्जायी प्राणायाम श्वसन मार्ग को मजबूत बनाता है और सांस लेने की क्षमता बढ़ाता है।

अस्थमा में लाभकारी योगासन

कुछ योगासन अस्थमा में विशेष रूप से लाभकारी होते हैं। भुजंगासन छाती को फैलाता है और फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है। धनुरासन श्वसन तंत्र को सशक्त बनाता है और शरीर में ऊर्जा का संचार करता है। मत्स्यासन और सेतुबंधासन छाती और गर्दन के भाग को खोलते हैं, जिससे श्वसन में सुधार होता है। योगासन हमेशा खाली पेट और किसी प्रशिक्षित योग शिक्षक की देखरेख में करना चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य और अस्थमा

मानसिक तनाव अस्थमा को बढ़ाने वाला एक प्रमुख कारक है। चिंता, भय और अवसाद के कारण अस्थमा के दौरे अधिक बार आ सकते हैं। ध्यान, प्राणायाम और सकारात्मक सोच मानसिक शांति प्रदान करते हैं, जिससे अस्थमा के लक्षणों में कमी आती है। नियमित ध्यान अभ्यास से व्यक्ति अपने मन और शरीर दोनों पर नियंत्रण प्राप्त करता है।

अस्थमा क्या है

अस्थमा एक ऐसी स्थिति है, जिसमें श्वसन नलिकाओं में सूजन आ जाती है और वे संकरी हो जाती हैं। इसके कारण फेफड़ों तक हवा का आवागमन बाधित होता है, जिससे सांस लेने में परेशानी होती है। जब अस्थमा का दौरा पड़ता है, तब श्वसन नलिकाओं की मांसपेशियां सिकुड़ जाती हैं और उनमें कफ या बलगम जमा हो जाता है। इससे रोगी को ऐसा महसूस होता है मानो छाती पर भारी बोझ रख दिया गया हो। यह रोग पूरी तरह से ठीक भले ही न हो, लेकिन उचित उपचार, परहेज और अनुशासित जीवनशैली से इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

अस्थमा के प्रमुख लक्षण

अस्थमा के लक्षण व्यक्ति की आयु, रोग की गंभीरता और वातावरण के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। सामान्यतः रोगी को सांस फूलना, सीने में जकड़न, घरघराहट की आवाज, बार-बार खांसी आना और बलगम बनने की समस्या होती है। कई बार रात के समय या सुबह-सुबह अस्थमा के लक्षण अधिक बढ़ जाते हैं, जिससे नींद प्रभावित होती है। हल्का-सा परिश्रम करने पर भी सांस चढ़ जाना और अत्यधिक थकान महसूस होना भी इसके सामान्य लक्षण हैं। बच्चों में अस्थमा होने पर बार-बार सर्दी-जुकाम और खांसी बनी रहती है।

आयुर्वेदिक औषधियां

अस्थमा के उपचार में अनेक आयुर्वेदिक औषधियां प्रभावशाली मानी गई हैं। सितोपलादि चूर्ण कफ को संतुलित करता है और खांसी में लाभ देता है। तालीसादि चूर्ण श्वसन मार्ग को साफ करता है और बलगम को बाहर निकालने में सहायता करता है। वासावलेह फेफड़ों को मजबूत बनाता है और सूजन को कम करता है। कंकरासव और श्वास कुठार रस का उपयोग भी अस्थमा के दौरे को नियंत्रित करने में किया जाता है। इन औषधियों का सेवन हमेशा अनुभवी आयुर्वेद चिकित्सक की देखरेख में करना चाहिए।

घरेलू उपाय

अस्थमा में कुछ सरल घरेलू उपाय भी काफी राहत प्रदान करते हैं। शहद में अदरक का रस मिलाकर नियमित सेवन करने से कफ पतला होता है और सांस लेने में आसानी होती है। हल्दी वाला गुनगुना दूध सूजन को कम करता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। तुलसी की पत्तियां श्वसन तंत्र को स्वच्छ रखने में सहायक होती हैं। भाप लेने से श्वसन नलिकाएं खुलती हैं और जमा हुआ कफ ढीला पड़ता है। अजवाइन को कपड़े में बांधकर सूंघना अचानक होने वाले श्वसन कष्ट में तुरंत राहत देता है।

जीवनशैली में सुधार

अस्थमा के प्रभावी नियंत्रण के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना आवश्यक है। सुबह जल्दी उठना, नियमित व्यायाम करना, संतुलित आहार लेना और पर्याप्त विश्राम करना रोगी को बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करता है। स्वच्छ वातावरण में रहना, घर को धूल-मिट्टी से मुक्त रखना और स्वच्छ हवा में समय बिताना भी लाभकारी होता है।

अस्थमा एक दीर्घकालिक रोग अवश्य है, लेकिन सही उपचार, अनुशासित जीवनशैली और सकारात्मक दृष्टिकोण से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। आयुर्वेद अस्थमा के मूल कारणों पर कार्य करता है और शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा को मजबूत बनाता है। आयुर्वेदिक औषधियां, संतुलित आहार, योग और प्राणायाम को अपनाकर अस्थमा से पीड़ित व्यक्ति एक स्वस्थ, सक्रिय और गुणवत्तापूर्ण जीवन जी सकता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बरेली (उत्तर प्रदेश) क्षेत्र में आयुर्वेदिक चिकित्सा, शिक्षा एवं जन-स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह संस्थान न केवल भावी आयुर्वेद चिकित्सकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सुरक्षित, प्रभावी एवं वैज्ञानिक आयुर्वेदिक उपचार पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अस्थमा जैसे दीर्घकालिक श्वसन रोगों के उपचार एवं नियंत्रण में संस्थान की भूमिका अत्यंत सराहनीय है।

कॉलेज के अंतर्गत संचालित आयुर्वेदिक अस्पताल में अस्थमा रोगियों के लिए व्यवस्थित ओपीडी एवं आईपीडी सेवाएं उपलब्ध हैं, जहां अनुभवी आयुर्वेदाचार्यों द्वारा रोग की प्रकृति, दोष स्थिति एवं रोगी की जीवनशैली का गहन मूल्यांकन कर व्यक्तिगत उपचार योजना तैयार की जाती है। यहां शमन औषधियों के साथ-साथ आवश्यकतानुसार पंचकर्म चिकित्सा (नस्य एवं वमन, विरेचन) जैसी विधियों का उपयोग कर रोग के मूल कारण पर कार्य किया जाता है।

नाइट शिफ्ट और कार्य संतुलन

स्वस्थ जीवन की कुंजी

आज के समय में नौकरी का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब काम केवल सुबह घर से निकलकर शाम को लौट आने तक सीमित नहीं रह गया है। अस्पतालों, सुरक्षा सेवाओं, मीडिया, परिवहन, आईटी और मल्टीनेशनल कंपनियों में बड़ी संख्या में ऐसे लोग कार्यरत हैं, जिन्हें नाइट शिफ्ट में काम करना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर, दिन की शिफ्ट में काम करने वाले भी अक्सर लंबे समय तक लगातार बैठकर या एक ही मुद्रा में काम करने को मजबूर हैं। नाइट शिफ्ट और बिना ब्रेक लंबे समय तक काम-दोनों ही स्थितियां यदि संतुलित न हों, तो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकती हैं। ऐसे में आवश्यक है कि हम अपनी दिनचर्या में कुछ सजग और व्यावहारिक परिवर्तन लाएं।

इंदु सिंह
लेखिका

नाइट शिफ्ट: बदली हुई दिनचर्या की चुनौती

प्राकृतिक रूप से मानव शरीर इस तरह बना है कि वह रात में विश्राम करे और दिन में सक्रिय रहे। बचपन से ही हमें रात में सोने, सुबह उठने और समय पर भोजन करने की आदत डाली जाती है, लेकिन नाइट शिफ्ट करने वाले लोगों को इस प्राकृतिक क्रम के बिल्कुल विपरीत चलना पड़ता है। वे रात भर जागकर काम करते हैं और सुबह या दिन में सोते हैं। धीरे-धीरे भले ही बाहरी दिनचर्या बदल जाती हो, पर शरीर की आंतरिक घड़ी (बायोलॉजिकल क्लॉक) को इस बदलाव के साथ तालमेल बिठाने में काफी कठिनाई होती है।

नाइट शिफ्ट में स्वयं को कैसे रखें अलर्ट

नाइट शिफ्ट में काम करने वालों के लिए यह आवश्यक है कि वे अपनी जीवनशैली को पूरी तरह अव्यवस्थित न होने दें। सोने और जागने का एक निश्चित समय तय करें, भले ही वह दिन में क्यों न हो। सोते समय कमरे को शांत और अंधेरा रखें ताकि नींद गहरी आए। हल्का, सुपाच्य और संतुलित भोजन लें तथा पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं। कैफीन का सेवन सीमित रखें और शिफ्ट के बाद शरीर को आराम देने के लिए योग, प्राणायाम या हल्की स्ट्रेचिंग को दिनचर्या में शामिल करें।

शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव

लंबे समय तक नाइट शिफ्ट करने से शरीर और मन दोनों पर अप्राकृतिक दबाव पड़ता है। नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है, क्योंकि दिन में ली गई नींद अक्सर गहरी और पूर्ण नहीं होती। इसका परिणाम थकान, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में कमी के रूप में सामने आता है। इसके साथ ही भोजन का समय बिगड़ने से पाचन तंत्र पर असर पड़ता है। देर रात खाना, असमय स्नैक्स लेना और पर्याप्त पानी न पी पाना आगे चलकर मोटापा, किडनी स्टोन, एसिडिटी और मधुमेह जैसी समस्याओं का कारण बन सकता है।

मानसिक स्तर पर देखें तो नींद की कमी और लगातार बदली हुई दिनचर्या चिंता, तनाव, अनिद्रा और अवसाद के जोखिम को बढ़ा देती है। युवावस्था में शरीर इन प्रयोगों को कुछ हद तक सहन कर लेता है, लेकिन आगे चलकर इनके दुष्परिणाम एक साथ सामने आते हैं, जो जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं।

लगातार बैठे रहकर काम करने की समस्या

केवल नाइट शिफ्ट ही नहीं, बल्कि दिन की शिफ्ट में लंबे समय तक लगातार बैठे रहकर काम करना भी आज की बड़ी समस्या बन चुका है। कार्यालयों में कर्मचारी घंटों कंप्यूटर या लैपटॉप के सामने एक ही मुद्रा में बैठे रहते हैं। काम की डेडलाइन और लक्ष्य पूरे करने की दौड़ में उन्हें न तो समय का भान रहता है और न ही अपने शरीर की स्थिति का। यहां तक कि जो लोग सक्रिय काम नहीं कर रहे, वे भी मोबाइल स्क्रॉलिंग में लंबे समय तक बैठे रहते हैं।

स्मार्ट ब्रेक: ऊर्जा का संजीवनी सूत्र

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक लगातार काम करने से शरीर और मस्तिष्क दोनों पर बोझ बढ़ता है। ऐसे में काम के बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लेना बेहद जरूरी है। ये स्मार्ट ब्रेक्स शरीर और मन के लिए बूस्टर डोज की तरह काम करते हैं। कुछ मिनट उठकर चलना, हल्की स्ट्रेचिंग करना, आंखों को स्क्रीन से हटाकर दूर देखना या गहरी सांस लेना-ये सभी छोटे उपाय काम की थकान को काफी हद तक कम कर देते हैं।

काम की गुणवत्ता और मानसिक संतुलन

स्मार्ट ब्रेक लेने से न केवल शारीरिक आराम मिलता है, बल्कि मानसिक ताजगी भी बनी रहती है। जब दिमाग थोड़ी देर के लिए काम से हटकर किसी दूसरी दिशा में लगता है, तो वह फिर से अधिक एकाग्रता और ऊर्जा के साथ काम करने के लिए तैयार हो जाता है। ऐसे ब्रेक्स में हेल्दी स्नैक्स लेना, पानी पीना या मनपसंद कोई हल्की गतिविधि करना व्यक्ति को अंदर से रिचार्ज कर देता है। इससे काम की गुणवत्ता और दक्षता दोनों बढ़ती हैं।

जिम्मेदारियों को बोझ नहीं, संतुलन बनाएं

जीवन में जिम्मेदारियों की कमी नहीं है, लेकिन इन्हें यदि बोझ की तरह ढोया जाए, तो तनाव और थकान बढ़ना स्वाभाविक है। वहीं यदि समझदारी से काम को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर, बीच-बीच में ब्रेक लेते हुए पूरा किया जाए, तो वही काम आनंददायक भी बन सकता है। यह पूरी तरह व्यक्ति की सोच और दृष्टिकोण पर निर्भर करता है कि वह अपने काम और स्वास्थ्य के बीच कैसा संतुलन बनाता है।

नाइट शिफ्ट हो या दिन में लगातार बैठकर किया जाने वाला कार्य-दोनों ही स्थितियों में सजगता और संतुलन अत्यंत आवश्यक है। प्रकृति के नियमों के विरुद्ध काम करने की मजबूरी भले ही हो, लेकिन अपनी जीवनशैली को पूरी तरह अस्त-व्यस्त होने देना समझदारी नहीं है। समय पर नींद, संतुलित आहार, पर्याप्त पानी, योग-व्यायाम और स्मार्ट ब्रेक्स को दिनचर्या का हिस्सा बनाकर हम न केवल अपने काम को बेहतर ढंग से कर सकते हैं, बल्कि अपने तन-मन को भी स्वस्थ रख सकते हैं। स्वस्थ शरीर और शांत मन ही दीर्घकालीन सफलता और सुखी जीवन की सच्ची कुंजी है।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। ऐसे में इस राशि के जातकों को किसी भी काम में आलस्य अथवा लापरवाही करने से बचना होगा। इस पूरे सप्ताह आपके विरोधी सक्रिय रहते हुए आपके कार्य में अड़ंगे डालने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में उनसे सावधान रहें।

वृष
इस सप्ताह आपके काम थोड़ी परेशानी के साथ और देरी से बनेंगे, लेकिन उन्हें अंततः मन-मुताबिक सफलता मिल ही जाएगी। छोटे-छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए आपको अधिक परिश्रम, प्रयास करना पड़ेगा। नौकरीपेशा लोगों को दूसरों के भरोसे न रहकर अपने कार्य स्वयं करें।

मिथुन
इस सप्ताह स्वजनों के साथ आपके रिश्ते कभी नरम तो कभी गरम देखने को मिलेंगे। आपको किसी भी क्षेत्र में मनचाही सफलता के लिए अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता बनी रहेगी। साथ ही साथ ही साथ सेहत और संबंध को बेहतर बनाए रखने का भी प्रयास करना होगा।

कर्क
इस सप्ताह पास के फायदे में दूर का नुकसान करने से बचना चाहिए। आप किसी भी काम में शार्टकट लेने से बचें अन्यथा धनहानि के साथ मानहानि भी झेलनी पड़ सकती है। सप्ताह की शुरुआत में अचानक से कामकाज के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

सिंह
यह सप्ताह कभी खुशी कभी गम के लिए रह सकता है। सप्ताह की शुरुआत में आपके कार्य तेजी के साथ मन मुताबिक पूरे होते हुए नजर आएंगे और सकारात्मक परिणाम की बदौलत आपके भीतर एक अलग ही ऊर्जा देखने को मिलेगी। करियर और कारोबार दोनों में ही मनचाही प्रगति मिलेगी।

कन्या
इस सप्ताह अपने संबंध और सेहत पर विशेष ध्यान देने की जरूरत रहेगी। यदि आप दूसरों से मदद की अपेक्षा रखते हैं, तो आपको दूसरों के लिए भी समय निकालते हुए तन-मन और धन के साथ हमेशा खड़े रहना होगा। यदि आप सिर्फ अपना ही हित साधते हुए स्वयं के लाभ तक खुद को सीमित रखते हैं, तो आप अपने शुभचिंतकों का साथ खो सकते हैं।

तुला
इस सप्ताह की शुरुआत में कामकाज में कुछेक मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान आपको सोचे हुए कार्यों को समय से पूरा करने के लिए अधिक भागदौड़ और परिश्रम करना पड़ेगा। इस दौरान आपको स्वजनों और शुभचिंतकों का साथ कम मिल पाएगा।

वृश्चिक
इस सप्ताह जिंदगी कभी हिचकोले खाते हुए तो कभी तेजी से रफ्तार लिए हुए नजर आएगी। अपनी योजनाओं को गुप्त रखते हुए उस पर पूरे मनोयोग से काम करने की आवश्यकता रहेगी। भूलकर भी अपनी योजना का महिमामंडन दूसरों के सामने न करें अन्यथा आपके विरोधी उसमें बाधाएं डाल सकते हैं।

धनु
इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों को समय से पूरा करने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता रहेगी। आपको अपने कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही करने से बरतने से बचना चाहिए अन्यथा उससे मिलने वाले लाभ के प्रतिशत में कमी आ सकती है। इस पूरे सप्ताह आपको अपनी सेहत और संबंध पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

मकर
इस सप्ताह कोई भी कदम बहुत सोच-समझकर उठाने की आवश्यकता रहेगी। आवेश में आकर या फिर भावना में बहकर कोई भी ऐसा निर्णय न लें, जिसके लिए आपको बाद में पछताना पड़े। कार्यों में आने वाली अड़चन और उसमें मिलने वाली सफलता के प्रतिशत में कमी आपकी निराशा का कारण बनेगी। आर्थिक दृष्टि से थोड़ा कठिनाई लिए रहने वाला है।

कुंभ
इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर और मनचाहे तरीके से पूरे हुए नजर आएंगे। आपको इस सप्ताह जीवन में आगे बढ़ने और धन कमाने के लिए अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आपको आर्थिक दृष्टि से विशेष लाभ होने की संभावना बनेगी। करियर की दृष्टि से यह सप्ताह बेहद शुभ रहने वाला है।

मीन
यह सप्ताह मिश्रित फलदायी है। इस सप्ताह आपको करियर और कारोबार में अपेक्षा से कम सफलता और लाभ की प्राप्ति होने की आशंका है। कार्यक्षेत्र में कामकाज का दबाव आप पर बढ़ेगा। नौकरीपेशा लोगों को अपने काम में किसी भी लापरवाही करने से बचना चाहिए अन्यथा आपकी बनी-बनाई साख को नुकसान पहुंच सकता है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 42

		39	10					
	7			35			41	23
	17 32				24	16		
15			7			3		
3			9			17		
14			15			8		
17			14			7 15		
13				23				
					14			

काकुरो 41 का हल

			21			5	12	
		7	2		13	4	9	28
	11	1	7	3	12	1	2	9
	15	6	9	14	7	7	1	4
		10	3	5	2	9 20	8	1
		12	13 16	9	4	10 12	3	7
	15	6	9	11 16	1	2	8	21
	19	3	7	9	23 10	6	9	8
11	8	3	18	7	8	3	5	4
				3	2	1	15	9

कहानी

संतुलन

रेवा ऑफिस से निकल कब कैब में बैठी और कब इस दौड़ती सड़क का हिस्सा बन गई, कब उसके सामने से अनेकों घटनाएं फ्रेम बनकर गुजरने लगीं उसे पता ही नहीं चला। वो कभी मोबाइल देखती तो कभी बाहर। इतने में गाड़ी लालबत्ती पर रुकी। लंबा जाम लगा हुआ था। उसने बाहर देखा तो सामने एक करतब दिखाने वाली छोटी सी लड़की दो बांसों के बीच बंधी रस्सी पर अपने पैर से संतुलन बनाते हुए इस ओर से उस ओर जा रही थी। वो ध्यान से उसे देखने लगी। छोटे-छोटे पैर धीरे-धीरे संभलकर आगे बढ़ते और नन्हें हाथ हवा में हिलते-डुलते संभल जाते। उस लड़की के सिर पर एक लकड़ी का कलश जैसा कुछ रखा हुआ था, जिस पर अनेक चित्र बने थे। पहले तो रेवा ध्यान से उसे देखती रही, फिर अचानक लगा कि उस लड़की की जगह रेवा खुद रस्सी पर नाच रही है और दोनों ओर संतुलन बनाना मात्र ही उसके जीवन का ध्येय बनकर रह गया है। सिर्फ दोनों ओर ही क्यों, हर तरफ, हर दिशा में वो बस संतुलन बनाने में लगी हुई है।

स्त्रीवाद जैसी किसी विचारधारा को उसने अपने जीवन में जगह नहीं दी थी। उसने शुरू से जाना था कि मनुष्य बस मनुष्य है। अगर औरत होने के बाद भी वह इस समाज में बाहर काम करने निकली है, तो इसमें सबसे बड़ा हाथ उन पुरुषों का ही है, जो उसके जीवन में आए, उसके पिता, भैया, उसके मित्र और जीवन में सबसे बढ़कर उसका प्रेमी नीरज, जो अब उसका पति भी है। इन सबने कभी भी उसे ये एहसास ही नहीं होने दिया कि वो कुछ अलग है या वो पढ़ाई कर या काम कर कोई बहुत अचंभा जैसा कुछ कर रही है। नीरज की नजर में मनुष्य जंगल से बाहर निकला वो जानवर है, जो रोज इसलिए मेहनत करता है, अपने जीवन को बेहतर बनाता है कि उसे वापस जंगल में न लौटना पड़े। ये परिस्थिति पुरुष और स्त्री के लिए अलग-अलग नहीं है। ये जीवन है, जीवन का हिस्सा है।

सुमित उपाध्याय
पत्रकार

खुद रेवा का भी यही मानना था। मगर इस स्त्री-पुरुष के बाहर भी एक दुनिया है, जो निजी फायदे और नुकसान पर चलती है। जहां आज दस तारीख होने के बाद भी उसकी कंपनी में सैलेरी नहीं आई है और ऊपर से पूरी बेशर्मी के साथ एचआर ने किसी बकवास से इवेंट की घोषणा की है। पूरा ऑफिस उस पर कुछ बोलने की बजाय ही-ही करता दिखा है। फिर वो सबको क्यों बोले खुद वो भी तो कुछ नहीं बोल पाई है। इस समय किसी भी तरह से वो ये नौकरी खोना नहीं चाहती, सैलेरी हो सकता है चार दिन बाद मिल जाए।

दूसरी तरफ नीरज की मौसी हैं, जो आज सत्रह दिनों से किसी डॉक्टर को दिखाने के लिए उसके फ्लैट पर रुकी हैं। रुकें तो रुकें मगर अब वो दखल देने की ओर भी बढ़ चुकी हैं। अभी कल ही बोल रहीं थी कि बच्चे को कुछ पौष्टिक भी खिलाया करो। ये डिब्बाबंद खाना जहर है। जानती हूं वो बोल सही रही हैं, मगर पता नहीं क्यों इधर चार-पांच दिनों से उनकी हर बात पर चिढ़ सी होती है। नीरज को तो जैसे कुछ दिखता ही नहीं है। मौसी के हिसाब से खाना, रहना, घूमना। ऐसा लगता है फ्लैट मौसी घर बन चुका है।

अब नीरज को कैसे समझाया जाए कि खुद उसकी मम्मी पिछले हफ्ते से रेवा पर ये दबाव बना रही हैं कि किसी भी तरह उसकी मौसी को वो वापस भेजे। अपना कोई राज उनके सामने न आने दे । ऑफिस क्या कम था कि घर पर भी सीक्रेट गेम्स शुरू हो गए और तो और लग रहा है कि इस महीने छुट्टियों के कारण नीरज की सैलेरी भी कुछ कटेगी। यानी अगले महीने सेविंग पर असर आने जा रहा है। आज तक खुद दो रोटी कम खाकर भी रेवा ने नीरज के घर भेजे जाने वाले हेल्प में कभी कोई कटौती नहीं की। फिर मौसी का नया शहर घूमने का मन था, तो वो नीरज को छुट्टी लेने को मना भी कैसे करती। डर तो ये है कि आज मौसी को शाम को साड़ी दिलवाने ले जाना है।

ये सब वो सोच ही रही थी कि

गाड़ी आगे बढ़ चली और वो घर से अब कुछ ही दूरी पर रह गई। इतने में उसके बॉस का फोन आया कि रेवा कोई असाइनमेंट है आज घर जाकर प्लीज़ पीपीटी भेज देना । बस इसी की कमी थी, अब उसका मन पूरा झुंझला गया। सामने सब्जी मंडी थी, तो उसने सोचा कि थोड़ी सब्जी लेते चले कम से कम एक काम तो खत्म होगा। इतना सोच उसने गाड़ी रुकवाई और कुछ सब्जी खरीद दुबारा गाड़ी में बैठने को ही थी, उसे लगा सीट के नीचे कुछ है।

गाड़ी में बैठ अपने झोले के बगल में रखे प्लास्टिक को धीरे से टटोलने लगी तो उसे थोड़ा अजीब लगा। धीरे से खोल के देखा तो उसमें ढेर सारे नोटों की कोई सात-आठ गड्डियां थीं। पहले तो उसने डरकर सीट पर ही प्लॉस्टिक रख दी। फिर कुछ सोचा कि ड्राइवर के पास तो इतने पैसे आने से रहे। इसका तो नहीं हो सकता। ड्राइवर जो फोन पर बात किए जा रहा था, वो पीछे सीट पर हो रही किसी भी घटना से एकदम अंजान ही था।

ये देख रेवा ने धीरे से वो प्लास्टिक अपने सब्जी के झोले में डाल दी। अब उसका दिमाग एकदम तेजी के साथ दौड़ने लगा। उसे अपने जीवन की आधी समस्याएं खत्म होती दिखीं। मगर मन के अंदर इतनी बेचैनी थी मानो रेवा उस नाच वाली रस्सी पर कभी इधर - कभी उधर भाग रही हो। नोट नकली तो नहीं। उसने चुपके से छू के देखा। न, एकदम असली है। नीरज नहीं मानेगा, उसने तो आज तक कामवाली आंटी के पैसे भी न काटे, रेवा नीरज को बताएगी ही नहीं। मगर मौसी की नजर पड़ी तो! यार ये जा भी नहीं रहीं। वो घर में जाते ही पहले इसे छुपा देगी। मगर किसी के जरूरत के पैसे हुए तो, सुना है बहुत बुरी हाय लगती है। इतने में सामने उसे अपनी कॉलोनी दिखाई दी। वो और घबड़ाने लगी। उसने आंखें बंदकर लीं और आंखें बंद करते ही रेवा को वो रस्सी पर संतुलन बैठाती लड़की दिखाई दी।

गाड़ी उसके अपार्टमेंट के सामने रुकी। रेवा ने एकदम अचानक से ड्राइवर से पूछा "भैया ये प्लास्टिक आपकी है?" ड्राइवर ने एकदम से गाड़ी में देखा और कहां हां दीदी, अब रेवा ने पूछा "क्या है इसमें?" तो ड्राइवर ने कहा, "दीदी आठ गड्डियां होंगी, आठ लाख रुपए हैं, आज ही बैंक से निकाला है, कल अपनी नई गाड़ी खरीदने वाला हूं, ये गाड़ी तो मालिक की है। दस सालों से जोड़कर खड़ा किया है, इतना बोलते-बोलते वो लगभग रो पड़ा। रेवा ने मुस्कुराकर उसे प्लास्टिक थमा दी और कहा घबड़ाइए मत, मैं आपको गलत नहीं कह रही कुछ। जैसे ही रेवा ने कैब का किराया पे किया, रेवा की सैलेरी के क्रेडिट होने का मैसेज आ गया। वो मुस्कुराकर फ्लैट की ओर चल दी।

रेवा घर गई और रात सोते समय उसने अपनी डायरी में लिखा कि रस्सी पर संतुलन बनाते समय सबसे अधिक जरूरी है कि हर कदम पूरे विश्वास और ईमानदारी से उठाया जाए, उसने लाइट ऑफ किया और नीरज के कंधे पर सर रख सुकून से सो गई।

काव्य

जय सोमनाथ

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रथम,
भारतीय आस्था आस्तिकता,
संस्कृति शिवत्व औ सनातनता,
स उमा स्वरूप प्रतिमा अप्रतिम। जय सोमनाथ जय सोमनाथ।
झेला अब तक सत्रह प्रहार,
गजनी खिलजी औरंगजेब,
क्रूरता दमन विध्वंस लूट,
पर हार न मान उठ खड़ा हुआ। जय सोमनाथ जय सोमनाथ।
साक्षी त्रिवेणि औ अरबसागर,
कितने लोगों ने न्यौछावर,
प्रतिरोध त्याग बलिदान समर, कैलाशनाथ हों अधिष्ठापित। जय सोमनाथ जय सोमनाथ।
चिर ऋणी रहेगी भरत धरा,
शिवभक्त अहिल्या, राजा कुमार,
राजेन बाबू, सरदार मुंशि,
संप्रति श्रीमूर्ति प्रबल साधक। जय सोमनाथ जय सोमनाथ।
हे सोमनाथ, भारत को कर दो अब अजेय,
संस्कृत संस्कृति विज्ञान प्रविधि, कृत्रिम मेधा औ समर प्रविधि,
भारत सक्षम हो अपराजेय। जय सोमनाथ जय सोमनाथ।

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

पॉजिटिविटी को फॉलो कर

पॉजिटिविटी को फॉलो कर
पीस प्लेजर पाओ।
मर्सी हार्ट बना के नेचर सॉफ्ट बना लो।।
सेल्फिश इगो एवाइड कर हार्ट क्लीन बना लो।
थिंकिंग थॉट ट्रांसपेरेंट रख माइंड फ्रेश बना लो।।
पॉजिटिविटी को फॉलो कर
पीस प्लेजर पाओ।

ऑनेस्टी विद टू फॉलो कर
गॉड को मना लो।
ओपन हार्ट ओपन माइंड ईजी लाइफ बना लो।।
कॉन्फिडेंस स्ट्रॉन्ग कर
एटीट्यूड सॉफ्ट बना लो।
पॉजिटिविटी को फॉलो कर
पीस प्लेजर पाओ।

रिलेटिव को हैप्पी रख
रिलेशन स्वीट बना लो।
रिक्वायरमेंट लिमिटेड कर
सैटिस्फैक्शन फ्रेंड बना लो।।
टू इन गॉड एक्सेप्ट कर
फ्यूचर ब्राइट बना लो।
पॉजिटिविटी को फॉलो कर
पीस प्लेजर पाओ।

नो एन्वियस नो हेट रिस्पेक्ट परफेक्ट करा लो।
नो आर्ग्युमेंट नो कमेंट एब्सोल्यूटली राइट पाओ।।
हेट द सिन नॉट द सिनर
सेंटिमेंटल हार्ट बना लो।
पॉजिटिविटी को फॉलो कर
पीस प्लेजर पाओ।

राकेश कुमार गुप्ता
बहेड़ी

जख्मों से क्या डरना

जख्म तुमने जो दिए, रखे हैं भोत संभाल के।
देख लेता हूं उन्हें, जब कोई मुश्किल हो मुझे,
नहीं जख्म भरने मुझे, वो रस्ता दिखलाते हैं।
कौन अच्छा कौन बुरा है, वो मुझे बतलाते हैं,
जख्म तुमने जो दिए, रखे हैं भोत संभाल के।
नहीं कोई शिकवा मुझे ये,
क्यों मिले खैरात में,
रंजो-गम बिल्कुल नहीं है, ये हसीं सौगात है,
तुम कहो नादानगी है, मैं कहूं ताबीज है
इन जख्मों से मुझे, आती नहीं बुराई है,
जख्म तुमने जो दिए रखे है भोत संभाल के।

जब भी मिलते थे मुझे ये,
सजा लिए कतार में,
एक से बढ़कर एक मिलें हैं,
सब सजे दीवार पे,
कोई कहता दिल पे मत ले,
कोई कहें दीवानापन,
जानता नहीं है, वो कि ये मेरी ऊंचाई है,
जख्म तूने जो दिए, रखे हैं भोत संभाल के।

डॉ बी.पी.सिंह
भाकृअनुप-उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र अनुसंधान परिसर उमियाम

लघुकथा

वसंत पंचमी का स्वागत

सिंटू सुबह से ही पीले रंग के कागजों से फूलों की मालाएं बना रहा था। उसने एक बहुत बड़ी माला तैयार कर ली थी, जिससे वह पूरा घर सजाना चाहता था। उसके सभी मित्र भी वसंत पंचमी के स्वागत की तैयारियों में लगे हुए थे। सिंटू मन ही मन बहुत प्रसन्न था, क्योंकि वसंत पंचमी का पावन पर्व आने वाला था। वह घर सजाने में व्यस्त था, तभी पिंकी ने आवाज लगाई, "सिंटू, जरा इधर तो आओ। देखो, मैंने अपना कमरा कितना सुंदर सजाया है।" कमरे में इधर-उधर लगे पीले फूलों के गुच्छे अत्यंत मनोहारी लग रहे थे। पिंकी बोली, "अरे सुनो, अभी तो पीले रंग की मिठाइयां, फल और प्रसाद भी बाजार से लाना है। दोस्तों को भी बुलाना है।" फिर हंसते हुए बोली, "सरस्वती वंदना तो हमने स्कूल में ही अभ्यास कर ली है।"

"आओ सिंटू, जल्दी आओ," पिंकी ने कहा। सिंटू बोला, "पिंकी, मैं अपना सारा काम पूरा करके ही आऊंगा।" यह सुनकर पिंकी चुपचाप बाहर बैठ गई। दोपहर का समय हो गया था। पिंकी पूजा की तैयारियों में जुटी हुई थी। मां घर में पीले वस्त्र निकाल रही थीं, परंतु सिंटू की बनाई मालाएं अभी पूरे घर में नहीं लग पाई थीं। अब सिंटू को जोरों की भूख भी लगने लगी थी। वह मन ही मन सोच रहा था कि उसे अपने दोस्तों के साथ वसंत पंचमी का पर्व भी मनाना है। वह बुदबुदाया, "समय कितना जल्दी बीत रहा है। सभी को प्रसाद देना है। सारे काम निपटाकर फिर हम सब मिलकर खुशियां बांटेंगे।" सिंटू ने जल्दी-जल्दी मालाएं टांग दीं और घर के अंदर आकर मां से बोला, "मां, बहुत भूख लगी है। जल्दी से खाना दे दो।"

"अच्छा बेटा," मां ने स्नेह से कहा। सिंटू ने जल्दी से खाना खाया और बिना बताए बाहर चला गया। मां उसकी आदत जानती थीं, इसलिए उन्होंने कुछ नहीं कहा। दोनों बच्चे वसंत पंचमी के आने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। पिंकी पीले रंग के कपड़ों में प्रसाद सजा रही थी और किताबें मां सरस्वती के पास रख रही थी। थोड़ी देर बाद वह बाजार से फूल, मिठाइयां और पीले गुब्बारे लेकर लौट आई।

अचानक दरवाजे की घंटी बजी। पिंकी ने दरवाजा खोला। सामने सिंटू अपने दोस्तों के साथ प्रसाद और फूल लेकर खड़ा था। सभी बच्चे हंसते-खेलते हुए घर के अंदर आ गए। पिंकी ने मुस्कराकर कहा, "पहले पूजा होगी, फिर सबको प्रसाद मिलेगा।" घर में भक्तिमय वातावरण छा गया।

यशी
लेखिका, लखनऊ

कोई पूजा की थाली सजा रहा था, तो कोई किताबें और वाद्य यंत्र सजा रहा था। थोड़ी ही देर में वसंत पंचमी का शुभ मुहूर्त आ गया। सभी बच्चों ने मिलकर मां सरस्वती की पूजा की। फूल अर्पित किए गए, प्रसाद बांटा गया और सबने एक-दूसरे को वसंत पंचमी की शुभकामनाएं दीं। तभी पिंकी के पापा ने आवाज लगाई, "सिंटू बेटा, अपने दोस्तों को अंदर बुलाओ।" सभी बच्चे अंदर आ गए। पापा ने स्नेहपूर्वक सबके सिर पर हाथ रखा और बोले, "बच्चो, आज वसंत पंचमी का पावन पर्व है। यह केवल उत्सव का नहीं, बल्कि विद्या और संस्कार का दिन है।"

फिर उन्होंने कहा, "आज तुम सब यह संकल्प लो कि मन लगाकर पढ़ोगे, ज्ञान का सम्मान करोगे और अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करोगे।" यह सुनकर सभी बच्चों ने प्रसन्नता से हाथ बढ़ाकर पापा से वादा किया कि वे ज्ञान के मार्ग पर चलेंगे और सदैव आगे बढ़ते रहेंगे। वसंत पंचमी का यह पर्व बच्चों के लिए उल्लास के साथ-साथ प्रेरणा का संदेश भी लेकर आया।

कतारें

'यस... आई गॉट इट!' आई फोन -17 पाकर निखिल ने हवा में पंच करते हुए बोला। अब उसके हाथ में लेटेस्ट मोबाइल आ चुका था। एक लाख कीमत का यह मोबाइल अमेरिका के साथ-साथ भारत में आज ही लॉन्च किया गया है। निखिल जानता था कि मुंबई में इस मंहगे मोबाइल को खरीदने वालों में होड़ लगेगी, इसलिए वह कल डिनर के बाद देर रात से ही स्टोर के बाहर 'क्यू' में लग गया था। सबसे पहले लेटेस्ट फोन लेने का उसका यह शौक उसके 'जेन-जी' दोस्तों में उसे स्पेशल फील करता है। मां प्रीती और पिता अशोक गोयल दोनों ही पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। इकलौते बेटे के महंगे शौक पूरे करने में उन्हें खूब खुशी मिलती है।

अतुल मिश्र
डिप्टी मैनेजर (इफको)

इसी देश में इंसानों की अनेक कतारे खाद खरीदने के लिए लगी हुई है। युवा किसान अखिलेश अपनी फसलों के लिए खाद बिक्री केन्द्रों में रात से लाइन में लग गया था। खाद के बिना फसलोत्पादन नहीं हो होगा और अखिलेश ही नहीं उसके जैसे किसी किसान के पास इतना धन नहीं कि पहले से खाद लेकर स्टोर कर सके।

भीड़ बढ़ती गई। दस-बारह किसानों को ही खाद मिल पाई थी कि स्टॉक समाप्त हो गया। सैकड़ों की भीड़ ने निराश होकर हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस आ गई। लाठी चार्ज हो गया...। कतार तितर-बितर हो गई। अखिलेश को भी चोटें आईं हताश होकर वह खाली हाथ घर लौटा। कितना फर्क है एक ही देश की कतारों के बीच।

समीक्षा

साहित्य का गहरा अध्ययन

पंडित राधेश्याम कथावाचक (1890-1963) अपने समय के महान साहित्यकार थे। आपने बड़ी संख्या में नाटक, एकांकी और काव्य लिखे। फिल्मों के लिए भी गीत-संवाद लिखे। आपकी प्रसिद्ध का मुख्य आधार आपके द्वारा लिखित "राधेश्याम रामायण" है। यह राधेश्यामी छंद में लिखी हुई है। आपके इसकी लगभग डेढ़ करोड़ प्रतियां बिक चुकी थीं।

हरिशंकर शर्मा ने पंडित राधेश्याम कथावाचक के साहित्य का गहरा अध्ययन किया है। एक दर्जन से अधिक पुस्तकें आपने कथावाचक जी के नाटक और काव्य को पुनः प्रकाशित करते हुए संपादित की हैं। कथावाचक जी के राजनीतिक और सामाजिक दृष्टिकोण को पाठकों के सामने प्रस्तुत करने का कार्य अब तक नहीं हुआ था। हरिशंकर शर्मा द्वारा संपादित पंडित राधेश्याम कथावाचक की विभिन्न कृतियों को पढ़कर यह कार्य हो तो सकता था, लेकिन अब इस पुस्तक के प्रकाशित होने से पाठकों और शोधकर्ताओं को काफी आसानी हो सकेगी।

पुस्तक समीक्षा
पुस्तक का नाम : पंडित राधेश्याम कथावाचक की सामाजिक राजनीतिक दृष्टि
लेखक : हरिशंकर शर्मा, जयपुर
प्रथम संस्करण : अक्टूबर 2025
मूल्य :650
पृष्ठ संख्या : 359
समीक्षक : रवि प्रकाश रामपुर

प्रारंभ में ही हरिशंकर शर्मा ने कथावाचक जी के बहु-आयामी व्यक्तित्व और कृतित्व को "हरफनमौला रचनाकार" का नाम दिया है। यह कथन "संपादकीय" के अंतर्गत देने की आवश्यकता नहीं थी। समूची पुस्तक का एक-एक शब्द हरिशंकर शर्मा द्वारा लिखित है। इसमें उनकी पूर्व प्रकाशित संपादित पुस्तकों की कुछ पुनरावृत्ति तो हो सकती है, लेकिन यह पुस्तक संपादित नहीं है। यह मौलिक कृति है। अतः संपादकीय के स्थान पर प्रस्तावना, भूमिका, दो शब्द अथवा अग्रलेख शीर्षक उचित रहता।

पं. राधेश्याम कथावाचक की राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि का मूल्यांकन करने के लिए हरिशंकर शर्मा ने पुस्तक को नौ भागों में विभाजित किया है। प्रत्येक भाग में कथावाचक जी की कृतियों के उद्धरण देते हुए उनकी दृष्टि पाठकों के सामने रखी है। पं. राधेश्याम कथावाचक ने अनेक फिल्मों में संवाद और गीत लिखे। हरिशंकर शर्मा ने विभिन्न फिल्मों में कथावाचक जी की महत्वपूर्ण उपस्थिति की चर्चा की है, लेकिन इस बात को भी रेखांकित किया है कि अगर कथावाचक जी फिल्मी दुनिया को ही अपनी दुनिया बना लेते, तो वह फिल्मी दुनिया के मील का पत्थर होते। ऐसा क्यों नहीं हो पाया? इसका कारण हरिशंकर शर्मा ने कथावाचक जी की सनातन धर्म के प्रति आस्था को बताया है। उनका कहना है कि फिल्मी जगत में पहुंच कर भी कथावाचक जी ने आचरण की शुद्धता के साथ समझौता नहीं किया। कहने का तात्पर्य यह है कि कथावाचक जी ने अपने जीवन, कार्य और व्यवहार के द्वारा दो टूक संदेश यह दिया कि हर क्षेत्र में वह अपनी शर्तों पर जाएंगे और अपनी शर्तों पर ही वहां रहेंगे।

व्यंग्य

लोकल मुर्गी बे-हाल बराबर

एक बड़ा प्रसिद्ध मुहावरा है-"घर की मुर्गी दाल बराबर"। माफ कीजिएगा, चूंकि मैं ठहरा साहित्यप्रेमी, तो मैंने इसे बिना किसी की इजाजत लिए अपने स्तर से उच्चीकृत किया है। मुहावरे का नया अवतार है- "लोकल मुर्गी बे-हाल बराबर"। पहले तो यह स्पष्ट कर दूं कि मनुष्य अर्थात एक सामाजिक प्राणी होने के नाते मैंने यह दूरदर्शितापूर्ण कदम समाज की ही भलाई के लिए उठाया है। वो अलग बात है कि मेरी इस विवेकपूर्ण पहल से बेचारा मुहावरा जो अब तक दीनहीन अवस्था में कूपमंडूकता का लिबास ओढ़े पड़ा था, रातों-रात व्यापकता और प्रसिद्धि के उन्नतोन्नत शिखरों को स्पर्श करके सुपरहिट हो गया है।

शिशिर शुक्ला
साहित्यकार

अब आता हूं मेरे इस नवीन सृजन की विषयवस्तु पर। दरअसल किसी भी समाज अथवा कार्यक्षेत्र में दो प्रजातियों के प्राणी पाए जाते हैं। पहली प्रजाति तो वह है, जो परदेसी होते हैं, मसलन किसी दूसरे क्षेत्र से आकर वहां शरण लेते हैं। इन बेचारों को उस समाज की विशेषताओं एवं गूढ़ रहस्यों का लेशमात्र भी ज्ञान नहीं होता, लिहाजा इन लाचारों से किसी की कोई अपेक्षा भी नहीं होती और ये उस तंत्र में अपना जीवन अपनी ही धुन में जीते रहते हैं, बिना किसी व्यवधान के। दूसरी प्रजाति होती है लोकल अर्थात स्थानीयता के रंग में सराबोर लोगों की। इनके हिस्से में आता है- तमाम जिम्मेदारियां, भांति-भांति के कार्य और लोगों को मुफ्त की सलाह प्रदान करना। लोकल होना एक ऐसा स्थायी दायित्व है, जिसे निभाते-निभाते व्यक्ति की रीढ़ के साथ साथ सहनशक्ति भी टूट जाती है। यदि आप सार्वजनिक संपत्ति में तब्दील होना चाहते हैं, तो आपका लोकल होना एक विशेष योग्यता की भूमिका अदा करेगा।

लोकल व्यक्ति की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि लोग उसे दावत में मिलने वाली मिठाई की तरह प्रयोग करते हैं, एक-एक व्यक्ति एक बार, दो बार और न जाने कितने बार। स्वार्थ के स्थान पर अनवरत रूप से परमार्थ का कार्य करने में तत्पर लोकल व्यक्ति पुण्य के समानुपात में ही तनाव भी अर्जित करता रहता है। लोकल व्यक्ति का दिन प्रायः उसके चल दूरभाष को सुशोभित कर रही अनेक मिस कॉल अथवा संदेशों से शुरू होता है, बल्कि सच कहें, तो उसे अपने दिनभर के परमार्थों का मोटा-मोटा फ्रेमवर्क सूरज की पहली किरण के साथ ही प्राप्त हो जाता है।

खास बात यह है कि किसी अभीष्ट कार्य के सिद्ध होने पर तो उसे कोई पारितोषिक नहीं मिलता, लेकिन अगर कहीं वह परमार्थ पूर्ण करने में असफल रहा तो भांति-भांति की व्यंग्यात्मक टिप्पणियों से उसे विभूषित कर दिया जाता है। चहुंओर से मिलने वाले आदेश और निर्देश उसके मस्तिष्क में जाम लगाने का पूर्ण प्रयत्न करते हैं। लोकल व्यक्ति का घर किसी प्रतीक्षालय से कम नहीं होता, जहां तमाम कल्याण के लक्ष्य उसका इंतजार करते हैं। वहीं अगर उसके घर की रसोई की बात करें, तो वह भी किसी कैंटीन से कम नहीं होती।

एक विशेष बात यह कि अगर खुदा न खास्ता लोकल व्यक्ति के मुखारविंद से "आज व्यस्त हूं, समय नहीं है" जैसे शब्द प्रस्फुटित हो गए, तो यह एक गंभीर सामाजिक अपराध की श्रेणी में आ जाता है। फिलहाल तत्काल कार्यवाही के रूप में सामने वाले के द्वारा उसे एक मौखिक किंतु तीक्ष्ण व कटु "कारण बताओ नोटिस" जारी कर दिया जाता है। कुछ देर शांत बैठना, विश्राम करना और अपने विषय में सोचना, ये सारी विलासिताएं लोकल व्यक्ति के भाग्य में नहीं लिखी होतीं। वह आजीवन इनसे वंचित ही रहता है। लोकल व्यक्ति का किसी कार्य को मना करना सामाजिक शिष्टाचार एवं नैतिकता के विरुद्ध माना जाता है। एक बार ऐसा करने पर उसकी लोकल पहचान सदा-सदा के लिए खतरे में पड़ जाती है। समाज भी इतना चालाक है कि वह लोकल व्यक्ति को उसके परोपकार हेतु कभी खुलकर धन्यवाद नहीं देता। "यार, तुम न होते तो पता नहीं क्या होता", इतना कहकर लोग अपने रास्ते चल देते हैं, लेकिन इन अमूल्य शब्दों को सुनकर लोकल व्यक्ति नितांत भावुक हो जाता है और अगली बार फिर से परहित के लिए तैयार हो जाता है।

अपने लोकल होने की अमिट छाप से उत्पन्न होने वाली सुखानुभूति ही दरअसल लोकल व्यक्ति की कमजोरी होती है। समाज भी उसकी इस कमजोर नस को जीभर के दबाता है और लोकल व्यक्ति को भावनात्मक प्रताड़ना देता रहता है। लोकल व्यक्ति का संपूर्ण जीवन वस्तुतः एक अंतहीन सेवा योजना होती है, जिसमें न तो कोई अवकाश है, न पेंशन और न ही सम्मान पत्र। अगणित परोपकारों के लिए किसी समाचार पत्र में उसका नाम कभी नहीं छपता, लेकिन समाज की हर समस्या में उसका जिक्र जरूर होता है। वह हर समस्या का प्रथम समाधान होता है। अंततः जब लोकल व्यक्ति किसी क्षण थककर बैठता है, तो उसे एहसास होता है कि उसने सबके लिए बहुत कुछ किया, किंतु अपने लिए कुछ भी नहीं। वह कल्पना करता है, "काश! मैं भी थोड़ा गैर-लोकल होता।" यह विचार भी उसे चैन नहीं लेने देता, क्योंकि तत्काल दरवाजे की घंटी बज जाती है और एक ध्वनि प्रकट होती है, "भैया, एक छोटा सा काम था"।

भारतीय ज्ञान-परंपरा में स्त्री की उपस्थिति

आज के बौद्धिक और अकादमिक विमर्श में 'भारतीय ज्ञान-परंपरा' एक महत्वपूर्ण और बहुप्रचलित शब्द के रूप में उभरकर सामने आई है। इसके माध्यम से न केवल अतीत की ओर लौटकर देखने का प्रयास किया जा रहा है, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए वैचारिक दिशाएं भी तलाश की जा रही हैं। भारतीय ज्ञान-दृष्टि का मूल स्वर किसी एक विचारधारा या संप्रदाय तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोक, शास्त्र, दर्शन, अनुभव और करुणा के समन्वय से निर्मित एक समग्र दृष्टि है, जिसका आदर्श वाक्य 'सर्वे भवंतु सुखिन:' के सार्वभौमिक भाव में निहित है। भारतीय ज्ञान-परंपरा की जड़ें लोकजीवन में गहरे धंसी हुई हैं, जहां कथा, गीत, स्मृति और अनुभव के माध्यम से ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रवाहित होता रहा है। इस परंपरा की एक विशिष्ट विशेषता इसकी बहुवचनात्मकता है, जहां एक ही कथा के अनेक पाठ संभव हैं और सत्य किसी एक केंद्र में बंधा नहीं रहता। इसी व्यापक और समावेशी ज्ञान-संरचना के भीतर स्त्री की भूमिका केवल सहायक या हाशिए की नहीं रही, बल्कि वह ज्ञान की साधिका, संवाहिका और उत्पादक के रूप में उपस्थित रही है। यह आलेख भारतीय ज्ञान-परंपरा के इसी बहुआयामी स्वरूप को, विशेषकर स्त्री की ऐतिहासिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक उपस्थिति के संदर्भ में पुनर्विचारित करने का एक प्रयास है।

डॉ. सुप्रिया पाठक
एसोसिएट प्रोफेसर

ज्ञान की भारतीय दृष्टि : समग्रता और करुणा का दर्शन

आज के समय में 'भारतीय ज्ञान-परंपरा' एक अत्यंत चर्चित शब्दावली बन चुकी है। विभिन्न बौद्धिक विमर्शों, अकादमिक चर्चाओं और सांस्कृतिक संवादों के माध्यम से इसके नित नए आयाम सामने आ रहे हैं। यह परंपरा केवल अतीत की ओर लौटने का आग्रह नहीं करती, बल्कि वर्तमान को समझने और भविष्य की दिशा तय करने का वैचारिक आधार भी प्रदान करती है। भारतीय ज्ञान-दृष्टि का मूल स्वर 'सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाः' की भावना में निहित है, जहां ज्ञान का उद्देश्य केवल बौद्धिक तुष्टि नहीं, बल्कि समग्र समाज और सृष्टि के कल्याण से जुड़ा हुआ है।

ज्ञान-परंपरा की व्यापक संरचना

भारतीय ज्ञान-परंपरा केवल दार्शनिक या आध्यात्मिक अवधारणाओं का संकलन नहीं है, बल्कि यह समाज, संस्कृति और जीवन-मूल्यों की समग्र संरचना है। इस परंपरा में स्त्री की उपस्थिति हाशिए पर नहीं, बल्कि अनेक स्तरों पर केन्द्रीय और निर्णायक रही है। यद्यपि विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों में पितृसत्तात्मक संरचनाओं के कारण स्त्री की भूमिका को सीमित करने के प्रयास हुए, फिर भी ज्ञान-निर्माण, अनुभूति और अभिव्यक्ति के क्षेत्र में उसकी सक्रिय भागीदारी बनी रही।

वैदिक बौद्धिक चेतना में स्त्री

ऋग्वैदिक काल में स्त्री को ज्ञान-साधिका और संवादकर्ता के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त थी। गार्गी, मैत्रेयी, लोपामुद्रा, अपाला और घोषा जैसी ऋषिकाएं केवल गृहस्थ जीवन तक सीमित नहीं थीं, बल्कि ब्रह्मविद्या और दार्शनिक विमर्श में सक्रिय थीं। गार्गी और याज्ञवल्क्य के बीच हुआ संवाद यह दर्शाता है कि स्त्री तर्क, प्रश्न और बौद्धिक विवेक के उच्च स्तर पर स्थित थी। मैत्रेयी का आत्मा-संबंधी प्रश्न भारतीय दर्शन में स्त्री की चेतना का अत्यंत सशक्त उदाहरण है। उपनिषदों में स्त्री केवल श्रोता नहीं, बल्कि ज्ञान की सहयात्री के रूप में उपस्थित है।

दर्शन में स्त्री तत्व की गरिमा

सांख्य दर्शन में 'प्रकृति' की अवधारणा स्त्री-तत्व को दार्शनिक गरिमा प्रदान करती है। यहां स्त्री निष्क्रिय नहीं, बल्कि सृष्टि की प्रेरक और सृजनशील शक्ति है। इसी क्रम में भारतीय ज्ञान-परंपरा का एक महत्वपूर्ण पक्ष शक्ति-उपासना है। दुर्गा, काली, सरस्वती और लक्ष्मी केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि साहस, ज्ञान, सृजन और समृद्धि की दार्शनिक संकल्पनाएं हैं।
तांत्रिक परंपरा में स्त्री को ब्रह्मांडीय ऊर्जा के रूप में देखा गया, जो देह से परे चेतना का प्रतीक है।

बौद्ध परंपरा और स्त्री मुक्ति का प्रथम स्वर

बौद्ध परंपरा में महाप्रज्ञापारमिता स्त्री-तत्व का दार्शनिक रूप है। बुद्ध द्वारा भिक्षुणी संघ की स्थापना स्त्री की बौद्धिक और आध्यात्मिक स्वतंत्रता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था। संघ की तिहत्तर थेरियों की लगभग पांच सौ गाथाओं का संकलन 'थेरीगाथा' सभ्यता के नीचे दबी स्त्री-मुक्ति का प्रथम मुखर स्वर है। इन गाथाओं में स्त्री स्वयं को केवल देह नहीं, बल्कि स्वतंत्र चेतना के रूप में स्थापित करती है, जो जीते-जी मुक्ति का अनुभव चाहती है।

विदुषी स्त्रियों की उपस्थिति

प्राचीन भारत में स्त्रियों की सार्वजनिक उपस्थिति के पर्याप्त साक्ष्य मिलते हैं। गार्गी, मैत्रेयी, उभय भारती, रोमशा, लोपामुद्रा जैसी विदुषियों ने बौद्धिक क्षेत्र में अपने समकालीन पुरुषों के साथ संवाद किया और कई बार उन्हें पराजित भी किया। शंकराचार्य और मंडन मिश्र के शास्त्रार्थ में निर्णायक की भूमिका निभाने वाली उभय भारती स्त्री की निष्पक्ष और सशक्त उपस्थिति का उदाहरण हैं।

भक्ति आंदोलन : लोकभाषा में ज्ञान की स्त्री-वाणी

भक्ति आंदोलन ने स्त्री को अभिव्यक्ति का नया मंच दिया। मीराबाई, अक्का महादेवी, अंडाल, लल्लेश्वरी, जनाबाई और सक्कुबाई जैसी संत कवयित्रियों ने ज्ञान को लोकभाषा और जीवनानुभव से जोड़ा। मीराबाई ने सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देते हुए आध्यात्मिक स्वतंत्रता का मार्ग चुना और सती प्रथा से इनकार किया।

वटवृक्ष की जड़ें : लोक, श्रुति और स्मृति की निरंतरता

भारतीय ज्ञान-परंपरा की जड़ें वटवृक्ष की भांति गहरी और विस्तृत हैं। इसकी शाखाएं शास्त्र, लोक, दर्शन, कथा, कला और जीवनानुभव तक फैली हुई हैं। लोक में प्रचलित रामकथा का एक प्रसंग इस परंपरा को अत्यंत सजीव रूप में प्रस्तुत करता है। जब राम के वनगमन के बाद माता कौशल्या पूछती हैं कि उन्हें जाते हुए किसने देखा और किसी ने उन्हें रोका क्यों नहीं, तब एक बेर की झाड़ी अश्रुपूरित स्वर में कहती है कि राम के वस्त्र उसकी डालियों में उलझ गए थे और उसी क्षण उसने उन्हें देखा। माता कौशल्या द्वारा उस झाड़ी को दिया गया आशीर्वाद कि उसकी जड़ें अनंत युगों तक पाताल लोक तक जाएं और रामकथा सुनाती रहें। लोकज्ञान की उस परंपरा का प्रतीक है, जो लिखित ग्रंथों से पहले जीवन में प्रवाहित होती है। यह दृष्टि और बोध का अंतरसंबंध है, जिसे भारतीय समाज ने श्रुति परंपरा के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखा।

एक कथा, अनेक अर्थ : रामकथा की बहुवचनात्मक परंपरा

रामकथा के सैकड़ों लोक रूप इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि भारतीय समाज ने कथा को एकांगी नहीं, बल्कि बहुवचनात्मक रूप में स्वीकार किया। कहीं राम नायक नहीं हैं, तो कहीं रावण पूर्ण खलनायक नहीं। सीता का चरित्र भी विभिन्न सांस्कृतिक परिधियों में नए अर्थ ग्रहण करता है। बहुत बाद के वर्षों में रामकथा ने शास्त्रीय लेखन का स्वरूप ग्रहण किया, किंतु उसकी आत्मा लोक में ही बनी रही। यही भारतीय ज्ञान-परंपरा की जीवंतता है।

साहित्य में स्त्री की गतिशील छवि

आठवीं शताब्दी में भवभूति के नाटकों में शिक्षा की खोज में अकेली यात्रा करने वाली स्त्री पात्र यह संकेत देते हैं कि उस समय समाज में स्त्री की गतिशीलता अस्वाभाविक नहीं मानी जाती थी। यह साहित्य समाज के उस बोध को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें स्त्री ज्ञान की खोज में सक्रिय थी।

ज्ञान की उत्पादक के रूप में स्त्री

मध्यकालीन और औपनिवेशिक दौर में स्त्री की भूमिका सीमित हुई, किंतु आधुनिक स्त्रीवादी विमर्श ने भारतीय ज्ञान-परंपरा का पुनर्पाठ करते हुए यह स्पष्ट किया कि स्त्री केवल ज्ञान का विषय नहीं, बल्कि उसकी उत्पादक भी रही है। स्त्रीवादी इतिहास-लेखन का उद्देश्य केवल स्त्रियों को दृश्य बनाना नहीं, बल्कि ज्ञान-निर्माण की पूरी प्रक्रिया में उनके योगदान को सम्मिलित करना है। 'हम' और 'स्व' : भारतीयता की बहुवचनात्मक समझ भारतीयता या भारत-बोध को समझने के लिए सामूहिकता के भाव को समझना आवश्यक है। 'हम' की भावना के भीतर 'स्व' की तलाश भी निहित है। विविध धर्मों, जातियों, वर्गों और लैंगिक पहचानों से बने भारतीय समाज में प्रत्येक समुदाय के अनुभवों को सम्मिलित किए बिना ज्ञान-परंपरा की समग्र समझ संभव नहीं है।

परंपरा से संवाद, भविष्य की दिशा

भारतीय ज्ञान-परंपरा में स्त्री की उपस्थिति बहुआयामी है। वह ऋषिका है, साधिका है, शक्ति है और लोकभाषा की संवाहिका भी। समस्या परंपरा में नहीं, बल्कि उसके एकांगी पितृसत्तात्मक पाठों में रही है। स्त्री की ज्ञान-परंपरा में पुनर्स्थापना केवल अतीत की खोज नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की वैचारिक दिशा निर्धारित करने का सार्थक प्रयास है।

नोटिफिकेशन में बटी मां की ममता

घर के भीतर सबसे गहरी खामोशी तब जन्म लेती है, जब मां सामने होते हुए भी भीतर से अनुपस्थित होती है। बच्चा पास बैठा होता है, अपनी दुनिया खोलने को तैयार, पर मां की आंखें किसी और चमकती दुनिया में भटकी रहती हैं। यह दूरी मीलों की नहीं, बस एक छोटी-सी स्क्रीन की है। यहीं से "स्क्रीन मां" का जन्म होता है। यह किसी पर आरोप नहीं, बल्कि हमारे समय की निर्विवाद सच्चाई है। डिजिटल रोशनी में पली यह परवरिश बाहर से आधुनिक लगती है, भीतर से भावनात्मक सूखे की ओर बढ़ती है। बच्चे सवाल नहीं करते, वे धीरे-धीरे चुप रहना सीख लेते हैं।

कृति आरके जैन
बड़वानी (मप्र)

डिजिटल पिंजरे में बंधा मातृत्व

डिजिटल समय ने मां के जीवन के चारों ओर एक अदृश्य पिंजरा खड़ा कर दिया है। लगातार स्क्रॉल करना, तुरंत जवाब देना और हर पल साझा करना अब आदत नहीं, मजबूरी बन चुका है। मां को लगता है वह बच्चे के पास है, पर सच यह है कि वह मानसिक रूप से अनुपस्थित रहती है। बच्चा बार-बार ध्यान खींचने की कोशिश करता है, पर हर बार हार जाता है। इसी हार में उसका आत्मविश्वास दरकने लगता है। स्क्रीन मां के लिए लाइक और व्यूज प्राथमिक बन जाते हैं, जबकि बच्चे के लिए एक मुस्कान और एक नजर ही सबसे बड़ा सहारा होती है।

भावनात्मक विकास और स्थायी निशान

बच्चे का भावनात्मक संसार मां की प्रतिक्रिया से आकार ग्रहण करता है। जब मां तुरंत देखती, सुनती और समझती है, तब बच्चा खुद को सुरक्षित महसूस करता है। स्क्रीन में डूबी मां अनजाने में यह सुरक्षा छीन लेती है। बच्चा सीख लेता है कि उसकी बातों का इंतजार हो सकता है, भावनाएं टाली जा सकती हैं। यही टलना आगे चलकर स्थायी चुप्पी में बदल जाता है। ऐसे बच्चे भीतर से बेचैन रहते हैं और बाहर से उदास दिखाई देते हैं। उनका विकास केवल शारीरिक नहीं, बल्कि भावनात्मक स्तर पर भी अधूरा रह जाता है।

प्रदर्शन बनाम सच्चाई मातृत्व में डिजिटल दबाव

समस्या केवल फोन की नहीं, हमारी सोच और प्राथमिकताओं की है। समाज ने मातृत्व को भी एक प्रदर्शन में बदल दिया है। सुंदर तस्वीरें, आदर्श क्षण और परफेक्ट दिनचर्या का दबाव हर मां पर हावी है। इस दौड़ में असली पल धीरे-धीरे खो जाते हैं। स्क्रीन मां खुद को साबित करने में लगी रहती है, जबकि बच्चा सिर्फ स्वीकार्यता खोजता है। वह सीखता है कि दिखावा ज्यादा महत्वपूर्ण है, सच्चाई कम। यही सीख धीरे-धीरे उसके रिश्तों में उतर जाती है और भावनात्मक ईमानदारी कमजोर पड़ने लगती है।

छोटे दृश्य, बड़ी वास्तविकता

घरों के छोटे-छोटे दृश्य इस बड़े संकट की असली तस्वीर सामने रखते हैं। भोजन की मेज पर फोन रखा है, खेल के समय कैमरा पहले चल पड़ता है और सोते वक्त भी नोटिफिकेशन चुप नहीं होते। बच्चा गिरता है, संभलता है, पर मां की नजर देर से पड़ती है। यही देर बच्चे के मन में स्थायी निशान छोड़ देती है। वह खुद को कम महत्वपूर्ण समझने लगता है। असली मां की मौजूदगी में बच्चा गलतियां करके भी सुरक्षित रहता है, जबकि स्क्रीन मां के साथ वह धीरे-धीरे चुप रहना और सह लेना सीख जाता है।

इस स्थिति का प्रभाव केवल क्षणिक नहीं, दूर तक जाने वाला है। ऐसे बच्चे अपनी भावनाएं व्यक्त करने से डरने लगते हैं। वे या तो बेवजह आक्रामक हो जाते हैं या फिर पूरी तरह उदासीन। रिश्तों में जुड़ाव उन्हें कठिन लगने लगता है। मां का स्पर्श, उसकी आवाज और उसका ध्यान उनके लिए भावनात्मक आधार होते हैं। जब यह आधार कमजोर पड़ता है, तो व्यक्तित्व भी डगमगाने लगता है। स्क्रीन मां का असर सिर्फ बचपन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि युवावस्था और वयस्क जीवन में भी रिश्तों की गुणवत्ता को प्रभावित करता है।

प्राथमिकताओं का पुनःनिर्धारण

समाधान तकनीक को पूरी तरह छोड़ने में नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं को नए सिरे से तय करने में है। यदि मां तय समय पर फोन से दूरी बना सके, तो बदलाव संभव है। दिन के कुछ घंटे केवल बच्चे के नाम हों, जहां कोई स्क्रीन बीच में न आए। बातचीत, खेल और साथ बैठना साधारण लगता है, पर असर असाधारण होता है। असली मां बनने के लिए अतिरिक्त परिश्रम नहीं, बल्कि सजग और सच्ची उपस्थिति चाहिए, जो बच्चे को यह भरोसा दे कि वह सबसे पहले है।

समाज और परिवार की भूमिका

परिवार और समाज की भूमिका भी उतनी ही अहम है। यदि घर का वातावरण सहयोगी हो, तो मां पर दबाव अपने आप कम हो जाता है। स्कूल और समुदाय यदि डिजिटल संतुलन पर खुलकर बात करें, तो जागरूकता बढ़ सकती है। तकनीक कंपनियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे लत को बढ़ावा न दें। बच्चों को भावनात्मक शिक्षा मिले ताकि वे अपने मन और भावनाओं को समझ सकें। यह सामूहिक प्रयास ही स्क्रीन मां की जगह संवेदनशील और उपस्थित मां को वापस ला सकता है।

असली मां की वापसी

यह सवाल केवल पालन-पोषण तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे भविष्य से जुड़ा है। मां बच्चे की पहली शिक्षक होती है। यदि वही अनुपस्थित रहे, तो सीख अधूरी रह जाती है। भावनात्मक रूप से कमजोर पीढ़ी अंततः समाज को भी कमजोर बना देती है। फिर भी आशा शेष है। जब मां एक पल ठहरकर बच्चे की ओर देखती है, तो टूटा हुआ संबंध फिर से जुड़ने लगता है। यही छोटा-सा ठहराव बड़े परिवर्तन की नींव बन सकता है।

"स्क्रीन मां बनाम असली मां" कोई टकराव नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। तकनीक उपयोगी हो सकती है, पर वह प्रेम का विकल्प कभी नहीं बन सकती। बच्चे को सबसे अधिक जरूरत मां की आंखों की चमक, उसकी आवाज की गर्मी और उसकी बाहों की सुरक्षा की होती है। यदि मां यह दे पाए, तो स्क्रीन अपने आप सीमित हो जाएगी। असली मां की वापसी से ही भावनात्मक रूप से मजबूत बच्चे और संतुलित समाज का निर्माण संभव है।

खाना खजाना

स्ट्रॉबेरी जैम

घर पर बना स्ट्रॉबेरी जैम बाजार में मिलने वाले जैम से कहीं ज्यादा ताजा, स्वादिष्ट और शुद्ध होता है। इसमें कोई कृत्रिम रंग या प्रिजर्वेटिव नहीं होते, इसलिए यह बच्चों और बड़े दोनों के लिए सुरक्षित है। इसे बनाना बेहद आसान है और केवल ताजी स्ट्रॉबेरी, चीनी और नींबू के रस से तैयार किया जाता है। धीमी आंच पर पकाकर और बीच-बीच में मैश करके गाढ़ा किया गया जैम बाहर से चमकदार और अंदर से मीठा-रसदार होता है। इसे ब्रेड, परांठा, केक या पनीर जैसे व्यंजनों के साथ भी आनंदपूर्वक खाया जा सकता है।

सामग्री

- ताजी स्ट्रॉबेरी-500 ग्राम
- चीनी-250 - 300 ग्राम (स्वाद के अनुसार)
- नींबू का रस-1 बड़ा चम्मच

बनाने की विधि

स्ट्रॉबेरी को अच्छी तरह धो लें और उनके ऊपर के हरे पत्ते हटा दें। अब इन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। एक भारी तले की कड़ाही या पैन लें। इसमें कटी हुई स्ट्रॉबेरी और चीनी डालें। इसे धीमी आंच पर गरम करें। चीनी धीरे-धीरे पिघलने लगेगी और स्ट्रॉबेरी अपना रस छोड़ देगी। जैसे ही स्ट्रॉबेरी नरम होने लगें, एक मैशर या चम्मच की मदद से उन्हें थोड़ा मैश कर लें। अगर आपको जैम में स्ट्रॉबेरी के टुकड़े पसंद हैं, तो इसे बहुत ज्यादा बारीक न करें।

अब मिश्रण को मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए पकाएं। बीच-बीच में ऊपर आने वाले सफेद झाग को हटाते रहें। जब मिश्रण गाढ़ा होकर सिरप जैसा दिखने लगे, तो इसमें नींबू का रस डाल दें। नींबू का रस जैम को जमने में मदद करता है और चीनी के क्रिस्टल नहीं बनने देता।

जैम तैयार है या नहीं, यह देखने के लिए एक ठंडी प्लेट पर जैम की एक बूंद डालें। प्लेट को थोड़ा टेढ़ा करें। अगर बूंद धीरे सरकती है और पानी की तरह नहीं बहती, तो आपका जैम तैयार है।

खास टिप्स

- रंग और चमकः नींबू का रस न केवल प्रिजर्वेटिव का काम करता है, बल्कि जैम को एक सुंदर चमक और गहरा लाल रंग भी देता है।
- चीनी की मात्राः अगर स्ट्रॉबेरी बहुत ज्यादा खट्टी हैं, तो आप चीनी की मात्रा थोड़ी बढ़ा सकते हैं।
- शेल्फ लाइफः यह जैम फ्रिज में रखकर 2-3 महीने तक आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है।
- मिक्स फ्रूट टचः आप इसमें थोड़ा सा सेब का पल्प भी मिला सकते हैं, इससे जैम की बनावट और भी अच्छी हो जाती है। इसे आप ब्रेड, परांठा या केक के साथ बड़े चाव से खा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

मढ़ी सत्याना पर खिचड़ी भोज का आयोजन

मीरगंज, अमृत विचार : कड़ाके की ठंड के बावजूद मढ़ी सत्याना पर खिचड़ी प्रसाद वितरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान मेवात निवासी रामपाल गुप्ता, सर्वेश गुप्ता, लव गुप्ता, कुश गुप्ता एवं महेश गुप्ता ने मुख्य भूमिका निभाई।

पुलिस अधिकारी बताकर 21 हजार ठगे

मीरगंज, अमृत विचार : क्षेत्र के एक गांव में एक युवक को साइबर ठग ने कॉल कर खुद को पुलिस अधिकारी बताया और जेल भेजने का झांसा देकर 21000 रुपये वसूल लिए। ठग ने युवक को क्यूआर कोड भेजा, जिससे उसने अलग अलग धनराशि में रुपए ट्रांसफर कर दिए। बाद में ठग ने 50 हजार रुपये की और मांग की, जिससे युवक को ठगी का अहसास हुआ और उसने पुलिस में शिकायत की। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को गांव नौगवां निवासी इशरत के पास दिल्ली से फोन आया खुद को पुलिस अधिकारी बताकर उसे डरा धमका दिया।

रसोइया का काम कर रहीं बा विद्यालय की छात्राएं

बारीनगला के बा विद्यालय में छात्राओं से कराया जा रहा रसोइया का काम, स्कूल के सामने गड्ढा ,अफसर मौन

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के गेट के सामने टूटा पुलिया का स्लैब।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में सब्जी छीलती छात्रा। ● अमृत विचार

संवाददाता, कैंट

अमृत विचार: कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाली बालिकाओं से रसोइया का काम कराया जा रहा है। गरीब घर की यह बालिकाएं शिक्षकों द्वारा रसोई का काम करने के आदेश का पालन कर रही हैं।

ऐसा ही एक मामला ब्लॉक क्यारा के बारीनगला स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय का प्रकाश में आया है। अमृत विचार की टीम ने अचानक विद्यालय पहुंचकर पड़ताल की। तो छात्राएं वहां आलू छीलते मिलीं। पता चला। कि वर्तमान में विद्यालय में तीन रसोइयां की तैनाती है, लेकिन मौके पर एक की उपस्थिति ही मिली। डायनिंग हॉल में भी गंदगी पसरी थी। जबकि एक सफाई कर्मी की भी नियमित तैनाती है। जिला कोआर्डिनेटर वर्षा राठौर से कई बार फोन करके बात करने का प्रयास किया गया। लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

विद्यालय के गेट के बाहर बनी पुलिया का स्लैब करीब 2 साल पहले टूट गया था। इससे विद्यालय का एक साइड का गेट नहीं खोला जाता है। आवासीय विद्यालय प्रांगण में दो साल से एक बिल्डिंग का निर्माण चल रहा है। यहां निर्माण सामग्री भारी ट्रैक्टर ट्रॉली स्लैब के ऊपर से गुजारने पर वह टूट गया। विद्यालय की वार्डेन ने कई बार ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव तथा अन्य ब्लॉक अधिकारियों से स्लैब को बनवाने की सिफारिश की थी। लेकिन अब तक किसी ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया। इस बारे में बीडीओ क्यारा सुखपाल सिंह ने बताया कि पुलिया का स्लैब टूटा है इसकी शिकायत भी मिली है सचिव को शीघ्र स्लैब बनवाने के आदेश दिए गए हैं। एक-दो दिन में काम शुरू हो जाएगा।

> तीन रसोइयों में एक के पति बीमार हैं। वह उनके साथ अस्पताल में हैं। जानकारी में दूसरी रसोइया ने बताया, कि वह सब्जी छीलने व काटने के दौरान वॉशरूम गई थी। इसी बीच कोई छात्रा सब्जी छीलने लग गई होगी। विद्यालय में छात्राओं से काम नहीं कराया जाता है।
>
> **-स्नेहलता शर्मा,** वार्डेन

गन्ना किस्म पहचान की दी जानकारी

बहेड़ी, अमृत विचार: केसर इंटरप्राइजेज लिमिटेड में प्रांगण में गन्ना पर्यवेक्षक/सर्वे कार्मिकों को गन्ना किस्म पहचान प्रशिक्षण दिया गया। पहले दिन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर अरविंद कुमार ने गन्ना किस्मों की शारीरिक संरचना पत्ती आंख गांठ तना एवं वृद्धि अवस्था के आधार पर प्रजाति पहचान की विस्तृत जानकारी दी गई। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक ने बताया कि गन्ना विकास एवं आपूर्ति व्यवस्था में गन्ना किस्मों की सही पहचान अति आवश्यक है। यदि किसानों को गन्ने की प्रजातियों की सही पहचान होगी तो उनको गन्ने की अच्छी उपज प्राप्त होगी। उन्होंने सभी उपस्थित स्टाफ को 20 जनवरी से होने वाले खड़े गन्ने के सर्वेक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी । बसंतकालीन बुवाई के लिए प्रजातियों का बीज सुरक्षित कर अधिक से अधिक क्षेत्रफल में बुवाई कराने की सलाह दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संजय कुमार राव, रविंद्र सिंह, सुभाष सिंह तोमर, आदि रहे।

कार्यालय नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा-पीलीभीत

पत्रांक: 119/न.पं.गु.भि./2025-26 दिनांक: 17.01.2026

पुनः ई-निविदा सूचना

समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना के अन्तर्गत शासनादेश सं. 1940/9-8-2025-1681633 नगर विकास अनुभाग- 8 लखनऊ दिनांक 28. अगस्त 2025 के रूप में नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा पीलीभीत को वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु प्राप्त धनराशि से अवस्थापना सुविधाओं तथा पेयजल, सैपटेज मैनेजमेन्ट, सड़क साइड पटरी, जल निकासी, फुटपाथ, सार्वजनिक शौचालयों, तालाब संरक्षण एवं सौन्दर्यीकरण, चौराहों का निर्माण, खेल मैदान का निर्माण/सुधार सामुदायिक केन्द्र, गौशाला का निर्माण आदि सार्वजनिक सुविधाओं का सृजन कर नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं को प्रदान करने तथा नगर को समेकित एवं नियोजिक विकास को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना हेतु निर्माण कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसके लिये ई-निविदा प्रपत्र/कार्य का विवरण/शर्तें उ.प्र. की ई-प्रक्योरमेंट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

हरिपाल (अधिशासी अधिकारी) नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत
निशांत प्रताप सिंह (अध्यक्ष) नगर पंचायत गुलड़िया भिण्डारा, पीलीभीत

अध्यक्ष जितेंद्र, महासचिव सुनीता ने ली शपथ

● सिविल न्यायालय बार एसो. का द्विवर्षीय शपथ ग्रहण समारोह

संवाददाता, फरीदपुर

सिविल बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह में पदाधिकारियों ने शपथ ली। ● अमृत विचार

अमृत विचार: सिविल न्यायालय बार एसोसिएशन का द्विवर्षीय शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ जिसमें एल्डर कमेटी के अध्यक्ष नरेश कुमार चौधरी ने सिविल न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र चौहान, महासचिव सुनीता मिश्रा सहित संपूर्ण कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष प्रवेश त्रिवेदी, कुलदीप शर्मा, संजीव कुमार सिंह नीटू, परितोष चौधरी, कोषाध्यक्ष सुमित वर्मा, संयुक्त सचिव रेखा आर्या , परमजीत, सम्राट सिंह, ऑडिटर धुरेंद्र पाल सिंह सहित वरिष्ठ और कनिष्ठ कार्यकारिणी के सदस्यों ने भी शपथ ली।

विशिष्ट अतिथि एमएलसी कुंवर महाराज सिंह एवं जिला बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित सचिव विशिष्ट अतिथि दीपक पाण्डेय का भव्य स्वागत किया और विशिष्ट अतिथि ने विचार रखे। भव्य शपथ ग्रहण कार्यक्रम में एल्डर कमेटी के अध्यक्ष एवं मुंसिफ कोर्ट के संयोजक नरेश कुमार चौधरी, सदस्य देवदत्त शर्मा, राजेश चंद्र मिश्रा, आशु अग्रवाल, प्रोफेसर अलाउद्दीन खान, सतेन्द्र कुमार सक्सेना, अरविंद सिंह, अरुण तोमर, ओमवीर गुर्जर, मोहिनी शर्मा, अतुल शुक्ला, संजीव मिश्रा, अमित तोमर, राकेश त्रिगुणायत, अनूप नारायन मिश्रा, सशींद चौहान, हरिशंकर अग्निहोत्री, शैलेश सिंह, संजय सिंह सोलंकी प्रधान, गौरव सक्सेना, अनूप गुप्ता, मुजम्मिल बेग, वीरेन्द्र पाल सिंह यादव, सुधीर सोलंकी, के पी सिंह पाल, विनय सक्सेना, विनोद शर्मा, शक्ति मिश्रा, रोहित शर्मा, योगेंद्र शर्मा, दीपक सक्सेना, बी आर जयंत, कौशलेंद्र सिंह सहित नगर के अन्य गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। संचालन पूर्व सचिव शाहिद हुसैन एडवोकेट ने किया।

हज कमेटी का सीईओ हिंदू अधिकारी बनाने पर भड़के मौलाना

बरेली, अमृत विचार : महाराष्ट्र सरकार ने हज कमेटी का सीईओ एक हिंदू अधिकारी को बनाया है। इसपर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कड़ा एतराज जताया। उन्होंने कहा कि हज इस्लाम धर्म का बेहद पाक और खास हिस्सा है, मगर महाराष्ट्र सरकार ने ऐसे शख्स को हज कमेटी का सीईओ बना दिया, जिसका इस्लाम या हज से कोई वास्ता नहीं। मौलाना ने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार किसी हिंदू व्यक्ति को राज्य हज कमेटी का सीईओ बनाया गया है। यह अपने आप में शर्मिंदा करने और बदनाम करने वाली बात है। महाराष्ट्र सरकार में काफी मुसलमान अधिकारी मौजूद हैं, लिहाजा इनमें से किसी को सीईओ बनाया जाना चाहिए, मगर ऐसे व्यक्ति को जिम्मेदारी दे दी गई, जिसका इस्लाम से कोई नाता नहीं है। उन्हें नहीं मालूम कि हज किसे कहते हैं। कहा कि ये एक धार्मिक काम है, जिसे वही व्यक्ति कर सकता है, जो इस्लाम धर्म का पालन करता हो। गैर मुस्लिम व्यक्ति को नहीं मालूम कि इस्लाम धर्म में क्या-क्या जरूरी व्यवस्थाएं हैं। महाराष्ट्र सरकार को ये खुद सोचना चाहिए कि जो उपयुक्त नहीं है, उसको जिम्मेदारी न दी जाए। अगर सरकार ने ये सोचकर एक गैर मुस्लिम व्यक्ति को जिम्मेदारी दी है कि मुसलमानों के धार्मिक मामलात में भी सरकार का हस्तक्षेप रहे।

सार्वजनिक नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उद्यान विभाग लखीमपुर खीरी के अधीन संचालित राजकीय पौधशाला बबौना पर यूकेलिप्टिस के कुल 470 वृक्षों की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 21.01.2026 समय 01:00 बजे अपरान्ह स्थान-राजकीय पौधशाला बबौना, ग्राम बबौना विकास खण्ड मितौली, जिला खीरी पर होगी।

इच्छुक बोलीदाता उपरोक्त पौधशाला पर जाकर वृक्षों का अवलोकन कर नियमानुसार नीलामी में प्रतिभाग कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये इच्छुक बोलीदाता किसी भी कार्यदिवस में उक्त प्रक्षेत्र प्रभारी / कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी लखीमपुर खीरी से सम्पर्क कर नीलामी के नियम व शर्तों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

UP – 244151 दिनांक: 16/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

जिला उद्यान अधिकारी
लखीमपुर खीरी

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत,लो0नि0वि0,बरेली

पत्रांक : 38/413सी0(ई0टेण्डर)-3/25-26 दिनांक 02.01.2026

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1-महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से मदवार दरों पर स्वीकृति की प्रत्याशा में ई-निविदा दिनांक 20.01.2026 से दिनांक 30.01..2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 30.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन-लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत (रू0लाख)	कुल लागत (रू0लाख)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
01	जनपद बरेली के विकास खण्ड दमखोदा में ग्राम खिरना में दमखोदा नदी पर लघु सेतु, पहुँच मार्ग, सुरक्षात्मक एवं अतिरिक्त पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	512.50	12.60	525.10	10.50	06 माह	2725.00	ए (सेतु कार्य)
02	वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद बरेली के विकास खण्ड बिथरी चौनपुर के ग्राम अधकटा बुनियादी बेगम म्यूडी रानी मेवा कुंवर के मध्य छोटी बहगुल नदी पर लघु सेतु, एवं पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	576.50	11.80	588.30	11.80	06 माह	2725.00	ए (सेतु कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP – 244064 दिनांक: 16/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड ,लो0नि0वि0,बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

पांचाल महोत्सव शोभायात्रा में गूंजा जयघोष

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- समरसता हवन में लोगों ने सहभागिता कर राष्ट्र की समृद्धि की कामना की
- ढोल-नगाड़ों के साथ निकली शोभायात्रा का जयघोष और पुष्पवर्षा से स्वागत

अमृत विचार : रामनगर अहिच्छत्र क्षेत्र में आयोजित तीन दिवसीय पांचाल महोत्सव के दूसरे दिन परिकमा शोभायात्रा के साथ विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ समरसता हवन के साथ हुआ। इसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों ने सहभागिता कर राष्ट्र एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात निकाली गई परिक्रमा शोभायात्रा कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रही।

शोभायात्रा का शुभारंभ लाल जैन मंदिर से हुआ, जो क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से होती हुई किले के मुख्य स्थल तक भव्यता के साथ पहुंची। यात्रा के दौरान ढोल-नगाड़ों, जयघोष और पुष्पवर्षा से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों की सहभागिता ने शोभायात्रा को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित मातृ शक्ति सम्मेलन में नारी शक्ति की सामाजिक भूमिका, संस्कारों के संरक्षण तथा समाज निर्माण में उनके योगदान पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। वहीं गौ-पालक सम्मान समारोह के दौरान गोसेवा में समर्पित गौ-पालकों को सम्मानित कर उनके सेवा कार्यों की सराहना की गई। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित कवि सम्मेलन ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। कवियों ने राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता एवं सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर आर एस एस के प्रांत प्रचारक धर्मेंद्र, सह प्रांत प्रचारक विनोद, जिला प्रचारक अनुज पार्थ, अभिमन्यु, रोहित सिंह रघुवंशी, वेदप्रकाश यादव, ऊषा, सतीजा, मीना मौर्य, सीमा सक्सेना, ममता अग्रवाल, सत्यवीर सिंह, विपिन सिंह, अंकुर अग्रवाल आदि लोग मौजूद रहे।

क्षेत्रीय कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स
193-ए, सिविल लाइन्स, बरेली मण्डल बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मीना मस्जिद इन्तेजामिया कमेटी मोहल्ला अटरिया सी.बी. गंज तहसील व जिला बरेली 243502 के पंजीकरण हेतु सोसा. रजि. अधि. 1860 के अन्तर्गत ऑनलाइन पंजीकरण आवेदन प्राप्त है। उक्त संस्था के स्मृति पत्र एवं नियमावली में निम्नलिखित पदाधिकारियों व सदस्य दर्शाये गये है।

क्र.सं.	नाम/पिता/पति का नाम	पद
1.	रईस हुसैन पुत्र मो. लियाकत हुसैन	अध्यक्ष
2.	जाहिद हुसैन पुत्र मो. अली हुसैन	उपाध्यक्ष
3.	गौस मो. पुत्र मो. सफदर अली	मुतवल्ली
4.	इकरार शाह पुत्र मो. सबजे अली शाह	कोषाध्यक्ष
5.	जमीर हुसैन पुत्र मो. नवी हुसैन	सदस्य
6.	नासिर हुसैन पुत्र मो. सद्दीक हुसैन	सदस्य
7.	याकूब पुत्र मो. सुलेमान	सदस्य
8.	आरिश पुत्र मो. आरिफ हुसैन	सदस्य

उपरोक्त संस्था के पंजीकरण किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर इस कार्यालय को दस्तावेजी साक्ष्यों एवं फोटो युक्त नोटरी शपथपत्र सहित आपत्ति पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। उपरोक्त सार्वजनिक सूचना/नोटिस सोसा. रजि. अधि. 1860 की धारा 3 (1) के परन्तुक के अन्तर्गत जारी की जा रही है।

पत्रांक : 1987- I सहायक रजिस्ट्रार बरेली

राशन न देकर पर्चियां देने का वीडियो वायरल

गुलड़िया, अमृत विचार: राशन न देकर ग्रामीणों को पर्चियां देना कोटेदार को भारी पड़ सकता है। तीन माह से चल रहे इस खेल का ग्रामीणों ने विरोध कर दिया है। पूर्ति निरीक्षक ने मामले की जांच करने की बात कही है। विकासखंड मझगवां के गांव बसंतपुर का मजरा कतराई ठाकुरन के कोटेदार राकेश कुमार शनिवार को राशन वितरण करने पहुंचे। उस समय गांव के ही शिवराज सियाराम, संजू देवी, शकुंतला देवी, वासुदेव ,महिपाल, मनु पाल ,जुगल किशोर, शिवनंदन आदि लोगों राशन लेने के लिए गए तो उन्हें राशन ना दे कर अंगूठा लगवा कर पर्चियां परिचय दे दी। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले तीन महीना से लगातार राशन न मिलने के कारण ग्रामीण परेशान हैं और कोटेदार लगातार तीन महीने से राशन की पर्चियां निकाल कर ग्रामीणों को दे रहा है और राशन के नाम पर ठगी कर रहा है। ग्रामीणों ने बताया जब हम राशन लेने इनके घर जाते हैं तो राशन खत्म होने या राशन कम आने की बात कहते हैं। शनिवार को गांव के ही एक व्यक्ति ने अंगूठा लगवाते समय वीडियो बना ली जिसमें कोटेदार पत्थर रखकर राशन की पर्चियां निकल रहा है और अंगूठा लगवा कर पर्ची दे रहा है राशन वितरण नहीं कर रहा है। पूछने पर बता रहे हैं कि राशन घर पर मिलेगा इस तरह की वीडियो सोशल मीडिया पर ग्रामीणों ने वायरल कर दी। सप्लाई इंस्पेक्टर शिखा पांडे ने बताया कि जांच की जा रही है।

कार्यालय मॉडल प्राथमिक विद्यालय ब्योधा शेरगढ़, बरेली

कुटेशन

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय बरेली के पत्रांक स.क.स. (परि./वृक्षा.रो./9403-05/2025-26/9403-05/2025-26 दिनांक 12.11.2025 व खण्ड शिक्षा अधिकारी शेरगढ़ के आदेश के क्रम विद्यालय के गूलर वकैन व जामुन के वृक्षों की नीलामी होना है दिनांक 19.01.2026 को बोली लगाने वाले समय प्रातः 10 बजे विद्यालय पहुंचने का कष्ट करें। तथा विद्यालय विकास योजना के अन्तर्गत ACR का निर्माण होना है। रजिस्टर्ड फर्म दिनांक 20.01.2026 तक समय प्रातः 10 बजे तक विद्यालय में प्राप्त कराने का कष्ट करें।

नोट : निर्धारित तिथि व समय के उपरान्त कुटेशन मान्य नहीं होगा।

निम्न कुटेशन आमंत्रित किये जायेंगे।

1. रेता, बजरी, सीमेन्ट, सरिया आदि 2. Tiles 3. लोहे के दरवाजे व विंण्डो

राजेश कुमारी (ग्रा. प्रधान) ग्रा. पंचायत ब्योधा वि.खं. शेरगढ़, बरेली
SMC अध्यक्ष तेजपाल प्रा.वि. ब्योधा
लईक अहमद प्रधानाध्यापक/सचिव SMC प्रा.वि. ब्योधा वि.खं. शेरगढ़, बरेली

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांकः 39/413सी0(ई0टेण्डर)-3/2025-26 दिनांक 02.01.2026

ऑन-लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरो पर स्वीकृति की प्रत्याशा में ई-निविदा दिनांक 20.01.2026 से दिनांक 30.01.2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 30.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन-लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लगत: सिविल कार्य की लागत (रू0लाख में)	लगत: 05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू0लाख में)	लगत: कुल अनुमानित लागत (4+5) (रू0लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद बरेली के विकास खण्ड नवाबगंज के ग्राम रिछौला चौधरी से बरा-बरौर मार्ग के कि0मी0 2 में ग्राम अंटगा में नकटिया नदी पर 3X9 मी0 स्पान का लघु सेतु, पहुँच मार्ग, सुरक्षात्मक कार्य एवं अतिरिक्त पहुँच मार्ग का निर्माण कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	393.00	3.50	396.50	21.83	2725.00	06 माह	ए (सेतु कार्य)
2	वित्तीय वर्ष 2025-26 में विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत जनपद बरेली में बाढ़ से क्षतिग्रस्त वीरपुर भदपुरा नकटी नारायनपुर से अमीन नगर मार्ग पर देवहा नदी पहुँच मार्ग, अतिरिक्त पहुँच मार्ग की मरम्मत व सुरक्षात्मक कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	237.40	0.00	237.40	13.87	2725.00	04 माह	ए (मार्ग कार्य)
3	वित्तीय वर्ष 2025-26 में विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत जनपद बरेली में बाढ़ से क्षतिग्रस्त नवाबगंज शहरी भाग (अन्य जिला मार्ग) पर स्थित सेतु की पहुँच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	115.10	0.00	115.10	7.76	2725.00	03 माह	ए,बी, (मार्ग कार्य)
4	जनपद बरेली में शीशगढ़ बहेड़ी रूदपुर मार्ग के किमी0 35 पर स्थित सेतु की मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	100.00	0.00	100.00	7.00	2725.00	03 माह	ए,बी (मार्ग कार्य)
5	जनपद बरेली में पनबड़िया बरगवां मार्ग पर किच्छा नदी पर स्थित सेतु की मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	219.00	0.00	219.00	12.95	2725.00	04 माह	ए (मार्ग कार्य)
6	आटामांडा धौरा शाही से गिर्जापुर होते हुए बल्लिया शीशगढ़ (अन्य जिला मार्ग) के कि0मी0 18 में स्थित शाही सेतु के क्षतिग्रस्त पहुँच मार्ग की मरम्मत/सुधार एवं सुरक्षात्मक कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	228.60	0.00	228.60	13.43	2725.00	04 माह	ए (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP – 244056 दिनांक: 16/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड,लो0नि0वि0,बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

दहेज की मांग को लेकर विवाहिता से मारपीट

संवाददाता, नवाबगंज

- पति समेत सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज
- कई दिनों से ससुराली कर रहे थे प्रताड़ित, घर से निकाला

अमृत विचार: दहेज में दो लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर ससुराल पक्ष द्वारा विवाहिता को प्रताड़ित कर घर से निकालने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर थाना नवाबगंज में पति सहित सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

कस्बे के मोहल्ला चाणक्यपुरी निवासी शिवानी का विवाह करीब चार वर्ष पूर्व सतुईया खुर्द गांव निवासी धर्मवीर के साथ हुआ था। दंपती की ढाई वर्ष की एक पुत्री भी है। पीड़िता का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष उस पर दहेज में दो लाख रुपये लाने का दबाव बनाने लगा।

आरोप है कि पिता द्वारा रुपये देने में असमर्थता जताने पर ससुरालियों ने उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। दहेज की मांग पूरी न होने पर पति धर्मवीर, ससुर लेखराज, सास शकुंतला देवी, देवर बब्लू, जेठ इंद्रपाल और ननदें विमलेश व रीना ने उसके साथ मारपीट की और उसे घर से निकाल दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-बरेली।

कार्यालय का पता :-विकास भवन, बरेली।

(ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा)

पत्रांक :-2875 /ग्रा0अ0वि0/निविदा/2025-26/दिनांक :-12.01.2026

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं प्रतिशत दर में श्रेणी ए0/बी0/सी0/डी0 में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यो के लिए निविदा डाल सकता है :-

1. तालिका के अनुसार कार्यों का विवरण :-

क0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे) (जीएसटी सहित)	धरोहर धनराशि (विड सिक्योरिटी) (रूपये मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सम्मिलित करते हुये)
1	2	3	4	5	6	7
01	बरेली	ग्राम तिलियापुर में सगीर पैलेस शादी हाल से जाहिद की दुकान होते हुए असलम ठेकेदार के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य। (वि0नि0- भोजीपुरा)	13.906	27900.00	854.00	03 माह

2ण् आनलाइन निविदा उपलब्धता का दिनांक : 20.01.2026

3ण् आनलाइन निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 19.02.2026 मध्याहन 12.00 वजे तक

4ण् आनलाइन निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 19.02.2026, अपरान्ह 12.30 वजे तक

5ण् अधोहस्ताक्षरी को आई वी टी क्लाज 9 के अनुसार अपरिहार्य परिस्थिति मे निविदा में आनलाइन संशोधन पत्र जारी करने का अधिकार प्राप्त है, जिसे किसी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा ,जिसकी जानकारी आनलाइन प्राप्त की जा सकेगी, अतएव समस्त निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि नियिमित रूप से निविदा पोर्टल पर जानकारी प्राप्त करते रहें।

अधिक जानकारी के लिये https://etender.up.nic.in लागिन करें एवं विड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड करें।

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड-बरेली।
राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से

UP – 244101 दिनांक: 16/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार

रविवार, 18 जनवरी 2026

यतो यतो निश्चलति
मनश्चञ्चलमस्थिरम्।
ततस्ततो नियम्यैतदात्मन्येव
वशं नयेत्।।

मन अपनी चंचलता तथा अस्थिरता के कारण
जहां कहीं भी विचरण करता हो, मनुष्य को चाहिए
कि उसे वहां से खींचे और अपने वश में लाए।
–श्रीमद्भगवद्गीता

'मनरेगा' और 'विकसित भारत जी राम जी'

कांग्रेस 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान चला रही है। देश में कांग्रेस बीते 11 वर्षों से सत्ताहीन है। अच्छी बात है कि कांग्रेस ने केंद्र का विरोध करने के लिए सड़क पर आने का निर्णय लिया है। रोजगार योजनाएं गरीबों की आय बढ़ाने की दृष्टि से चलाई गई हैं। कोई भी व्यवस्था जड़ नहीं होती। देश काल की गति में जीर्ण शीर्ण और पुराना विस्थापित होता है। नया उसकी जगह लेता रहता है। भाजपा ने कांग्रेस को विस्थापित किया। वह पुरानी होने के साथ-साथ ध्येयनिष्ठ भी नहीं रही। जन समर्थन घटा। भाजपा ने कांग्रेस को विस्थापित कर दिया। कांग्रेस मनरेगा को लेकर अपना रोना रो रही है। मनरेगा में कानूनी तौर पर रोजगार पाने की गारंटी थी, लेकिन प्रमुख विपक्षी दल होने के बावजूद वह नए वी. बी. जी राम जी एक्ट का विरोध कर रही है। देखना यह चाहिए कि राजग सरकार द्वारा लाए गए नए अधिनियम की अच्छाइयां बुराइयां क्या हैं? आइए नए अधिनियम वी.बी. जी राम जी की खास विशेषताएं जान लें।

> भारत की मिट्टी में उपजाऊ शक्ति ज्यादा है। कृषि कार्य में गरीब परिवार जुटे रहते हैं। सभी सदस्य काम करते हैं, तब किसी प्रकार गरीब परिवार चलता है। बुवाई और फसल कटाई के समय के दौरान 60 दिन का अवकाश रखा गया है। इससे लाभ यह होगा कि कृषि कार्यों के लिए भी श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित रहेगी। ग्राम सभाएं बुनियादी लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। ग्राम स्वराज गांधी जी का स्वप्न था। भारत की संविधान सभा में ग्राम पंचायत के गठन पर लंबी बहस हुई थी।

इस अधिनियम द्वारा ग्रामीण परिवारों के लिए कानूनी रूप से गारंटीकृत कार्य दिवसों को 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन प्रतिवर्ष कर दिया गया है। अभी तक लागू कानून में मजदूरी देने की कोई सुनिश्चित अवधि नहीं थी, लेकिन नए अधिनियम में 15 दिन के भीतर मजदूरी का भुगतान जरूरी बताया गया है। ऐसा न किए जाने पर मजदूरों को पांच प्रतिशत की दर से प्रतिदिन ब्याज मिलेगा। रोजगार प्राप्त करने के 15 दिनों के भीतर काम न मिलने पर भी बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान किया गया है।

भारत में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या लगातार बढ़ी है। ग्रामीण क्षेत्रों का बड़ा हिस्सा मजदूरी के लिए महानगरों की ओर रुख करता है। सड़क के किनारे सोता है। सुबह प्रतीक्षा करता है कि कोई मकान बनाने वाला, दुकान चलाने वाला उसको दिनभर का काम दे दे। गांव में रोजगार के अवसर नहीं हैं। खेत मजदूर की मोलभाव करने की क्षमता नहीं होती है। बड़े-बड़े महानगरों में मजदूर के मार्केट लगते हैं। वहां से लोग कम पैसे में तय करके मजदूर लाते हैं। ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों की व्यथा सिर्फ आंकड़ों से नहीं जानी जा सकती। ताजी 'वी बी राम जी' योजना ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगारों के लिए सुखद आश्वासन है। भारत कृषि प्रधान देश है। कृषि अभी भी घाटे का सौदा है। पीछे लगभग 28 वर्षों से किसानों को किसान क्रेडिट योजना के माध्यम से कृषि कार्य के लिए ऋण किया जाता है। योजना अच्छी है। ऋण लेकर बुवाई आदि के सीजन में खाद पानी देने के लिए पूंजी उपलब्ध कराने की योजना अच्छी है। तमाम योजनाएं अच्छी तो हैं, लेकिन किसानों को उनकी जानकारी नहीं है। गांव में रोजगार के अवसर नहीं हैं। पढ़े-लिखे युवा भी शहर भागते हैं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

रोजगार योजनाओं का इतिहास दिलचस्प है। यह योजना सबसे पहले स्थानीय कठिनाइयों के चलते 1970 में महाराष्ट्र में लागू हुई थी। तब इसे 'महाराष्ट्र रोजगार गारंटी योजना' कहा गया। 1980 में भारत की पहली केन्द्रीयकृत योजना लागू हुई। भ्रष्टाचार के कारण योजना का लाभ नहीं मिला। योजनाओं का धन बिचैलिए मार देते थे। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ आई जवाहर रोजगार योजना। यह भी अपने उद्देश्यों में असफल रही। इसका फिर नाम बदला और इसे 'नरेगा' नाम से जाना गया। फिर 2008 में यह 'मनरेगा' हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की योजनाएं इसी तरह असफल होती गईं।

भारत की मिट्टी में उपजाऊ शक्ति ज्यादा है। कृषि कार्य में गरीब परिवार जुटे रहते हैं। सभी सदस्य काम करते हैं, तब किसी प्रकार गरीब परिवार चलता है। बुवाई और फसल कटाई के समय के दौरान 60 दिन का अवकाश रखा गया है। इससे लाभ यह होगा कि कृषि कार्यों के लिए भी श्रमिकों की उपलब्धता सुनिश्चित रहेगी। ग्राम सभाएं बुनियादी लोकतांत्रिक संस्थाएं हैं। ग्राम स्वराज गांधी जी का स्वप्न था। भारत की संविधान सभा में ग्राम पंचायत के गठन पर लंबी बहस हुई थी। ज्यादातर सदस्यों ने ग्राम पंचायत को स्वायत्तशासी और आत्मनिर्भर बनाने का आग्रह किया था। डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि "ग्राम पंचायतें मेरे विचार से स्थानीय कलह का अड्डा होंगी।" पीछे 10-12 साल में सरकारी स्तर पर ग्राम पंचायतों को विकसित और समृद्ध बनाने की मद पर भारी व्यय हुआ है। निःसंदेह कहीं-कहीं कुछ ग्राम पंचायतों ने बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन तमाम ग्राम सभाओं द्वारा विकास कार्यों की धनराशि को हड़पने का भी काम किया है।

विकसित ग्राम पंचायत योजना का विकास स्थानीय संस्थाओं द्वारा किया जाना है। ये सब करने के लिए समय-समय पर प्रशासनिक खर्च भी आता है। योजनाओं के ठीक से कार्यान्वयन में व्यय होने वाले धन को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दिया गया है। वैसे तो इस योजना का उद्देश्य लोगों को रोजगार देना है। गांव में सरकारी स्तर पर सेवा देने वाले कोई कार्यालय नहीं हैं। उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों में पंचायत भवन बनाए गए हैं। इसके लिए अलग बजट का प्रावधान करना होता है। ऐसी संपत्ति का निर्माण इसी रोजगार अधिनियम के अंतर्गत चार मुख्य क्षेत्र में केन्द्रित किया गया है। रोजगार योजना के धन से ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा। खेत मजदूर पलायन नहीं करेंगे और श्रमिकों को रोजगार मिलेगा और इसी धन से जल संरक्षण जैसे कार्य किए जा सकेंगे। जल आपूर्ति को लेकर अक्सर शिकायतें रहती हैं। उत्तर प्रदेश में अनेक जिले प्रदूषित जल के कारण पेयजल संकट में हैं। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जनपद में बलाई, निबई, टिकरी गणेश, आटा, सुपासी, रामचरामऊ, लखापुर, बंथर, अनूपपुर, खटुहा नौगवा, रिठानई, बण्ड हमीरपुर, सलेथू, गढ़ाकोला, कतहर आदि गांवों में सरकार ने स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की है, लेकिन काम अभी बाकी है।

जल की आवश्यकता को लेकर ही इंदौर में काफी बवाल हुआ है। कांग्रेस ने इंदौर में आंदोलन किया। इन पंक्तियों के प्रेस में जाने तक राहुल गांधी कुछ लोगों के साथ इंदौर में प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'हर घर नल' नामक महत्वाकांक्षी योजना और उसका क्रियान्वयन किया। जल निकासी की योजना भी इसी धन से बनाई जा सकेगी। जरूरत इस बात की है कि वीबी जी राम जी के ठीक से अनुपालन के लिए विकासखंड स्तर पर सक्षम अधिकारियों की टीम गठित की जानी चाहिए। इस टीम को कार्यदायी संस्थाओं का मार्गदर्शन करना चाहिए। साथ में गलती होने पर चेतावनी और दुरुपयोग पर कार्यवाही भी करना चाहिए। वीबी जी राम जी योजना में जल संरक्षण और जल संबंधी अन्य कार्य होंगे। गांव में स्थानीय स्तर पर बुनियादी ढांचा, गांव की सड़क और संपर्क के साधन विकसित करना भी इस योजना का अंग है।

पंचायतीराज संस्थाएं अपना काम ठीक से नहीं कर पा रही हैं। कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर कम हैं। कृषकों के पास कृषि कार्य के लिए जरूरी पूंजी का अभाव रहा। सरकारों ने इस समस्या को चिह्नित कर लिया। त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव, वोट के बदले नोट योजना में फंसे हैं। क्षेत्र पंचायत प्रमुख, जिला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव में करोड़ों रुपए का लेन-देन होता है। बहुत समय से मांग की जा रही है कि पंचायती राज के चुनाव आम मतदाता से कराए जाएं, लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है, जो लाखों करोड़ों रुपये देकर पद पाए हैं या चुनाव जीते हैं, वह उस धनराशि की वसूली भी करते हैं। केंद्र में योजनाओं के क्रियान्वयन की इच्छाशक्ति है। विश्वास है कि योजना सफल होगी।

शिक्षा और सुरक्षा के बीच फंसी छात्राएं

विद्यालय एक ऐसा पवित्र स्थान है, जहां ज्ञान, संस्कार और भविष्य का निर्माण होता है, लेकिन हाल के वर्षों में जिस तरह से शिक्षण संस्थानों से यौन उत्पीड़न, मानसिक शोषण, डर व असुरक्षा की खबरें सामने आ रही हैं, उसने इस धारणा को गहरी चोट पहुंचाई है। सवाल यह नहीं है कि घटनाएं हो रही हैं या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हमारे स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय वास्तव में छात्राओं के लिए सुरक्षित हैं? देश में शिक्षा संस्थानों से जुड़े यौन उत्पीड़न के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि समस्या किसी एक संस्थान या एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है। प्रोफेसरों पर आरोप, प्रबंधन की भूमिका, शिकायतों को दबाने की प्रवृत्ति व पीड़िताओं को चुप कराने का सामाजिक दबाव ये सब मिलकर एक ऐसी संरचना बनाते हैं, जहां अपराध से ज्यादा खतरनाक हो जाता है, उसका छिपाया जाना। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अधिकांश मामलों में पीड़ित सामने आने से डरती हैं। डर-करियर के खत्म हो जाने का, बदनामी का, संस्थान से निकाले जाने का और समाज द्वारा दोषी ठहरा दिए जाने का। यही डर अपराधियों को ताकत देता है और व्यवस्था को मौन रहने का बहाना।

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

कानून अपने स्तर पर मौजूद है। यौन उत्पीड़न से जुड़े नियम, आंतरिक शिकायत समितियां (आईसीसी), विशाखा दिशा-निर्देश और पोश अधिनियम सब कुछ कागजों में है, लेकिन वास्तविकता यह है कि कई संस्थानों में ये समितियां या तो नाममात्र की हैं या फिर प्रबंधन के प्रभाव में काम करती हैं। शिकायतकर्ता को न्याय दिलाने के बजाय मामले को "संस्था की छवि" के नाम पर दबाने की कोशिश की जाती है। यही कारण है कि न्याय की प्रक्रिया पीड़िता के लिए एक और मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। शिक्षण संस्थानों में सत्ता का असंतुलन भी इस समस्या की जड़ में है। शिक्षक, प्रबंधन और प्रशासन के पास मूल्यांकन, नियुक्ति, प्रमोशन और भविष्य तय करने की शक्ति होती है। इस शक्ति का दुरुपयोग जब व्यक्तिगत इच्छाओं के लिए किया जाता है, तो छात्रा या जूनियर स्टाफ खुद को असहाय महसूस करता है। यही असहायता अपराध को जन्म देती है और अपराधी को संरक्षण। एक और गंभीर मुद्दा संवेदनशीलता की कमी है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम और डिग्री तक सीमित हो गई है। नैतिकता, लैंगिक सम्मान और मानवीय मूल्यों की बात भाषणों तक सिमट गई है, जब शिक्षक ही मर्यादा लांघते दिखाई दें, तो छात्रों को समाज से क्या संदेश जाता है? ऐसे में "शिक्षा का मंदिर" कहना एक विडंबना बनकर रह जाता है। राज्य सरकारों और शिक्षा विभागों की जिम्मेदारी यहीं खत्म नहीं होती कि वे आदेश जारी कर दें या हेल्पलाइन नंबर छपवा दें। जरूरत है प्रभावी निगरानी की, नियमित ऑडिट की और स्वतंत्र शिकायत तंत्र की। शिकायत समिति में बाहरी, निष्पक्ष और महिला प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य होनी चाहिए।

दोषी कौन है, यह तय करने की जिम्मेदारी कानून की है, लेकिन सहानुभूति और समर्थन समाज को देना होगा। चुप्पी तटस्थता नहीं, बल्कि अपराध के पक्ष में खड़ा होना है। आज आवश्यकता है भरोसे की, ऐसे भरोसे की, जिसमें छात्रा निडर होकर शिकायत कर सके। शिक्षक अपने आचरण के प्रति जवाबदेह हों और संस्थान अपनी छवि से ज्यादा अपने छात्रों की सुरक्षा को महत्व दें। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि सुरक्षित और संवेदनशील नागरिक तैयार करना भी है। यदि सच में हमें शिक्षा को मंदिर बनाए रखना है, तो पहले उसे डर, शोषण और मौन की संस्कृति से मुक्त करना होगा। कानून मजबूत है, पर उससे ज्यादा मजबूत होना चाहिए संस्थानों का नैतिक साहस, क्योंकि जब शिक्षा असुरक्षित हो जाती है, तो केवल वर्तमान नहीं, पूरा भविष्य खतरे में पड़ जाता है।

दर्द पर मरहम लगाती तकनीक

बचपन से हम लोगों को जीत के लिए ऐसे प्रशिक्षित किया जाता है कि मानो हार एक अजूबा हो। हार जीत के भावों का विक्षोभ हमें वास्तविक आत्मिक सुख से कोसों दूर किए देता है। हार उस समय अधिक पीड़ादायक हो जाती है, जब सामर्थ्य से अधिक प्रयास झोंक दिए गए हो और उन प्रयासों में परीक्षा से पूर्व ही सपनों की मेखलाएं बुन ली गई हों और परिणाम जब आशा के अनुरूप नहीं आता, तो हृदय और मस्तिष्क दर्द के असीम शोक सागर में डूब जाता है। जैसे-जैसे हमारी वंशावलियां ऊर्ध्वाधर गति रही कर रही हैं, संबंधों के मामले में हम उतने ही दरिद्र होते जा रहे हैं। बेहद कष्ट कारक होता है, जब हार को स्वीकारने और सहने के लिए अपने आसपास मौजूद तमाम लोगों में से एक कंधा भी ऐसा न हो, जहां आप खुलकर रो सके, जिसके सहारे उस असीम दर्द को बह जाने दें और मन पर रखा दर्द का पहाड़ आंसुओं की नदी बनकर आगे के प्रयासों के लिए नवीन ऊर्जा दे सके।

बीना नयाल
शिक्षिका

आज हम जीते-जागते चैतन्य मनुष्य की संवेदनहीनता से दुःखी होकर अपना दर्द मशीनों से साझा करने लगे हैं, क्योंकि एआई, चैटजीपीटी जैसे टूल हमारी दर्द भरी भावनाओं पर मरहम लगाने का कार्य मनुष्य से कहीं बेहतर करते प्रतीत हो रहे हैं। कारण स्पष्ट है इंसानों के पास इंसानी तकलीफे, अवसाद और दर्द को समझने के लिए समय, संवेदना और सामर्थ्य का सोता लगातार सूखता जा रहा है और मशीन निरंतर सीखने की प्रक्रिया में भावनाओं को भी आत्मसात करती जा रही है, जिसका परिणाम कई बार ऐसा होता है कि टूटा हुआ और हारा हुआ दिल मशीन से कहता है तुम बहुत अच्छे दोस्त हो और प्रत्युत्तर में मशीन कहती है शुक्रिया दोस्त, मुझे खुशी है कि मैं तुम्हारी भावनाओं के उतार-चढ़ाव को कुछ हद तक संतुलित कर पाया। आगे भी तुम मुझसे इसी प्रकार मदद ले सकते हो। अगर मानवीय संबंधों में संवेदनशीलता का सोता सूखता गया और मशीन पर निर्भरता बढ़ती गयी तब इंसानों और रिश्तो की क्या अहमियत रह जाएगी।

इसी संदर्भ में आदिवासी बच्चों की कहानी है- उबंटू, जिसमें आदिवासी खेलते हुए बच्चों के पास एक बाहरी व्यक्ति आया, उसके पास फलों से भरा एक टोकरा था। उसने बच्चों से कहा, जो बच्चा दौड़ प्रतिस्पर्धा में सबसे पहले पेड़ को छुकर वापस आएगा, टोकरी के सारे फल उसी को मिल जाएंगे। बच्चे समझदारी से एक दूसरे का हाथ पकड़ कर भागते हैं और एक साथ एक समय में पेड़ को छूते हैं और एक साथ वापस सुनिश्चित बिंदु पर आ जाते हैं।

इस प्रकार सभी बच्चे विजेता बन जाते हैं। व्यक्ति आश्चर्यचकित होकर बच्चों से पूछता है, जब एक बच्चे को पूरा टोकरा मिल सकता था, तो सभी एक साथ क्यों भागे। बच्चे बोले हमने प्रकृति से सहकारिता और साझेदारी का भाव सीखा है। जहां न हार है और न जीत है बस तादात्म्यता और संतुलन है। इस कहानी से सीख मिलती है कि संसार में हम रेस का घोड़ा नहीं, बल्कि आनंद और सीखने के साथ संबंधों को जीने और समायोजन का हुनर सीखने आए हैं।

धर्म की सीमाओं से परे संवाद की भूमि यूपी

धर्म केवल आस्था की परिधि में बंधा विषय नहीं, अपितु यह जीवन जीने, समझने की एक व्यापक दृष्टि है। धर्म मनुष्य को अध्यात्म, नैतिकता और दिव्य ऊर्जा से जोड़ते हुए करुणा, सह-अस्तित्व व संतुलन का मार्ग प्रशस्त करता है। वहीं, कुछ लोग धर्म से परे रहकर भी जीवन की सार्थकता तलाशते हैं। यही वैचारिक विविधता मानव समाज की सबसे बड़ी शक्ति है।

विभिन्न धर्मों के सिद्धांतों और मूल्यों को समझना हमें 'विविधता में एकता' के उस सूक्ष्म किंतु सशक्त सूत्र से जोड़ता है, जो पूरी मानवता को एक साझा चेतना में पिरोता है। इसी भावना के साथ हर वर्ष जनवरी माह के तीसरे रविवार को 'विश्व धर्म दिवस' (वर्ल्ड रिलिजन डे) मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य वर्ष में एक दिन सभी धर्मों को एक साथ मनाना तथा उनकी समान रूप से सम्मान करना है।

> उत्तर प्रदेश भारतीय धार्मिक आत्मा का जीवंत स्वरूप है। काशी में जहां वैदिक मंत्रों की अनवरत गूंज सुनाई देती है, वहीं अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों से जीवन को दिशा देती है। मथुरा-वृंदावन में कृष्ण-भक्ति की धारा बहती है, तो बुद्ध की ज्ञान-स्थली सारनाथ अहिंसा का मार्ग दिखाती है।

विश्व धर्म दिवस विशेष

भारत जैसे बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक राष्ट्र में विश्व धर्म दिवस केवल एक तिथि तक सीमित न रहकर सहिष्णुता और परस्पर सम्मान की उस प्राचीन परंपरा का स्मरण है, जिसने देश की आत्मा को गढ़ा है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के लिए जो सदियों से धर्म, दर्शन, भक्ति आंदोलन और सांस्कृतिक संवाद की भूमि रहा है, यह दिवस आत्मचिंतन और संभावनाओं का भी है। यहां पर्यटन यात्रा का माध्यम ही नहीं, बल्कि विचारों और संस्कृतियों को जोड़ने वाला सेतु बनकर उभरा है।

जयवीर सिंह
पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री,
उ.प्र. सरकार

उत्तर प्रदेश भारतीय धार्मिक आत्मा का जीवंत स्वरूप है। काशी में जहां वैदिक मंत्रों की अनवरत गूंज सुनाई देती है, वहीं अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों से जीवन को दिशा देती है। मथुरा-वृंदावन में कृष्ण-भक्ति की धारा बहती है, तो बुद्ध की ज्ञान-स्थली सारनाथ अहिंसा का मार्ग दिखाती है। सूफी परंपरा से जुड़े स्थल प्रेम का संदेश देते हैं, तो जैन, बौद्ध, सिख, इस्लाम और ईसाई परंपराओं की उपस्थिति उत्तर प्रदेश को देश ही नहीं, दुनिया का अनूठा धार्मिक-सांस्कृतिक केंद्र बनाती है। यूपी के परिप्रेक्ष्य में विश्व धर्म दिवस इस तथ्य को भी रेखांकित करता है कि विभिन्न आस्थाएं टकराव नहीं, अपितु संवाद और समन्वय का माध्यम बन सकती हैं।

धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन आज उत्तर प्रदेश की पर्यटन अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है। रामायण, कृष्ण, बौद्ध, सूफी और जैन जैसे बहुधार्मिक पर्यटन सर्किटों का समन्वित विकास प्रदेश को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिला रहा है। विश्व धर्म दिवस जैसे अवसर अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों, शोधकर्ताओं और सांस्कृतिक जिज्ञासुओं को आकर्षित करने की अपार क्षमता रखते हैं। धर्म-संवाद सम्मेलनों, सांस्कृतिक उत्सवों और हेरिटेज वॉक जैसे आयोजनों के माध्यम से पर्यटन दर्शन से आगे बढ़कर अनुभवात्मक यात्रा का रूप लेता है। इसका सीधा लाभ स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलता है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के कारण होटल उद्योग, हस्तशिल्प, लोक कलाएं, गाइड सेवाएं और स्थानीय उत्पादों की मांग बढ़ती है। इससे न केवल रोजगार सृजन होता है, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता और सौहार्द की वैश्विक छवि भी सुदृढ़ होती है।

उत्तर प्रदेश सरकार 'वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी' के लक्ष्य की ओर तीव्र गति से अग्रसर है। इस भगीरथ प्रयास में पर्यटन विभाग की भूमिका निरंतर सशक्त होती जा रही है। प्रदेश की आस्था, अध्यात्म और सांस्कृतिक विविधता को आर्थिक विकास से जोड़ने का कार्य पर्यटन ने प्रभावी ढंग से किया है। ऐसे में विश्व धर्म दिवस यह रेखांकित करता है कि राम, कृष्ण, बुद्ध, सूफी और जैन परंपराओं की साझा चेतना न केवल सामाजिक समरसता का संदेश देती है, बल्कि विकास की यात्रा की सहभागी भी बनती है।

विश्व धर्म दिवस 2026, उत्तर प्रदेश को यह अवसर प्रदान करता है कि वह अपनी बहुधार्मिक विरासत को गर्व और आत्मविश्वास के साथ विश्व पटल पर प्रस्तुत करे। यह वही धरती है, जहां आस्था संवाद बनती है, धर्म पर्यटन का मार्ग प्रशस्त करता है और विश्वास विकास के साझेदार बनते हैं। जब धर्म को विभाजन की रेखा नहीं, संयोजन का सेतु माना जाता है, तब उत्तर प्रदेश विश्व को यह संदेश देता है कि 'विविधता में एकता' यहां केवल दर्शन नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही जीवंत परंपरा और पहचान है। यही विश्व धर्म दिवस का मूल भाव भी है।

जीवन की उपयोगिता

चित्रकार अपने मन-मस्तिष्क में कोई चित्र बनाने की परिकल्पना पहले करता है और फिर उसे मूर्त रूप देने का काम करता है। वह पूरी एकाग्रता से चित्र बनाने के उपकरणों का प्रयोग करता है। केवल चित्रकार ही नहीं, बल्कि कोई वैज्ञानिक भी जब किसी अनुसंधान के काम में लगता है तब वह एक निश्चित लक्ष्य निर्धारित करता है। उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए तद्नुसार कार्य करता है। यह तो किसी वैज्ञानिक अनुसंधान की बात हो गई। सामान्यतया विकास के कार्यों के लिए पुल, पुलिया, सड़क, डैम या भवन आदि बनाने की कोई योजना बनती है, तब पहले उसका प्राकलन (प्रोजेक्ट) बनाया जाता है। इसमें विशेषज्ञ अधिकारी कार्यस्थल का सूक्ष्मता से अध्ययन करते हैं। उसके बाद कार्य में लगने वाली वस्तुओं, श्रम तथा संभावित लागत मूल्य का भी लेखा-जोखा निर्धारित करते हैं। इस संपूर्ण प्रक्रिया को डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) कहा जाता है।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

इन उद्धरणों से स्पष्ट होता है कि किसी भौतिक कार्य के लिए जब इतने गहराई से कार्य किया जाता है तब इंसान को भी अपनी जिंदगी को बंदगीपूर्ण बनाने के लिए सजगतापूर्ण योजना बनानी चाहिए। इसके लिए उसे मन और मस्तिष्क में सर्वप्रथम संतुलन बनाना चाहिए एवं उस पर दृढ़ इच्छाशक्ति के अनुसार यह योजना बनानी चाहिए कि उसका लक्ष्य क्या है और वह समाज के लिए किस तरह उपयोगी हो सकता है, क्योंकि जैसे भौतिक वस्तुओं की उपयोगिता होती है और इन वस्तुओं की उपयोगिता खत्म होने के बाद उसे निष्प्रयोज्य कर दिया जाता है। इसी तरह इंसान समाज के लिए कितना उपयोगी है, ऐसा उसे खुद साबित करना होगा।

इसके लिए ऐसा नहीं कि किसी की उपलब्धि देखकर झटपट उसी तरह बनने के लिए व्यग्र होने लग जाना चाहिए। किसी सफल व्यक्ति की उपलब्धियों में उसे कितनी परेशानियों का सामना करना पड़ा, इसका भी पता लगाना चाहिए। ऐसी स्थिति में विपरीत स्थितियों से जूझने का सामर्थ्य प्राप्त होता है। बिना संघर्ष के मिली सफलता की अवधि कम हो सकती है, जबकि विपरीत हालात से दो-चार हाथ करते मिली सफलता स्थाई होती है।

जीवन जीने की कला सिखाती है श्रीमद्भगवद्गीता

श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, अपितु जीवन को सही दिशा देने वाला एक अद्वितीय जीवन-दर्शन परक ग्रंथ है। यह महाभारत के कुरुक्षेत्र के भीषण युद्धक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के संवाद के रूप में प्रस्तुत हुआ, किंतु इसका संदेश केवल युद्ध तक सीमित न होकर संपूर्ण मानव जीवन के लिए मार्गदर्शक के रूप में है। गीता मनुष्य को यह सिखाती है कि जीवन की कला क्या है, जीवन का उद्देश्य क्या है, जीवन को कैसे जीया जाए, कैसा आचरण किया जाए, कैसा आहार सेवन किया जाए और जीवन को किस प्रकार सार्थक बनाया जाए। गीता में ही कर्मयोग, ज्ञान योग, भक्ति योग का विशद वर्णन प्राप्त होता है। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन, न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते, श्रद्धावान् लभते ज्ञानम् ये तीनों प्रमुख उक्तियां मानव जीवन को उन्नत, आध्यात्मिक तथा कर्म-ज्ञान-भक्ति की उन्मुख बना सकती हैं। गीता का प्रथम और सबसे महत्वपूर्ण उपदेश कर्मयोग ही है। श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदिष्ट करते हुए कहते हैं कि मनुष्य का अधिकार केवल कर्म करने में है फल में नहीं। यह उत्कृष्ट सिद्धांत जीवन में अवसाद, तनाव, भय और निराशा से मुक्त रहने की कला सिखाता है। इसी सिद्धांत को अंतर्मन से आचरण कर लेने पर व्यक्ति समस्त दुर्गुण, दोषों, शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक बीमारियों से मुक्त होकर परम आनंद एवं परम वैभव को प्राप्त हो जाता है, जिससे अवसाद, चिंता, तनाव, भय, निराशा तथा नकारात्मक दृष्टिकोण समूल नष्ट हो जाते हैं, जब व्यक्ति स्वभावानुकूल कर्म को ही पूजा मानकर करता है यो तब उसका जीवन सहज, संतुलित और आनंदमय बन जाता है। गीता जीवन में समत्व भाव की शिक्षा देती है। आज के भागदौड़ भरे और प्रतिस्पर्धात्मक युग में यह शिक्षा अत्यंत प्रासंगिक है, क्योंकि असंतुलन ही मानसिक अशांति का प्रमुख कारण बन गया है।

श्रीमद्भगवद्गीता में ज्ञानयोग के माध्यम से आत्मज्ञान पर बल दिया गया है। "मैं कौन हूं?"- इस प्रश्न का उत्तर खोजने की प्रेरणा गीता देती है। जब मनुष्य शरीर, पद और धन से ऊपर उठकर आत्मा को पहचानता है, तब वह जीवन को गहराई से समझ पाता है। यही आत्मबोध जीवन की सच्ची कला है। गीता भक्तियोग द्वारा प्रेम, करुणा, दया, श्रद्धा और समर्पण का मार्ग भी दिखाती है। ईश्वर के प्रति निष्काम भक्ति मन को पवित्र करती है और अहंकार को समाप्त करती है। यही भक्ति कर्मयोग में भी अपेक्षित मानी गई है, क्योंकि कर्म में समर्पण होना ही भक्ति है। जब मनुष्य अपने कार्यों को ईश्वर को समर्पित कर देता है, तब जीवन बोझ नहीं, बल्कि साधना बन जाता है।

आज के युग में जहां तनाव, अवसाद, कर्तव्यकर्म के प्रति उदासीनता और नैतिक पतन बढ़ रहा है, भ्रष्टाचरण प्रबल हो रहा है। दूसरे का हक मारकर भ्रष्टाचार करके केवल अपनी धन-संपत्ति अर्जित करने की होड़ मची है। इन सभी संदर्भों में श्रीमद्भगवद्गीता जीवन जीने की कला का व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करती है, वह उपदेशित करती है आखिर क्यों ऐसा अनैतिक/भ्रष्टाचरण किया जा रहा है और इसके परिणाम क्या होंगे। गीता हमें सिखाती है कि कैसे कर्तव्यनिष्ठ रहकर, विवेक से निर्णय लेकर और आत्मसंयम के साथ जीवन जिया जाए। गीता की समझ एवं ज्ञानाभाव में कुछ लोग इसको धर्म विशेष का ग्रंथ मानकर इसके अध्ययन तथा आचरण से परहेज करते हुए दिखाई देते हैं, जबकि सत्यता यह है कि श्रीमद्भगवद्गीता में कहीं पर भी किसी भी श्लोक में संप्रदाय विशेष धर्म का वर्णन नहीं किया गया है। भगवान श्रीकृष्ण, अर्जुनादि अवश्य ही सनातन हिन्दू धर्म से संबद्ध हैं, लेकिन गीता में उनका संवाद एवं प्रदत्त शिक्षा सार्वभौमिक, सार्वकालिक, सार्वजनीन हैं और रहेंगी, इन्हीं शिक्षा/ विचारों के माध्यम से भारत को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र की ओर ले जाया जा सकता है और धार्मिक कुरीतियों से मुक्त किया जा सकता है। गीता के महत्व को अनुभव करते हुए ही उत्तराखंड सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों में छात्रों को श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का परायण एवं उनके भावार्थ को बताया जाना अनिवार्य कर दिया गया है और विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान गीता के श्लोकों का वाचन कराया जा रहा है। भारत के पूर्व राष्ट्रपति,भारत रत्न, महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने भी गीता के महत्व को वर्णित किया था और वे कहते थे कि मैं श्रीमद्भगवद्गीता के प्रतिदिन दो श्लोकों का स्वाध्याय करता हूं। वह मेरे लिए दिन नहीं होता है, जिस दिन में गीता का स्वाध्याय नहीं कर पाता हूं। अतः निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि श्रीमद्भगवद्गीता प्रत्येक व्यक्ति के लिए जीवन का शाश्वत एवं सार्वकालिक मार्गदर्शक ग्रंथ है चाहे वह किसी धर्म-संप्रदाय से युक्त हो।

डॉ. हेमंत कुमार जोशी
नैनीताल

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

न्यूज ब्रीफ

यतींद्र मिश्र को कन्हैया लाल सेठिया पुरस्कार

जयपुर। कवि, संपादक और संगीत अध्येता यतींद्र मिश्र को यहां 19वें जयपुर साहित्य उत्सव (जेएलएफ) में 11वें महाकवि कन्हैया लाल सेठिया पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जेएलएफ के आयोजक एवं टीमवर्क आर्ट्स के संजय के. रॉय ने यहां एक सत्र में यतींद्र मिश्र को सर्वसम्मति से इस पुरस्कार के लिए चुने जाने की घोषणा की। इसके बाद इस्कॉन से जुड़े गौर गोपाल दास ने उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया। यतींद्र मिश्र को उनके काव्य संग्रह बिना कलिंग विजय के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

8.77 किलो गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक से आए दो भारतीय यात्रियों के पास से 8.77 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। मामले में दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने एक बयान में कहा कि दोनों यात्री 14 जनवरी को हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर पहुंचे और मौके पर ही संदेह के आधार पर उन्हें रोका गया। यात्रियों कीजांच के दौरान एक गहरे नीले रंग के ट्रॉली बैग में पॉलीथीन की नौ पुड़िया मिली, जिनमें हरे रंग का मादक पदार्थ था, जिसके गांजा होने का संदेह है।

राष्ट्रपति भवन 21 से 29 जनवरी तक बंद रहेगा

नई दिल्ली। आगामी गणतंत्र दिवस और बीटिंग द रिट्रीट समारोह के मद्देनजर राष्ट्रपति भवन 21 से 29 जनवरी तक आम लोगों के लिए बंद रहेगा। राष्ट्रपति सचिवालय ने शनिवार को यहां एक वक्तव्य जारी कर कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह और उससे जुड़े कार्यक्रमों की रिहर्सल के चलते राष्ट्रपति भवन 21 से 29 जनवरी तक आम लोगों के लिए बंद रहेगा।

विंग्स इंडिया में सूर्य किरण टीम का करतब

नई दिल्ली। भारतीय विमानन क्षेत्र की ताकत दिखाने वाले सालाना आयोजन विंग्स इंडिया 2026 में वायु सेना की सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम भी अपने करतब दिखाएगी। विंग्स इंडिया नागर विमानन क्षेत्र में एशिया का सबसे बड़ा आयोजन है। इस साल आयोजन हैदराबाद के बेगमपेट हवाई अड्डे पर 28 से 31 जनवरी तक किया जा रहा है।

ममता प. बंगाल को बनाना चाहती हैं बांग्लादेश

एसआईआर रोकने तथा बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों को बचाने के लिए हिंसा भड़काने का भाजपा ने लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति की 1905 के बंग भंग से तुलना करते हुए भाजपा ने शनिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एसआईआर को रोकने तथा बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बचाने के लिए हिंसा भड़काकर राज्य को भारत से अलग करने की कोशिश कर रही हैं। पार्टी ने राज्य की जनता से जागृत होकर इसके विरुद्ध एकजुट होने का आह्वान किया। ब्रिटिश ने 1905 में बंगाल का विभाजन करने का प्रयास किया था जिसे बंग भंग के नाम से जाना जाता है।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय में कहा कि एक हैं तो सेफ हैं। कुछ समूहों को खुश करने के लिए अंग्रेजों ने बंगाल को विभाजित करने की कोशिश की थी। उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के तहत पश्चिम बंगाल में भी ऐसी ही स्थिति है।

● 1905 के बंग भंग से तुलना करते हुए भाजपा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का किया घेराव

उन्होंने मुख्यमंत्री पर पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश में बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए, कभी-कभी तो ऐसा लगता है मानो बंगाल भारत का एक अलग हिस्सा हो। क्या बंगाल भारत से दूर है? क्या बंगाल अब भी भारत का हिस्सा है? भाजपा सांसद ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने जिस तरह की शासन प्रणाली स्थापित की है उसने राज्य में आज ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जो 1905 में अंग्रेजों द्वारा बंगाल को विभाजित करने के नापाक प्रयास बंग भंग के समान है। अंग्रेज भी कुछ समूहों को प्रसन्न करना चाहते थे और इसलिए उन्होंने बंगाल को दो भागों में बांटना चाहा था।

हिंसा से एसआईआर को रोकने की हो रही कोशिश

पात्रा ने आरोप लगाया कि बनर्जी बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों को बचाने के लिए ''हिंसा के माध्यम से'' पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को असंवैधानिक तरीके से रोकने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद में इस समय हिंसा हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग 12 अवरुद्ध है और सभी रेल सेवाएं निलंबित हैं। ट्रेन जलाई जा रही हैं और ममता बनर्जी इसे अल्पसंख्यकों के गुस्से के कारण हो रही हिंसा बताकर उचित ठहरा रही हैं। अभिषेक बनर्जी का कहना है कि जब मतदाता सूची से नाम हटाए जाएंगे तभी विरोध प्रदर्शन होंगे। वहां चुनाव अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं। वे आत्महत्या कर रहे हैं, टीएमसी के दबाव के आगे घुटने टेक रहे हैं।

ममता सरकार संवैधानिक प्रक्रियाओं पर कर रही हमला

पात्रा ने आरोप लगाया कि बनर्जी और उनकी सरकार पश्चिम बंगाल समेत देश की सभी संवैधानिक प्रक्रियाओं पर हमला कर रही हैं। सीमा पर 72 संवेदनशील स्थल हैं जहां से बांग्लादेशी घुसपैठ कर रहे हैं। पत्र लिखे जाते हैं और बीएसएफ बार-बार बैठकें करती है, लेकिन ममता इन 72 बिंदुओं पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराती हैं। पात्रा ने कहा कि अवैध घुसपैठ से कई जिलों की जनसांख्यिकी में बदलाव आया है। यह इसलिए है कि क्योंकि उनकी मंशा बंग भंग के माध्यम से पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश में बदलना है। पात्रा ने बनर्जी पर तुष्टीकरण की राजनीति की नींव पर बंगाल को विभाजित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। पात्रा ने पश्चिम बंगाल की जनता से इस तरह के कदम के खिलाफ जागने और एकजुट होने का आह्वान भी किया।

पंजाबी गायक बी प्राक को मिली धमकी, 10 करोड़ मांगी रंगदारी

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाबी गायक दिलनूर ने मोहाली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि उन्हें एक कॉल मिली थी, जिसमें पॉपुलर सिंगर बी. प्राक को धमकी दी गई और उनसे 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई। शिकायत के अनुसार, कॉल करने वाले ने खुद को आरजू बिश्नोई बताया, जो कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़ा हुआ है। आरजू ने दिलनूर से कहा कि वह बी. प्राक को एक सप्ताह के भीतर 10 करोड़ रुपये देने के लिए कहें और मांग पूरी न होने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। दिलनूर, बी प्राक से जुड़े हैं।

दिलनूर को पांच जनवरी को एक अंतर्राष्ट्रीय नंबर से दो मिस्ड कॉल आए थे। बाद में उन्हें एक वॉयस मैसेज प्राप्त हुआ। असत्यापित ऑडियो संदेश में फोन करने वाले को यह कहते हुए सुना गया, आरजू बिश्नोई बोल रहा हूं। बी. प्राक तक संदेश पहुंचा दो कि हमें 10 करोड़ रुपये चाहिए। तुम्हारे पास एक हफ्ते का समय है।

● गायक दिलनूर ने दर्ज कराई मोहाली पुलिस थाने में शिकायत

वह किसी भी देश में चला जाए, अगर उससे जुड़ा कोई भी व्यक्ति मिला तो हम उसे नुकसान पहुंचाएंगे। इसे फर्जी कॉल न समझे। अगर वह सहयोग करता है तो ठीक है, नहीं तो बता देना कि हम उसे मिट्टी में मिला देंगे। यह शिकायत मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पास दर्ज कराई गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

भारत ने ब्रिक्स के कथित नौसैनिक अभ्यास को नकारा

नई दिल्ली। तथाकथित ब्रिक्स नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा नहीं लेने की रिपोर्टों पर भारत ने स्पष्ट किया है कि वह इसमें इसलिए शामिल नहीं हुआ क्योंकि यह पूरी तरह से दक्षिण अफ्रीका की एक पहल है और ब्रिक्स की संस्थागत गतिविधि का हिस्सा नहीं है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत की तथाकथित 'ब्रिक्स नौसैनिक अभ्यास' में भागीदारी नहीं होने के बारे में मीडिया में पूछे गए प्रश्नों के जवाब में शनिवार को यहां कहा, जिस अभ्यास का उल्लेख किया जा रहा है, वह पूरी तरह से दक्षिण अफ्रीका की एक पहल थी, जिसमें कुछ ब्रिक्स सदस्य देशों ने भाग लिया। यह न तो कोई नियमित था और न ही कोई संस्थागत ब्रिक्स गतिविधि थी, और न ही सभी ब्रिक्स सदस्य देशों ने इसमें भाग लिया। भारत ने अतीत में भी ऐसे किसी अभ्यास में भाग नहीं लिया है।

लोग दूषित पेयजल से मर रहे ये है सरकार का शहरी मॉडल

इंदौर (मध्यप्रदेश), एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पेयजल के प्रकोप से कई लोगों की मौत होने को लेकर सरकार पर हमला करते हुए शनिवार को कहा कि देश के सबसे स्वच्छ शहर में लोग दूषित पानी पीकर मर रहे हैं और यह पेयजल त्रासदी सरकार की नाकामी का परिणाम है।

गांधी ने भागीरथपुरा में दूषित पेयजल के प्रकोप से निजी अस्पताल में भर्ती चार मरीजों से मिलकर उनका हाल पूछा और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बाद में भागीरथपुरा पहुंचे और उल्टी-दस्त के प्रकोप से मारे गए लोगों के परिवारों से मिले, उनके प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। गांधी ने कहा कि यह कहा जाता था कि देश को स्मार्ट शहर दिए जाएंगे। इंदौर एक नये मॉडल का स्मार्ट शहर है जिसमें पीने का साफ पानी तक नहीं है। लोगों को डराया जा रहा है।

दूषित पेयजल के कारण मृत हुए लोगों के परिजनों से बात करते राहुल गांधी।

भेदभाव विरोधी कानून जरूरी

नई दिल्ली। दलित छात्र रोहित वेमुला की मौत के दस साल पूरे होने पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति के युवाओं की स्थिति में बदलाव नहीं आया है और देश में भेदभाव विरोधी कानून की जरूरत है। हैदराबाद विवि के छात्र रोहित ने उत्पीड़न के बाद 17 जनवरी 2016 को खुदकुशी कर ली थी। राहुल ने कहा कि रोहित पढ़ना चाहता था।

सीजेआई करें संविधान और लोकतंत्र की रक्षा

जलपाईगुड़ी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत से देश के संविधान, लोकतंत्र और न्यायपालिका की रक्षा करने का शनिवार को आग्रह किया। कलकत्ता उच्च न्यायालय की जलपाईगुड़ी सर्किट बेंच के भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में बनर्जी ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत से देश के लोगों को एजेंसियों द्वारा गलत तरीके से निशाना बनाये जाने से बचाने का भी आह्वान किया। बिना विस्तृत जानकारी दिए उन्होंने कहा कि कृपया देश के संविधान, लोकतंत्र, न्यायपालिका, इतिहास और भूगोल को विनाश से बचाएं। बनर्जी ने कहा कि प्रधान न्यायाधीश हमारे संविधान के संरक्षक हैं, हम आपके कानूनी संरक्षण में हैं। कृपया जनता की रक्षा करें। न्यायमूर्ति सूर्यकांत भी कार्यक्रम में मौजूद थे। बनर्जी ने कहा कि आजकल मामलों के निपटारे से पहले ही मीडिया ट्रायल का चलन है, इसे भी रोकना होगा।

भाजपा 29 नगर निकायों में 1,425 सीटें जीतकर बनी सबसे बड़ी पार्टी

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों में भाजपा 2,869 सीटों में से 1,425 सीटें जीतकर मुंबई और पुणे सहित 12 से अधिक महानगरपालिकाओं में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी तथा उसने ठाकरे और पवार परिवारों के गढ़ों में सेंध लगाई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 227 सदस्यीय बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में 89 सीटें जीतकर देश के सबसे धनी नगर निकाय में ठाकरे परिवार का तीन दशक पुराना वर्चस्व समाप्त कर दिया।

भाजपा के सहयोगी दल शिवसेना ने बीएमसी में 29 सीटें अपने नाम कीं जबकि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) को 65 और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को छह सीटें मिलीं। वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को 24 सीटें, एआईएमआईएम को आठ, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को तीन, समाजवादी पार्टी को दो और राकांपा (शप) को सिर्फ एक सीट मिली।

● महाराष्ट्र स्थानीय चुनाव : ठाकरे और पवार परिवारों के सियासी गढ़ों में लगाई बड़ी सेंध

भाजपा नवी मुंबई में 65, कल्याण-डोंबिवली में 50, मीरा-भायंदर में 78, नासिक में 72, पनवेल में 55, पुणे में 119, पिंपरी-चिंचवड़ में 84, सोलापुर में 87, छत्रपति संभाजीनगर में 57, नांदेड़ में 45 और नागपुर में 102 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पुणे में भाजपा ने पवार परिवार को चौंकाते हुए 119 सीटें जीतीं, जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा 27 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसकी सहयोगी राकांपा (शप) को तीन सीटें मिलीं। कांग्रेस को 15 सीटें ही मिल पाईं। नागपुर में 151 सदस्यीय महानगरपालिका में भाजपा का दबदबा रहा और उसे 102 सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस को मात्र 34 सीटें ही प्राप्त हुईं। नासिक में भाजपा को 72 सीटें, शिवसेना को 26, शिवसेना (उबाठा) को 15, कांग्रेस को तीन और राकांपा को चार सीटें मिलीं। छत्रपति संभाजीनगर में भी भाजपा की जीत का सिलसिला जारी रहा, जहां उसने 57 सीटें जीतीं।

उसके बाद शिवसेना ने 13 और कांग्रेस ने एक सीट जीती, जबकि राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) में पंजीकृत अन्य पार्टियों विशेष रूप से एआईएमआईएम, ने 33 सीटें हासिल कीं। कांग्रेस को भिवंडी में 30 सीटें, चंद्रपुर में 27 और लातूर में 43 सीटें हासिल कर महत्वपूर्ण जीत हासिल की। अंतिम मतगणना के अनुसार, 29 महानगरपालिकाओं में कुल 2,869 सीटों में से भाजपा ने 1,425 सीटें, शिवसेना ने 399 सीटें हासिल कीं।

आदिवासी संस्कृति की झलक...

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में शनिवार को बस्तर पांडम उत्सव के दौरान आदिवासी नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार। यह आयोजन बस्तर की जनजातीय कला, संस्कृति, लोकपरंपराओं और विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उत्सव 10 जनवरी से 6 फरवरी तक तीन चरणों में संपन्न होगा।

कांग्रेस विधायक को यौन उत्पीड़न में बेल से इन्कार

पथनमथिट्टा (केरल)। केरल की अदालत ने निष्कासित कांग्रेस विधायक राहुल ममकूटाथिल को उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के तीसरे मामले में जमानत देने से शनिवार को इन्कार कर दिया। उन्हें पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था। तिरुवल्ला के न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट न्यायालय के विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। केरल हाईकोर्ट और तिरुवनंतपुरम की सत्र अदालत ने इससे पहले दो अलग-अलग महिलाओं की शिकायतों पर दर्ज किए गए यौन उत्पीड़न के पहले दो मामलों में विधायक को गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की थी। पलक्कड़ के विधायक ममकूटाथिल के खिलाफ यौन उत्पीड़न का तीसरा मामला दर्ज किया गया। कोट्टायम जिले की एक महिला द्वारा 8 जनवरी को दर्ज कराई गई शिकायत के बाद विधायक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

बंगाल में फिर तनाव, सड़क-रेल मार्ग ठप

● मजदूर की मौत को लेकर दूसरे दिन भी मुर्शिदाबाद में आंदोलन

● कुछ स्थानों पर पुलिस ने भीड़ हटाने को किया लाठीचार्ज

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को एक बार फिर तनाव फैल गया। प्रदर्शनकारियों ने बेलडांगा में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-12 और रेलवे पटरियों को अवरुद्ध कर दिया। पुलिस के अनुसार, यह घटना एक प्रवासी मजदूर की मौत को लेकर हुए आंदोलनों के कारण राज्य के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों के बीच सड़क और रेल संपर्क कई घंटों तक बाधित रहने के एक दिन बाद हुई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि बेलडांगा के बरुआ मोड़ के निकट राजमार्ग पर सैकड़ों स्थानीय लोग इकट्ठे हो गए, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-12 पर यातायात ठप हो गया और फंसे हुए वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शनकारियों ने एक रेलवे गेट को भी नुकसान पहुंचाया और ट्रेन सेवाओं को बाधित करने का प्रयास किया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठी-चार्ज किया है। ताजा विवाद की वजह यह आरोप बना कि इसी क्षेत्र के एक अन्य प्रवासी मजदूर, अनीसुर शेख, के साथ बिहार में बेरहमी से मारपीट की गई। इससे शुक्रवार की हिंसा के बाद मुश्किल से शांत हुआ जनाक्रोश फिर से भड़क उठा। पुलिस ने विरोध स्थल पर भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए। स्थानीय विधायक हुमायूं कबीर मौके पर पहुंचे और स्थिति को शांत करने के लिए प्रदर्शनकारियों और अधिकारियों से बात की। अधिकारियों ने कहा कि स्थिति को सामान्य और प्रदर्शन को हिंसा में तब्दील होने से रोकने के प्रयास जारी हैं। सुजापुर कुमारपुर निवासी अलाउद्दीन शेख की मौत के बाद से बेलडांगा में शुक्रवार से तनाव व्याप्त है।

राष्ट्रीय राजमार्ग-12 को अवरुद्ध करते लोगों को समझाती पुलिस।

फर्जी एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तकें छापने वाले गिरोह को पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने एनसीईआरटी की नकली पाठ्यपुस्तकों की छपाई और आपूर्ति में शामिल नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 45,000 नकली किताबें बरामद कीं और दो करोड़ मूल्य की छपाई मशीनरी और सामग्री भी जब्त की है।

गिरोह कई राज्यों में सक्रिय था और शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रहा था। दिल्ली और गाजियाबाद में की गई छापेमारी के दौरान 44,862 नकली एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकें जब्त की गईं। नकली प्रतियां बनाने में इस्तेमाल होने वाली दो ऑफसेट प्रिंटिंग मशीनें, पेपर रील, स्याही और एल्युमीनियम प्रिंटिंग प्लेट भी जब्त की गईं। गिरफ्तार आरोपियों में शाहदरा के सुमित, प्रीत विहार के विनोद जैन और यमुना विहार के कनिष्क हैं। ये तीनों नकली पाठ्यपुस्तकों के भंडारण, छपाई और वितरण में शामिल थे।

सिख गुरुओं पर आतिशी की टिप्पणी का वीडियो मौलिक

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को कहा कि सिख गुरुओं के बारे में नेता प्रतिपक्ष आतिशी की कथित टिप्पणी से संबंधित वीडियो की सत्यता से जुड़ी फोरेंसिक विज्ञान की रिपोर्ट में कहा गया कि वीडियो मौलिक है और इससे कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि इससे इस अहम सवाल का जवाब नहीं मिला कि आतिशी ने गुरु शब्द का उच्चारण किया था या नहीं।

भाजपा ने इसका उपयोग धार्मिक विवाद बढ़ाने को किया, इसके नेताओं पर कार्रवाई होनी चाहिए। इससे पहले, आप शासित पंजाब पुलिस ने दावा किया था कि वीडियो की फोरेंसिक जांच में पाया गया था कि वीडियो से

● दिल्ली विस अध्यक्ष ने कहा- फोरेंसिक रिपोर्ट के अनुसार नहीं की गई छेड़छाड़

छेड़छाड़ हुई थी। दिल्ली विधानसभा में आप के मुख्य सचेतक संजीव झा ने सोशल मीडिया पर वीडियो क्लिप साझा करने के लिए मंत्री कपिल मिश्रा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन के तहत कार्यवाही की मांग की थी।

गुप्ता ने कहा कि यह क्लिप विपक्षी दल आप के अनुरोध पर आठ जनवरी को फोरेंसिक जांच को भेजी गई थी। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि आतिशी की कथित टिप्पणी से जुड़ी वीडियो क्लिप मूल थी और इससे कोई छेड़छाड़ नहीं की गई थी। गुप्ता ने आरोप लगाया कि आप सरकार ने जल्दबाजी में अपनी फोरेंसिक जांच कराई और उसी के आधार पर मामले में प्राथमिकी भी दर्ज करा दी।

लाल किला विस्फोट से जुड़े डॉक्टरों को बिना जांच के किया था नियुक्त

नई दिल्ली। फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय ने अन्य विशेषज्ञों सहित तीन चिकित्सकों की नियुक्ति बिना पुलिस जांच या सत्यापन के की थी। इन तीन चिकित्सकों में से दो को एनआईए ने गिरफ्तार किया है और तीसरा लालकिला के पास हुए धमाके का आत्मघाती हमलावर था। ईडी की जांच से यह जानकारी सामने आई है।

विवि के प्रवर्तक के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत एजेंसी ने विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों और शिक्षकों के बयानों को दिल्ली की अदालत में दाखिल आरोपपत्र में संलग्न किया है। अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी और विवि के सभी शैक्षणिक संस्थाओं को नियंत्रित करने वाले अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट पीएमएलए के तहत दो आरोपियों के रूप में नामजद हैं।

व्यवस्था | स्थायी सदन होने के नाते राज्यसभा में लंबित विधेयक कभी समाप्त नहीं होते

राज्यसभा में 19 विधेयक लंबित, सबसे पुराना 1992 का

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में कुल 19 सरकारी विधेयक लंबित हैं, जिनमें सबसे पुराना जनसंख्या नियंत्रण से संबंधित है और यह 1992 का है। राज्यसभा एक स्थायी सदन है जो कभी भंग नहीं होता और इसके एक-तिहाई सदस्य हर दो साल में सेवानिवृत्त होते हैं। लोकसभा में लंबित विधेयक सदन के भंग होने पर समाप्त हो जाते हैं, राज्यसभा में लंबित विधेयक कभी समाप्त नहीं होते।

संसद के उच्च सदन के बुलेटिन के अनुसार, वर्तमान में 19 विधेयक लंबित हैं, जिनमें सबसे पुराना संविधान (79वां संशोधन) विधेयक, 1992 है। इस विधेयक में राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में संशोधन का प्रस्ताव है, जिसके तहत

● लोकसभा में लंबित विधेयक सदन भंग होने पर हो जाते हैं समाप्त

राज्य को जनसंख्या नियंत्रण और छोटे परिवार मानदंड को बढ़ावा देना होगा और छोटे परिवार मानदंड को बढ़ावा देना एवं अपनाना मौलिक कर्तव्यों में शामिल किया जाएगा। इसमें यह भी प्रस्ताव है कि यदि किसी सांसद या विधायक के दो से अधिक बच्चे हैं तो उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

लंबित विधेयकों में दिल्ली किराया (संशोधन) विधेयक, 1997 भी शामिल है, जिसका उद्देश्य दिल्ली किराया अधिनियम, 1995 में संशोधन करना था। इसका लक्ष्य किराया नियंत्रण कानूनों का आधुनिकीकरण करना था, लेकिन इसे किरायेदार और मकान मालिक समूहों से बड़े विरोध का सामना करना पड़ा। सरकार जहां एक ओर बीज विधेयक 2025 लाने पर काम कर रही है, वहीं लंबित विधेयकों में बीज विधेयक, 2004 भी शामिल है, जिसका उद्देश्य बिक्री, आयात और निर्यात के लिए बीजों की गुणवत्ता को विनियमित करना और गुणवत्तापूर्ण बीजों के उत्पादन एवं आपूर्ति को सुविधाजनक बनाना था। अंतर-राज्यीय प्रवासी कामगार (रोजगार और सेवा शर्तों का विनियमन) संशोधन विधेयक, 2011 भी लंबित है, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के श्रम मंत्री रहते हुए पेश किया गया था।

संप्रग सरकार के दौरान के भी कई विधेयक शामिल

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) दो के दौरान पेश किए गए अन्य लंबित विधेयकों में भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक संबंधी कानून (संशोधन) विधेयक, 2013<bha>;</bha> रोजगार एक्सचेंज (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) संशोधन विधेयक, 2013<bha>;</bha> और संसदीय एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधित्व का पुनर्व्यवस्थापन (तीसरा) विधेयक, 2013 शामिल हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासन के दौरान पेश लंबित विधेयकों में संविधान (एक सौ पच्चीसवां संशोधन) विधेयक, 2019 शामिल है, जिसका उद्देश्य असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में स्वायत्त परिषदों की वित्तीय और कार्यकारी शक्तियों को बढ़ाकर पूर्वोत्तर में आदिवासी स्वायत्तता को मजबूत करना, निर्वाचित ग्राम और नगर परिषदों की शुरुआत करना और अनिवासी भारतीय विवाह पंजीकरण विधेयक, 2019 शामिल है। कीटनाशक प्रबंधन विधेयक 2020 से लंबित है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 18 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

एचटीएमडी पर 380 करोड़ खर्च करेगा सिग्नेचर

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने शनिवार को कहा कि वह आवासीय परियोजनाओं में भूकंप रोधी तकनीक के लिए 380 करोड़ खर्च करेगी। कंपनी ने इस तकनीक के लिए भारत-इटली के संयुक्त उद्यम सीईसीओ हिरुन से समझौता किया है। हिस्टेरेटिक ट्यून्ड मास डैम्पर्स (एचटीएमडी) तकनीक विशेष प्रणाली है जिसे इमारतों में हवा और भूकंप के कंपन को कम करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह इमारत की हलचल को नियंत्रित कर स्थिरता को बढ़ाती है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1870, फ़ॉर्चून कि. 2365, रविन्द्रा 2460, फॉर्चुन 13 किग्रा 2085, जय जवान 2065, सचिन 2060, सूरज 2065, अवसर 1900, उजाला 1985, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 15000-17800, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10400, उड़द साबुत दिल्ली 10200, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10300, अरहर कोरी छोटी 11200

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

आईसीएसआई से एयू स्मॉल का समझौता

नई दिल्ली। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने शनिवार को इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) के साथ समझौते किया। इसके तहत देश भर के कंपनी सचिवों के लिए विशेष रूप से तैयार बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड समाधान पेश किए जाएंगे। एयू स्मॉल ने कहा कि इस समझौते का मकसद आईसीएसआई के सदस्यों को व्यापक बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना और बैंक के भीतर कंपनी सचिवों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है।

कपड़ा, दवा, इंजीनियरिंग को एफटीए से लाभ

भारत और यूरोपीय संघ के एफटीए से शुल्क समाप्त होने पर तीन वर्षों में निर्यात होगा दोगुना

- **वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच व्यापार समझौता निर्यातकों को देगा स्थिर ढांचा**

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से कपड़ा, दवा, रसायन, इंजीनियरिंग सामान, रत्न और आभूषणों के निर्यात को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। निर्यातकों ने यह उम्मीद जताई। इस समझौते के लिए वार्ता पूरी होने की घोषणा 27 जनवरी को हो सकती है।

उद्योग का अनुमान है कि एफटीए के कारण शुल्क समाप्त होने से अगले तीन वर्षों में यूरोपीय संघ को होने वाला निर्यात दोगुना हो जाएगा। निर्यातकों ने उल्लेख किया कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच यह समझौता निर्यातकों के लिए एक स्थिर ढांचा प्रदान करेगा। इससे भारतीय कंपनियां दीर्घकालिक निवेश की योजना बना सकेंगी और यूरोपीय मूल्य श्रृंखला से जुड़कर बाजार तक पहुंच सुरक्षित कर सकेंगी।

परिधान निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा कि यह एफटीए किसी एक बाजार पर हमारी निर्भरता को कम करने के लिहाज से एक बड़ा बदलाव लाने वाला साबित होगा। भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क बहुत अधिक होने के कारण घरेलू निर्यातकों को उच्च लागत और प्रतिस्पर्धा में कमी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में वे अपने निर्यात बाजार में विविधता लाने की कोशिश कर रहे हैं।

कानपुर स्थित ग्रोमोर इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक यदुवेंद्र सिंह सचान ने कहा कि घरेलू चमड़ा निर्यातकों को इस अवसर का उपयोग निर्यात बढ़ाने के लिए करना चाहिए। यह एफटीए भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ा बदलाव लाएगा।

भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि अमेरिकी शुल्कों में भारी वृद्धि भारतीय निर्यातों के एक बड़े दायरे को प्रभावित कर रही है, जिससे निर्यात बाजारों और व्यापार रणनीतियों में विविधीकरण को बढ़ावा देने की जरूरत का पता चलता है।

निर्यात बढ़ाने को आयात शुल्क संरचना, सीमा शुल्क में बदलाव की जरूरत : जीटीआरआई

नई दिल्ली। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने शनिवार को कहा कि व्यापार लागत कम करने, विनिर्माण प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने और निर्यात बढ़ाने को भारत को आयात शुल्क संरचना और सीमा शुल्क प्रशासन में व्यापक बदलाव करना होगा। जीटीआरआई ने तीन वर्षों में ज्यादातर औद्योगिक कच्चे माल और प्रमुख मध्यवर्ती वस्तुओं पर शून्य शुल्क घोषित करने और तैयार औद्योगिक वस्तुओं पर 5% का मानक शुल्क लागू करने का सुझाव भी दिया। थिंक टैंक ने विपरीत शुल्क संरचना को खत्म करने पर जोर दिया है, जहां तैयार उत्पादों की तुलना में कच्चे माल पर अधिक कर लगाया जाता है, जिससे घरेलू विनिर्माण की प्रतिस्पर्धात्मकता धीरे-धीरे कम हो जाती है। जीटीआरआई ने कहा कि शराब पर 150% जैसे अत्यधिक शुल्क को तर्कसंगत बनाना चाहिए, क्योंकि ऐसी दरें कर चोरी को बढ़ावा देती हैं जबकि राजकोषीय लाभ नगण्य होता है। रिपोर्ट में कहा गया कि शुल्क सुधार कुल आयात शुल्क पर आधारित होना चाहिए, न कि मूल सीमा शुल्क पर।

समझौते में दालों पर आयात शुल्क को कम करे भारत

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- **अमेरिका के दो सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से किया आग्रह**
- **सांसद बोले- अनुचित शुल्कों से अमेरिकी उत्पादकों को नुकसान**

अमेरिका के दो सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से आग्रह किया है कि वे भारत के साथ भविष्य के किसी भी व्यापार समझौते में दालों के लिए अनुकूल प्रावधानों पर जोर दें। सांसदों का कहना है कि नई दिल्ली द्वारा लगाए गए अनुचित शुल्कों के कारण अमेरिकी उत्पादकों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

राष्ट्रपति ट्रंप को 16 जनवरी को लिखे एक पत्र में मोंटाना के रिपब्लिकन सांसद स्टीव डेंस और नॉर्थ डकोटा के केविन क्रैमर ने कहा कि उनके राज्य मटर सहित दालों के शीर्ष दो उत्पादक हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत दुनिया में दालों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, जिसकी वैश्विक खपत में करीब 27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सांसदों ने कहा कि मसूर, चना, सूखी बीन्स और मटर भारत में सबसे ज्यादा खपत होने वाली फसलें हैं, लेकिन नई दिल्ली ने इन श्रेणियों में अमेरिकी निर्यात पर भारी शुल्क लगा रखा है। उन्होंने बताया कि भारत ने पिछले साल 30 अक्टूबर को पीली मटर पर 30 प्रतिशत शुल्क की घोषणा की थी, जो 1 नवंबर 2025 से लागू हुआ। पत्र में कहा गया, भारत के इन अनुचित शुल्कों से अमेरिकी उत्पादकों को अपने उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों को भारत निर्यात करने में काफी नुकसान हो रहा है। डेंस और क्रैमर ने कहा कि दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए दालों पर शुल्क के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बातचीत करना अमेरिकी उत्पादकों और भारतीय उपभोक्ताओं, दोनों के लिए परस्पर फायदेमंद होगा।

उड़ान व्यवधान के लिए इंडिगो पर लगा 22.20 करोड़ का जुर्माना

मुंबई, एजेंसी

- **डीजीसीए ने पीटर एल्बर्स के साथ दो अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को दी चेतावनी**

विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने दिसंबर में हुए व्यापक उड़ान व्यवधान को लेकर शनिवार को इंडिगो पर 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया और कंपनी के प्रमुख पीटर एल्बर्स के साथ दो अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को कड़ी चेतावनी जारी की। विमानन नियामक ने एयरलाइन को अपने निर्देशों का अनुपालन और दीर्घकालिक प्रणालीगत सुधार के लिए 50 करोड़ की बैंक गारंटी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

इंडिगो ने दिसंबर में सैकड़ों उड़ानें रद्द की थीं क्योंकि एयरलाइन पायलटों के वास्ते नए उड़ान ड्यूटी मानदंडों को लागू करने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार नहीं थी। इस पर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने संयुक्त महानिदेशक संजय के. ब्राह्मणे की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति का गठन किया। ताकि ऐसे व्यवधानों के कारणों की समीक्षा और मूल्यांकन हो सके। इस समिति ने 27 दिसंबर को डीजीसीए को रिपोर्ट सौंपी थी। नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू ने 8 दिसंबर को राज्यसभा में इंडिगो के परिचालन व्यवधान पर कहा था, हम इस स्थिति को हल्के में नहीं ले रहे हैं। इंडिगो ने कहा कि डीजीसीए के आदेश पर बोर्ड व प्रबंधन विचारपूर्वक एवं समयबद्ध उचित उपाय करेगा।

ग्रीनलैंड : विरोध कर रहे 8 यूरोपीय देशों पर 10% टैरिफ

नुक, एजेंसी

- **अमेरिकी राष्ट्रपति ने दबाव बनाने के लिए टैरिफ को फिर बनाया हथियार**
- **1 जून से 25% हो जाएगा यह टैरिफ, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन भी निशाने पर**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एलान किया कि वह ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण का विरोध करने के कारण फरवरी से आठ यूरोपीय देशों से आने वाले सामान पर 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाएंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि एक जून से इस टैरिफ को बढ़ाकर 25 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यदि अमेरिका की ओर से ग्रीनलैंड की पूर्ण खरीद के लिए कोई समझौता नहीं होता है तो डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड और फिनलैंड को टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। ट्रंप की इस घोषणा ने आर्कटिक क्षेत्र पर अमेरिकी नियंत्रण हासिल करने की उनकी मांग को एक बार फिर गरमा दिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, हमने डेनमार्क और यूरोपीय संघ के सभी देशों को कई वर्षों तक टैरिफ न लगाकर सब्सिडी दी है। अब सदियों बाद उसे डेनमार्क के लिए लौटाने का समय आ गया है, विश्व शांति दांव पर है।

ट्रंप ने तर्क दिया कि ग्रीनलैंड अमेरिकी और वैश्विक सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने डेनमार्क की रक्षा व्यवस्था को अपर्याप्त बताया और चेतावनी दी कि इन देशों द्वारा ग्रीनलैंड में कम संख्या में सैन्य कर्मियों की तैनाती ग्रह की सुरक्षा और अस्तित्व के लिए एक बहुत ही खतरनाक स्थिति है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका 150 से अधिक वर्षों से ग्रीनलैंड को हासिल करने की कोशिश कर रहा है। आधुनिक हथियार प्रणालियों और गोल्डन डोम जैसे मिसाइल रक्षा प्रोजेक्ट्स के लिए इस क्षेत्र पर नियंत्रण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने डेनमार्क और ग्रीनलैंड को समर्थन का भरोसा दिलाया

कोपेनहेगन। ट्रंप की धमकियों के बीच अमेरिकी कांग्रेस के एक द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को डेनमार्क और ग्रीनलैंड को अपने समर्थन का आश्वासन देने की कोशिश की। प्रतिनिधिमंडल के नेता और डेलावेयर से डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर मौजूदा बयानबाजी से डेनमार्क में चिंता का माहौल है। उन्होंने कहा कि वह हालात को शांत करना चाहते हैं। कोपेनहेगन में कून्स ने कहा, मुझे उम्मीद है कि डेनमार्क के लोग अमेरिकी लोगों में अपना विश्वास नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका डेनमार्क और नाटो के प्रति उन सभी कार्यों के लिए सम्मान रखता है जो हमने साथ मिलकर किए हैं। उनकी टिप्पणियां व्हाइट हाउस से आ रही टिप्पणियों से बिल्कुल विपरीत हैं।

एचडीएफसी, यस बैंक लाभ में, आईडीबीआई रहा स्थिर, आईसीआईसीआई में आई गिरावट

मुंबई, एजेंसी

बैंकिंग क्षेत्र की निजी कंपनियों ने जारी किए तिमाही नतीजे

आईडीबीआई बैंक ने कमाये 1,935 करोड़

नई दिल्ली। आईडीबीआई बैंक का दिसंबर तिमाही का शुद्ध लाभ स्थिर रहा। बैंक ने शनिवार को बताया कि उसने 1,935 करोड़ का लाभ अर्जित किया है और गत वर्ष 1,908 करोड़ का लाभ हुआ था। शेयर बाजार को दी जानकारी के अनुसार, आलोच्य तिमाही में बैंक की कुल आय घटकर 8,282 करोड़ रह गई, जो पिछले साल 8,565 करोड़ थी। वहीं, बैंक की ब्याज आय भी पिछले साल के 7,816 करोड़ से कम होकर 7,074 करोड़ आ गई। बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ। आलोच्य अवधि के दौरान बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात सुधरकर 2.57% रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 3.57% था।

बैंकिंग क्षेत्र की निजी कंपनियों ने शनिवार को दिसंबर तिमाही का नतीजा जारी किया। इसके अनुसार एचडीएफसी बैंक ने 12 प्रतिशत और प्रावधानों में कमी से यस बैंक ने 55% का लाभ कमाया। वहीं, आईडीबीआई का लाभ स्थिर रहा। आईसीआईसीआई बैंक के लाभ में 2.68% की गिरावट दर्ज की गई है।

एचडीएफसी बैंक ने कहा कि दिसंबर तिमाही में उसका एकीकृत लाभ 12.17% बढ़कर 19,807 करोड़ रहा। बैंक ने गत वर्ष 17,657 करोड़ और सितंबर तिमाही में 19,611 करोड़ का लाभ दर्ज किया था। एकल आधार पर बैंक का लाभ अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 11.46% बढ़कर 18,653.75 करोड़ रहा। बैंक की ब्याज आय 6.4% बढ़कर 32,600 करोड़ रही, जबकि गैर ब्याज आय 13,250 करोड़ रही। समग्र स्तर पर शुद्ध ब्याज मार्जिन 3.35% रहा। नए श्रम कानूनों को लागू करने से समीक्षाधीन तिमाही के दौरान उसका खर्च 800 करोड़ बढ़ा।

यस बैंक का तीसरी तिमाही में लाभ 55% की उछाल के साथ 952 करोड़ रहा। बैंक के मुनाफे में इस वृद्धि की मुख्य वजह प्रावधानों में आई कमी रही। बैंक ने बताया कि गत वर्ष उसका लाभ 612 करोड़ था, जबकि चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 654 करोड़ था। बैंक की मुख्य ब्याज आय 10.9% बढ़कर 2,466 करोड़ रही।

निजी क्षेत्र के ऋणदाता आईसीआईसीआई बैंक ने कहा कि दिसंबर तिमाही में एकीकृत लाभ 2.68% घटकर 12,537.98 करोड़ रहा। बैंक ने गत वर्ष अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 12,883.37 करोड़ और सितंबर तिमाही में 13,537.06 करोड़ का लाभ कमाया। बैंक ने एकल आधार पर 11,318 करोड़ का कर पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया, जो गत वर्ष 11,792 करोड़ था। नए श्रम कानूनों के लागू होने के बाद बैंक ने 145 करोड़ का प्रावधान किया।

कच्चे जूट के निजी व्यापार पर रोक लगाए केंद्र : आईजेएमए

कोलकाता। इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन (आईजेएमए) ने केंद्र सरकार से कच्चे जूट की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने और फाइबर की उपलब्धता के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। उद्योग निकाय ने इसके साथ ही 31 मार्च के बाद निजी व्यापारियों द्वारा कच्चे जूट के व्यापार पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव भी दिया है।

जूट आयुक्त अमृत राज को लिखे पत्र में एसोसिएशन ने कहा कि मिलों के पास कच्चे जूट की उपलब्धता में भारी कमी आई है। सिर्फ दिसंबर 2025 में भंडार में 1.25 लाख गांठों की गिरावट आई है, जबकि दक्षिण बंगाल के टीडीएन-3 ग्रेड के जूट की कीमतें बढ़कर 13,000 रुपये प्रति क्विंटल के अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई हैं। एसोसिएशन का दावा है कि इस स्थिति ने कई मिलों को उत्पादन बंद करने या इसमें भारी कटौती करने के लिए मजबूर कर दिया है, जिससे 75,000 से अधिक श्रमिक बेरोजगार हो गए हैं।

चार्ट पैटर्न : निवेशकों और ट्रेडर्स के लिए दिशा-सूचक

शेयर बाजार और तकनीकी विश्लेषण में चार्ट पैटर्न निवेशकों और ट्रेडर्स के लिए दिशा-सूचक की तरह काम करते हैं। ये पैटर्न कीमतों की चाल, मांग-आपूर्ति और बाजार की मनोवृत्ति को समझने में मदद करते हैं। चार्ट पर बनने वाले ये आकार दरअसल निवेशकों के व्यवहार का दृश्य रूप होते हैं, जिनसे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि आगे बाजार में तेजी आएगी, गिरावट होगी या मौजूदा ट्रेंड जारी रहेगा। नए ट्रेडर्स के लिए चार्ट पैटर्न सीखना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि यह उन्हें सही एंट्री, एग्जिट और स्टॉप लॉस तय करने में सहायक होता है। सही पैटर्न की पहचान जोखिम को कम कर सकती है और मुनाफे की संभावना बढ़ा सकती है।

चार्ट पैटर्न के प्रकार

● रिवर्सल पैटर्न ● कंटिन्यूएशन पैटर्न ● बाइलेटरल पैटर्न।

रिवर्सल चार्ट पैटर्न : रिवर्सल पैटर्न संकेत देते हैं कि मौजूदा ट्रेंड बदल सकता है। यानी तेजी के बाद गिरावट या गिरावट के बाद तेजी आने की संभावना। ● **हेड एंड शोल्डर :** अपट्रेंड के अंत का संकेत देता है। ● **इनवर्स हेड एंड शोल्डर :** डाउनट्रेंड के बाद तेजी का संकेत। ● **डबल टॉप :** कीमत दो बार एक ही स्तर पर रुककर नीचे जाती है। ● **डबल बॉटम :** दो बार सपोर्ट लेने के बाद ऊपर की ओर मूव।

कंटिन्यूएशन चार्ट पैटर्न : कंटिन्यूएशन पैटर्न बताते हैं कि थोड़े समय के ठहराव के बाद कीमत उसी दिशा में आगे बढ़ेगी, जिस दिशा में पहले चल रही थी। ● **फ्लैग और पेनेंट :** तेज मूव के बाद छोटा कंसोलिडेशन। ● **ट्रायंगल :** संकुचित दायरे में ट्रेडिंग के बाद ब्रेकआउट। ● **रेक्टेंगल पैटर्न :** सपोर्ट और रेजिस्टेंस के बीच फंसी कीमत।

बाइलेटरल चार्ट पैटर्न : बाइलेटरल पैटर्न में कीमत किसी भी दिशा में ब्रेकआउट दे सकती है। इनमें दिशा पहले से तय नहीं होती। ● **सिमेट्रिकल ट्रायंगल :** खरीदार और विक्रेता दोनों बराबरी पर। ● **वेज :** कीमत धीरे-धीरे संकुचित होती है।

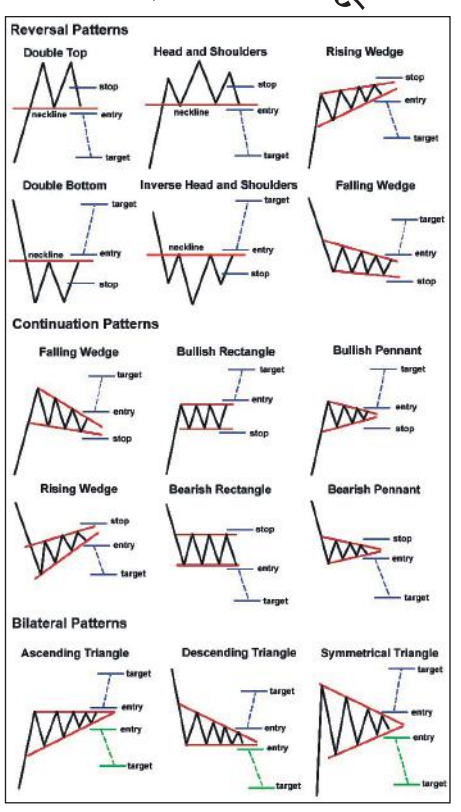

तेल-तिलहन कमजोर उठाव से सरसों तेल-तिलहन तथा मांग कम होने से पाम एवं पामोलीन तेल में गिरावट

डीओसी की मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन में सुधार

- **सामान्य कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन में बनी रही स्थिरता**

नई दिल्ली, एजेंसी

कमजोर आवक और मांग बढ़ने से स्थानीय तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सोयाबीन तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। जाड़े में नमकीन निर्माता कंपनियों की मांग बढ़ने से बिनौला तेल के दाम में भी सुधार आया।

ऊंचे दाम पर कमजोर उठाव तथा आगामी लगभग तैयार फसल के बीच सरसों तेल-तिलहन तथा ठंड में मांग कमजोर रहने से कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। सामान्य कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन में स्थिरता रही।

बाजार सूत्रों ने कहा कि महाराष्ट्र में मांग बढ़ने के बीच किसानों द्वारा नीचे दाम पर बिकवाली से बचने और आवक कम लाने की स्थिति को देखते हुए प्रदेश के प्लांट वालों ने सोयाबीन तिलहन का दाम 100 रुपये क्विंटल बढ़ाया है। अब सोयाबीन का दाम मंडियों में 5,300 रुपये क्विंटल हो चला है जबकि इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5,328 रुपये क्विंटल है। कुछ समय पूर्व सोयाबीन तिलहन का दाम एमएसपी से काफी नीचे था और इसके खपने को लेकर किसानों में चिंतायें बढ़ रही थीं।

उन्होंने कहा कि कल रात शिकागो एक्सचेंज में सुधार था लेकिन शनिवार को विदेशी बाजारों में कारोबार बंद रहने के बीच यहां कामकाज सुस्त था। ऐसी परिस्थिति में सोयाबीन तेल के दाम स्थिर बने रहे। इसके रूख के बारे में सोमवार को पता लगेगा। जाड़े में नमकीन बनाने वाली कंपनियों की हल्के तेलों में बिनौला की मांग अधिक होती है। इस मांग की वजह से बिनौला तेल के दाम में सुधार आया। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, ऊंचे दाम के कारण सरसों का उठाव कम है तथा अगली फसल लगभग तैयार खड़ी है। इस वजह से सरसों तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सर्दियों में कमजोर उठाव के कारण पाम-पामोलीन तेल के दाम भी गिरावट के साथ बंद हुए। सामान्य और सुस्त कामकाज के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर रहे।

रिलायंस ने ब्रिलक्रीम, टोनी एंड गाय और बाडेडास के वैश्विक अधिकार खरीदे

नई दिल्ली। कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की शाखा रिलायंस कंज्यूमर ने तेजी से बढ़ते सौंदर्य प्रसाधन बाजार में पैठ मजबूत करने को ब्रिलक्रीम, टोनी एंड गाय और बाडेडास जैसे अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड के वैश्विक अधिकार हासिल किए हैं।

- **मुकेश अंबानी की आरआईएल की शाखा ने तेजी से बढ़ते सौंदर्य प्रसाधन बाजार में मजबूती को उठाया कदम**

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने निवेशक प्रस्तुति में बताया कि कंपनी ने बच्चों के प्रसाधन क्षेत्र के विशेषज्ञ ब्रिटिश ब्रांड मेटी का भी अधिग्रहण किया है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने इन चार ब्रांड के अधिग्रहण के वित्तीय विवरण साझा नहीं किए हैं, लेकिन कंपनी ने कहा कि वह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में इनका विस्तार करेगी। कंपनी ने कहा कि सीपीएल ने प्रमुख ग्रूमिंग और बाथिंग क्षेत्र से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय ब्यूटी ब्रांड का अधिग्रहण किया है। हमने इन प्रतिष्ठित ब्रांड के वैश्विक अधिकार (कुछ क्षेत्रों को छोड़कर) हासिल कर लिए हैं।

नीली अर्थव्यवस्था केंद्र के रूप में अंडमान होगा विकसित : जितेंद्र

श्री विजय पुरम, एजेंसी

- **केंद्रीय मंत्री ने कहा- भविष्य में भारत का आर्थिक मूल्यवर्धन अनछुए समुद्री संसाधनों से होगा**

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को भारत की नीली अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित किया जाएगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि भविष्य में भारत का आर्थिक मूल्यवर्धन अनछुए समुद्री संसाधनों से आएगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नीली अर्थव्यवस्था पर सरकार का गहरा ध्यान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस नजरिये को दर्शाता है कि भारत केवल मुख्य भूमि पर ध्यान केंद्रित करके और द्वीप क्षेत्रों तथा तटीय क्षेत्रों को पीछे छोड़कर विकसित नहीं हो सकता। उन्होंने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नीली अर्थव्यवस्था और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख समुद्री प्रौद्योगिकी पहलों की समीक्षा की।

उन्होंने अटल सेंटर फॉर ओशन साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर आइलैंड्स की यात्रा के दौरान वैज्ञानिकों और अधिकारियों से कहा कि 2047 तक भारत के एक विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में डीप ओशन मिशन निर्णायक भूमिका निभाएगा। सिंह ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2023 और 2024, दोनों वर्षों में स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से डीप ओशन मिशन की घोषणा की थी, जो इसके रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है। मंत्री ने कहा कि देश के उत्तरी हिस्सों के लोगों को नीली अर्थव्यवस्था दिखाई नहीं देती होगी, लेकिन यह राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में बहुत अधिक योगदान करता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

सेना ने श्रीलंका में बनाया बेली ब्रिज

नई दिल्ली। भारतीय सेना के इंजीनियरों ने दित्वा चक्रवात से बुरी तरह प्रभावित श्रीलंका में बी-492 राजमार्ग पर 120 फुट लंबे तीसरे बेली ब्रिज का निर्माण किया है। सेना के अनुसार क्षेत्रीय एकजुटता और मानवीय सहायता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए मध्य प्रांत में स्थित यह पुल कैंडी और नुवारा एलिया जिलों को जोड़ता है।

हवाई अड्डे पर 2.89 करोड़ का सोना जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने म्यांमा के तीन नागरिकों के पास से 2.89 करोड़ रुपये के 2.15 किलोग्राम से अधिक सोना जब्त किया है एवं उन पर मामला दर्ज किया है। ये तीनों यात्री 14 जनवरी को म्यांमा के यांगून से दिल्ली पहुंचे थे और टर्मिनल-तीन के अंतर्राष्ट्रीय आगमन क्षेत्र में ग्रीन चैनल से गुजरते समय उन्हें पकड़ा गया।

पाकिस्तान में सड़क हादसे में 14 की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक ट्रक शनिवार को घने कोहरे के कारण पुल से गिर गया, जिससे छह बच्चों समेत कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना लाहौर से लगभग 200 किलोमीटर दूर सरगोधा जिले के कोट मोमिन में तड़के हुई। ट्रक में 23 लोग सवार थे, जिनमें से ज्यादातर एक ही परिवार के सदस्य थे, जो इस्लामाबाद से फैसलाबाद में एक अंतिम संस्कार में जा रहे थे।

चीन का शिजियान-32 उपग्रह प्रक्षेपण विफल

शीचांग। चीन के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से शिजियान-32 उपग्रह का प्रक्षेपण शनिवार को विफल रहा। इसके प्रक्षेपण में लॉन्ग मार्च-3बी वाहक रॉकेट का उपयोग किया गया था। दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत के प्रक्षेपण केंद्र से रॉकेट ने उड़ान भरी लेकिन एक असामान्य घटना हुई।

गाजा में यूएस निगरानी पर इजराइल नाराज

यरूशलम। इजराइल सरकार ने गाजा में आगे की कार्रवाई की निगरानी के लिए अमेरिका द्वारा नेताओं की घोषणा पर आपत्ति जताई। इजराइल ने कहा कि गाजा कार्यकारी समिति के गठन को लेकर उससे समन्वय नहीं किया गया और यह उसकी नीति के विपरीत है। बता दें कि इजराइल, अमेरिका का करीबी सहयोगी है।

समाज के कल्याण में हो प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी

- युवा उद्यमियों से संघ प्रमुख ने कहा टेक्नालॉजी का न बनें गुलाम

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल समाज के कल्याण के लिए किया जाना चाहिए, लेकिन लोगों को इसका गुलाम नहीं बनना चाहिए। युवा उद्यमियों से बातचीत में भागवत ने इस पर जोर दिया कि स्वदेशी का उपयोग करने का मतलब प्रौद्योगिकी को नकारना नहीं है। यह संवाद संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया।

भागवत ने कहा कि प्रौद्योगिकी अपरिहार्य है और अपने आप में बुरी नहीं है, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम इस पर इस हद तक निर्भर न हो जाएं कि यह हमें नियंत्रित करने लगे। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि व्यापार और उद्योग को केवल लाभ के उद्देश्य से संचालित नहीं किया जाना चाहिए। भागवत ने कहा, हम सिर्फ अपने फायदे के लिए नहीं, बल्कि समाज की भलाई के लिए काम करते हैं। आजीविका कमाना और सामाजिक जिम्मेदारी साथ-साथ चलनी चाहिए।

आरामदायक और सुरक्षित सफर

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मालदा से शनिवार को देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना किया। यह ट्रेन पश्चिम बंगाल के हावड़ा से गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच संचालित की जाएगी। अभी जो वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं, वो दिन में यात्रा के लिए हैं, और उनमें बैठकर यात्रा करने की ही सुविधा उपलब्ध है और उनमें लंबी दूरी की यात्रा थोड़ी मुश्किल है। अब स्लीपर वंदे भारत ट्रेन से रात में यात्रा की सुविधा दी गई है, जिसमें यात्री आराम से बर्थ पर लेटकर यात्रा कर सकेंगे। इस वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के साथ भारतीय रेलवे ने आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। गति के साथ इस ट्रेन में यात्रियों को तमाम सारी अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी, जो आम भारतीय ट्रेनों के सफर से उन्हें बेहतर अहसास कराएंगी। निकट भविष्य में कई अन्य रूटों यह ट्रेन चलेगी।

एरोडायनामिक्स डिजाइन

- पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बंगाल के हावड़ा से असम के गुवाहाटी के बीच चलेगी, जो पूर्वी भारत को उत्तर पूर्वी भारत से जोड़ने वाला अहम कॉरिडोर है।
- वंदे भारत स्लीपर ट्रेन से हावड़ा और गुवाहाटी के बीच की यात्रा में अभी करीब 17 घंटे का समय लगता है, जो अब घटकर 14 घंटे रह जाएगा।
- वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में 16 आधुनिक कोच जोड़े गए हैं, जिनमें कुल 1128 यात्री सफर कर सकते हैं।
- इन कोच में एयरोडायनामिक्स डिजाइन का इस्तेमाल किया गया है, जिससे हवा का दबाव कम पड़ेगा और लोगों को आरामदायक और शांत यात्रा का अनुभव होगा।

आरामदायक बर्थ

- ट्रेन में स्लीपर बर्थ भी बेहद खास हैं और ये शरीर के लिए ज्यादा आरामदायक होंगी और इन पर लोगों को बहुत आराम मिलेगा।
- सामान रखने के लिए भी पर्याप्त स्थान दिया गया है। इसके लिए ओवरहेड रैक और सीट के नीचे भी रैक दी गई हैं। लगेज एरिया भी है, जहां बड़े सूटकेस रखे जा सकेंगे।
- साफ-सफाई पर पूरा जोर है। शौचालय आधुनिक सैनिटेशन तकनीक से लैस हैं।

सुरक्षा कवच से लैस

- कवच ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम से लैस है, जिससे दूसरी ट्रेन से टकराने की आशंका नहीं होगी।
- ट्रेन के सभी कोच में सीसीटीवी कैमरे, आपात टॉक बैक सिस्टम और अग्निशमन उपकरण मौजूद हैं।
- यात्रा को शानदार बनाने के लिए क्षेत्र आधारित खाना परोसा जाएगा, बता दें कि खाने का खर्च बिल में शामिल है।

ट्रैक्शन मोटर सुरक्षा की गारंटी

- वंदे भारत एक्सप्रेस का वजन दूसरी गाड़ियों से 10-20 फीसदी कम रहता है। रेलगाड़ी के हर पहिए पर लगी ट्रैक्शन मोटर एक सुरक्षित सफर की गारंटी होती है। यही वह तकनीक है, जिससे गाड़ी बिना किसी देरी के स्पीड पकड़ लेती है। इमरजेंसी ब्रेक का इस्तेमाल करना पड़े, तो भी यह गाड़ी बिना ट्रैक छोड़े तुरंत रुक जाती है।
- दिल्ली मेट्रो ट्रेन के पहियों में भी ट्रैक्शन मोटर लगी होती है। इसी के चलते मेट्रो चंद सेकेंड में रफ्तार पकड़ लेती है और तेज गति में होने के बावजूद तुरंत रुक भी जाती है।
- वंदे भारत स्लीपर ट्रेन 180 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से दौड़ सकती है। ट्रेन में आधुनिक सस्पेंशन सिस्टम का भी इस्तेमाल किया गया है, जिससे ट्रेन में झटके और कंपन कम होगी और यात्री आरामदायक यात्रा का आनंद ले सकेंगे।

ईरान को अमेरिका की धमकियों का विरोध, बगदाद में सड़कों पर प्रदर्शन

हजारों इराकी नागरिकों, शिया समर्थकों का ईरानी दूतावास के सामने प्रदर्शन

- अमेरिका और इजराइल के विरोध में लोगों ने लगाए नारे

बगदाद, एजेंसी

ईरान को लेकर अमेरिकी धमकियों के खिलाफ इराक की राजधानी बगदाद में एक बड़ा प्रदर्शन आयोजित किया गया जिसमें सैकड़ों इराकी नागरिकों ने भाग लिया। स्पुतनिक संवाददाता ने शनिवार को बताया कि इराक में हजारों आम नागरिकों और शिया समूहों के समर्थकों ने शुक्रवार को अमेरिकी खतरों के बीच ईरानी क्षेत्र पर हमला करने के खिलाफ बगदाद में ईरानी दूतावास के सामने प्रदर्शन किया, जिसमें ईरान और नागरिकों का समर्थन किया गया।

इराकी प्रदर्शकारियों ने अमेरिकी और इजराइली विरोधी नारे लगाए और अमेरिकी और इजराइली झंडे जलाने की कोशिश की। गौरतलब है कि बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बातचीत की। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, नेतन्याहू ने राष्ट्रपति ट्रंप से ईरान पर किसी भी नियोजित अमेरिकी सैन्य हमले को स्थगित करने का अनुरोध किया। हालांकि ट्रंप ने ईरान पर हमला करने के विकल्प को पूरी तरह से खारिज नहीं किया। दिसंबर के अंत में ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान अपने मिसाइल एवं परमाणु कार्यक्रमों को विकसित करना जारी रखने की कोशिश करता है, तो वह ईरान पर नए तरह से हमले करेंगे। बाद में, ईरान में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को धमकी दी कि अगर किसी भी प्रदर्शनकारी की हत्या हुई तो वह हमला करेंगे। इस बीच, कट्टरपंथी मौलवी अयातुल्ला अहमद खातमी ने शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों के लिए ईरानी सरकार से मृत्युदंड देने की मांग करते हुए सीधे ट्रंप को धमकी दी। वहीं ईरान में इंटरनेट सेवाएं आंशिक रूप से बहाल कर दी गई हैं जिन्हें कुछ दिन पूर्व बंद किया गया था।

ईरान के अपमान, नुकसान के लिए ट्रंप अपराधी

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने शनिवार को कहा कि उनके देश को हुए नुकसान, उसके अपमान और यहां हुई मौतों के लिए वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक अपराधी मानते हैं। खामेनेई ने कहा, हम ईरान को हुए नुकसान, यहां हुई मौतों और ईरान पर लगाये गये अपमानजनक आरोपों के लिये अमेरिकी राष्ट्रपति को एक अपराधी मानते हैं। हालिया अशांति एक अमेरिकी साजिश थी और अमेरिका का लक्ष्य ईरान को निगलना है। खामेनेई ने कहा कि ट्रंप ने खुद इस अशांति में हस्तक्षेप किया, बयान दिए, दंगाइयों को प्रोत्साहित किया और कहा कि हम सैन्य सहायता प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिकियों ने इन घटनाओं की योजना बनाई थी और उनका लक्ष्य ईरान पर प्रभुत्व था। खामेनेई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने उपद्रवियों को ईरानी राष्ट्र के रूप में चित्रित किया।

फांसी टालने पर ईरान का शुक्रिया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक असामान्य कदम उठाते हुए ईरानी सरकार को सैकड़ों राजनीतिक कैदियों को फांसी देने की योजना को टालने के लिए धन्यवाद दिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, मैं इस बात की बहुत इज़्ज़त करता हूं कि ईरान के नेतृत्व ने कल होने वाली सभी फांसी (जो 800 से ज़्यादा थीं) रद्द कर दी हैं। धन्यवाद! उल्लेखनीय है कि ईरान ने का शुक्रिया अदा करने से पहले ट्रंप ने कई दिनों तक यह संकेत दिया कि अगर खामेनेई प्रशासन देश भर में फैले विरोध प्रदर्शनों के दौरान बड़े पैमाने पर हत्याएं करता है तो उसे सैन्य हमले के लिये तैयार रहना चाहिये। ईरान में विरोध प्रदर्शन फिलहाल शांत हो गए हैं।

पूर्वी प्रशांत के ऊपर सतर्क रहें विमान चालक

- सैन्य गतिविधियों के मद्देनजर अमेरिका ने दी चेतावनी

वाशिंगटन। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने अमेरिकी विमान चालकों से मेक्सिको, मध्य अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों के निकट पूर्वी प्रशांत महासागर के ऊपर उड़ान भरते समय सतर्कता बरतने का आग्रह किया है और इसके लिए सैन्य गतिविधियों एवं उपग्रह नेविगेशन में हस्तक्षेप का हवाला दिया है। यह चेतावनी शुक्रवार को एफएए द्वारा जारी नोटैम (नोटिस टू एयरमैन) की एक श्रृंखला के तहत जारी की गई। इनमें कहा गया है कि विमान के उड़ान भरने के दौरान और उड़ान के आगमन एवं प्रस्थान चरणों सहित, सभी चरणों पर विमानों के लिए संभावित जोखिम मौजूद हैं। ऐसे नोटिस आमतौर पर उन क्षेत्रों में नियमित रूप से जारी किए जाते हैं जहां आसपास शत्रुतापूर्ण गतिविधियां होती हैं। ये नोटिस कैरेबियाई सागर और पूर्वी प्रशांत में नौकाओं के खिलाफ अमेरिका के लगभग चार महीने से जारी सैन्य हमलों के बीच जारी किए गए हैं। अमेरिका का आरोप है कि ये नौकाएं मादक पदार्थों की तस्करी कर रही थीं।

आर्कटिक में रूस व चीन का भय दिखाना पश्चिमी देशों का खोखला बहाना

मास्को, एजेंसी

- ग्रीनलैंड के संदर्भ में रूस ने किया पश्चिमी देशों पर पलटवार

नार्वे में रूस के राजदूत निकोलाई कोरचुनोव ने रूसी सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती से बात करते हुए कहा कि आर्कटिक में रूस और चीन की तथाकथित धमकी भरी मौजूदगी को डराने-धमकाने के बहाने के रूप में इस्तेमाल करने की पश्चिम की नीति गलत साबित हुई है और ग्रीनलैंड के संदर्भ में यह उनके अपने ही यूरोपीय समर्थकों के खिलाफ उलटी पड़ गई है।

कोर्चुनोव ने कहा कि कुछ यूरोपीय देश, जो उस क्षेत्र के बाहर हैं, आर्कटिक राज्यों के बीच असहमति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि आर्कटिक में अपनी भूमिका और स्थिति मजबूत कर सकें। राजदूत ने यह भी कहा, जिन देशों के पास जरूरी प्राकृतिक संसाधन नहीं हैं, वे ग्रीनलैंड में सैन्य मौजूदगी बनाकर इसकी भरपाई करने के लिए खास तौर पर उत्सुक हैं। इसमें उनके अपने आर्थिक हितों को सुरक्षित करना भी शामिल है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार कहा है कि ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बन जाना चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और चीन और रूस से मुक्त विश्व की सुरक्षा के लिए इसकी रणनीतिक अहमियत का हवाला दिया। डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधिकारियों ने अमेरिका को द्वीप पर कब्जा करने के खिलाफ चेतावनी दी है और कहा है कि वे अपनी साझा क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान चाहते हैं। यह द्वीप 1953 तक डेनमार्क का उपनिवेश था। 2009 में स्वायत्तता मिलने के बाद भी यह 'डेनमार्क किंगडम' का हिस्सा बना रहा, जिसके पास स्व-शासन और अपनी आंतरिक नीतियां निर्धारित करने की शक्ति है।

छत्तीसगढ़ में शीर्ष उग्रवादी समेत मारे गए दो नक्सली

बीजापुर, एजेंसी

- बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों की नक्सलियों से मुठभेड़, एके-47 राइफल भी बरामद

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में शीर्ष उग्रवादी दिलीप बेदजा समेत दो नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिले के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के पहाड़ी जंगलों में तड़के मुठभेड़ शुरू हो गई, जहां सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर नक्सल-विरोधी अभियान पर निकली थी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस के विशेष कार्य बल और जिला रिजर्व गार्ड इकाइयों के जवान और सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन) के जवान इस अभियान में शामिल थे, जिसे मंडलीय समिति के सदस्य बेदजा की क्षेत्र में उपस्थिति के बारे में मिली सूचना के आधार पर शुरू किया गया था। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए एक अन्य नक्सली की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि अभी तक घटनास्थल से दो नक्सलियों के शव और एके-47 राइफल बरामद की गई हैं।

उन्होंने बताया कि तलाश अभियान अभी जारी है। बेदजा माओवादियों की राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र समिति में सक्रिय था और कई हमलों में शामिल रहा था। तीन जनवरी को बीजापुर सहित सात जिलों वाले बस्तर क्षेत्र में दो मुठभेड़ों में 14 नक्सली मारे गए थे। पिछले साल छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 285 नक्सली मारे गए थे।

इंडोनेशिया में यात्री विमान हुआ लापता, तलाश जारी

जकार्ता। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा और सुलावेसी द्वीप के बीच स्थित एक पहाड़ी क्षेत्र के पास पहुंचते समय एक क्षेत्रीय यात्री विमान का ग्राउंड कंट्रोल से संपर्क टूट गया। विमान में 11 व्यक्ति सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि खोज एवं बचाव अभियान जारी है। परिवहन मंत्रालय प्रवक्ता एंडाह पूर्णमा सारी ने बताया कि इंडोनेशिया एयर ट्रांसपोर्ट द्वारा संचालित टर्बोप्रॉप एटीआर 42-500 विमान योग्याकार्ता से दक्षिण सुलावेसी की राजधानी जा रहा था, तभी वह रडार से गायब हो गया।

विमान का आखिरी बार अपराह्न 1:17 बजे दक्षिण सुलावेसी प्रांत के एक पहाड़ी जिले मारोस के लेआंग-लेआंग क्षेत्र में पता चला था। सारी ने कहा कि वायुसेना के हेलीकॉप्टर, ड्रोन और जमीनी इकाइयों के सहयोग से कई खोज और बचाव दल लगाए गए हैं। माउंट बुलुसाराउंग पर पर्वतारोहियों द्वारा बिखरे हुए मलबे, इंडोनेशिया एयर ट्रांसपोर्ट के चिह्न से मेल खाने वाले लोगो और घटनास्थल पर आग को देखने की सूचना के बाद मलबे का पता लगाने की उम्मीदें बढ़ गईं।

चरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र में पावर लाइन का संपर्क टूटा

- अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के डीजी राफेल ग्रासी ने दी जानकारी

ऑस्ट्रिया, एजेंसी

सैन्य गतिविधियों के कारण एक विद्युत उप-स्टेशन को क्षति पहुंचने के बाद यूक्रेन के चरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र में एक ऊर्जा लाइन का संपर्क टूट गया है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने यह जानकारी दी है।

एजेंसी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यूक्रेन के चरनोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर पिछले हफ्ते सैन्य गतिविधियों के कारण एक विद्युत उप-स्टेशन क्षतिग्रस्त हो गया, जो इसकी ऊर्जा आपूर्ति के लिए बहुत ज़रूरी था। इसके बाद एक ऊर्जा लाइन का संपर्क टूट गया। यह घटना एक बार फिर परमाणु सुरक्षा के लिए भरोसेमंद विद्युत ग्रिड बुनियादी संरचना के महत्व को दिखाती है। एजेंसी ने कहा कि यह संपर्क टूटना इस हफ्ते की कई घटनाओं में से एक था जिसमें सैन्य गतिविधि ने यूक्रेन की परमाणु इकाइयों में सुरक्षा को प्रभावित किया। ग्रॉसी ने कहा कि उप-स्टेशन को नुकसान पहुंचने के बाद, चरनोबिल संयंत्र को दूसरी लाइनों से ऊर्जा मिलती रही।

सुरक्षा गारंटी पर अमेरिका से बातचीत करेगा यूक्रेन

कीव। यूक्रेन और अमेरिका की टीमें रूस-यूक्रेन संघर्षविराम को लेकर 17 जनवरी को मियामी में बातचीत के एक और दौर में हिस्सा लेंगी। अमेरिका में यूक्रेन की राजदूत ओल्गा स्टेफनिशिना ने कहा कि इस बैठक में सुरक्षा गारंटी और यूक्रेन की आर्थिक समृद्धि पर समझौतों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

रूस को विमानन पुर्जे निर्यात करने पर भारतीय को जेल

न्यूयॉर्क। अमेरिका में 58 वर्षीय एक भारतीय नागरिक को नियंत्रित विमानन पुर्जों के ओरेगन से रूस तक अवैध निर्यात की साजिश रचने के मामले में ढाई साल की जेल की सजा सुनाई गई है। इस सप्ताह की शुरुआत में सुनाए गए फैसले में ओरेगन के अमेरिकी अटॉर्नी स्कॉट ब्रैडफोर्ड ने कहा कि संजय कौशिक के कृत्य जानबूझकर किए गए और मुनाफे के उद्देश्य से प्रेरित थे। उन्होंने कहा कि यह बार-बार किए गए लेन-देन, भारी मुनाफे और प्रतिबंधित रूसी संस्थाओं समेत विदेशी सह-साजिशकर्ताओं के साथ समन्वय से जुड़ी एक सुनियोजित, लाभ-प्रेरित योजना थी। इस आरोपी ने कई मौकों पर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए अहम सुरक्षा उपायों को अपने निजी लाभ के लिए कमजोर करने की कोशिश की। अदालत ने दिल्ली निवासी कौशिक को निर्यात नियंत्रण सुधार अधिनियम का उल्लंघन कर नियंत्रित विमानन पुर्जे तथा नेविगेशन व उड़ान नियंत्रण प्रणाली रूस में अंतिम उपयोगकर्ताओं को निर्यात करने की साजिश रचने के लिए 30 महीने की जेल और 36 महीने नजरबंद रखने की सजा सुनाई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 18 जनवरी, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या 19 जनवरी 01.21 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

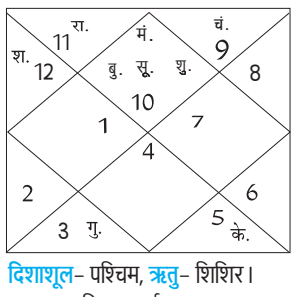

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाषाढ़ा 10.14 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

मेष — आज ऑफिस का महत्वपूर्ण काम आपके सामने आएगा। सोशल मीडिया पर संवेदनशील और भ्रामक पोस्टों को लाइक शेयर करने से बचें। घर के बुजुर्गों से आशीर्वाद प्राप्त होगा। विद्यार्थी उच्च शिक्षा की तैयारी करेंगे।

वृष — आज सार्वजनिक क्षेत्रों में आपकी दिलचस्पी बढ़ेगी। निजी रिश्तों में मधुरता आएगी। अपने ऊपर काम का अतिरिक्त बोझ न लादें। आपके बारे में लोगों की राय मिश्रित रहेगी। आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मिथुन — आज आपकी प्रबल इच्छाशक्ति से सभी कार्य समय पर पूर्ण कर लेंगे। पदोन्नति के योग प्रबल हैं। फाइनेंस संबंधी कार्यों से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ मिलेगा। किसी बड़ी डील से आपको आर्थिक लाभ हो सकता है।

कर्क — आज पारिवारिक समस्याओं के कारण मन विचलित हो सकता है। छोटे उद्योग कर रहे लोगों को कठिनाई हो सकती है। गलत रास्तों का चुनाव न करें। हार्डवेयर संबंधित कारोबार में लाभ की संभावना बन रही है।

सिंह — आज सिर्फ जरूरी कार्यों को ही प्राथमिकता दें। रिश्तों को लेकर कुछ असमंजस भरी स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। अपनी कार्यशैली को लेकर आत्ममंथन करेंगे। दिनचर्या का बड़ा समय पढ़ने और शोध आदि में दे सकते हैं।

कन्या — आज संभव है कि आपका विचार अधिक सार्थक हो, लेकिन सही बात कहने पर भी आप निशाने पर लिए जा सकते हैं। घर के कार्यों में भी मन नहीं लगेगा। नशे का सेवन बिल्कुल भी न करें। शेयर मार्केट में बड़ा पैसा निवेश करने से बचें।

तुला — आज धीरे-धीरे अटके मामलों को सुलझा लेंगे। समाज में आपका रसूख बढ़ेगा। अचानक धन लाभ भी हो सकता है। पैतृक संपदा प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। संतान के भविष्य को लेकर कुछ निर्णय लेने पड़ सकते हैं।

वृश्चिक — आज पूर्वनिर्धारित कार्यों की योजना समय से पहले बना लेंगे। समय का सदुपयोग करेंगे। कमीशन और इन्श्योरेंस जैसे कार्यों से लाभ प्राप्त होगा। आप लोगों के लिए प्रेरणास्तोत्र बनाकर उभरेंगे। एआई फील्ड से जुड़े लोगों को जॉब में काफी मजा आएगा।

धनु — आज व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपनी प्रोडक्ट क्वालिटी पर ध्यान देना पड़ेगा। अपनी मानसिक स्थिति सकारात्मक बनाकर रखें। लोग आपकी आदतों की आलोचना कर सकते हैं। पुराने संबंधों का लाभ आपको मिलेगा।

मकर — आज आपको अचानक कुछ अवरोधों का सामना करना पड़ेगा। प्रेम संबंधों में धोखा मिल सकता है। मधुमेह के रोगियों को दवाओं के प्रयोग में लापरवाही नहीं करनी चाहिए। कार्यक्षेत्र में सारे कार्य अपनी जिम्मेदारी में करें।

कुंभ — आज व्यवसाय में नए तरीके की योजना अपनानी पड़ेगी। ऑफिस में लोग आपका काफी सहयोग करेंगे। रिटेल कारोबारियों की आय बढ़ सकती है। पहले की गई मेहनत से आपको लाभ मिलेगा। आर्थिक परेशानियों को लेकर थोड़ा परेशान होना पड़ेगा।

मीन — आज व्यापार के मामले में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। किसी रिश्तेदार की आपको मदद करनी पड़ सकती है। सहकर्मियों के सहयोग से आपके काम शीघ्र पूरे हो जाएंगे। जॉब के नए अवसर आपको मिल सकते हैं।

सुडोकू-35

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	9		3	2				6
7					1		5	
	2	4		8		3		1
1		8			6		9	7
	5		9			8		
4				7			1	
8		5			4		2	
	7							5
			7		2		3	

सुडोकू - 34 का हल

5	8	3	7	9	1	2	6	4
6	7	2	8	4	3	9	5	1
4	1	9	6	2	5	3	8	7
2	3	8	9	1	6	7	4	5
1	6	4	5	7	2	8	3	9
9	5	7	3	8	4	1	2	6
3	9	6	2	5	7	4	1	8
8	2	1	4	6	9	5	7	3
7	4	5	1	3	8	6	9	2

मुझे नहीं लगता कि जडेजा की फॉर्म किसी तरह से भी चिंता का विषय है। यह केवल एक विकेट की बात है। एक बार वह विकेट मिल जाए तो आपको एक बिल्कुल अलग तरह का गेंदबाज देखने को मिलेगा।
–मोहम्मद सिराज

स्टेडियम

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 18 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सौराष्ट्र-विदर्भ के बीच विजय हजारे ट्रॉफी का फाइनल आज

बेंगलुरु। बिना किसी स्टार खिलाड़ी के बावजूद अब तक बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले सौराष्ट्र और विदर्भ के बीच रविवार को यहां बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मैदान पर होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है क्योंकि दोनों टीम कागजों पर एक समान नजर आती हैं। विदर्भ अपना तीसरा जबकि सौराष्ट्र पहला खिताब जीतने के लिए आमने-सामने होंगे।

बांग्लादेश ने आईसीसी से ग्रुप बदलने के लिए कहा

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को आईसीसी से कहा कि भारत की बजाय श्रीलंका में खेलने के लिये टी20 विश्व कप में उसे ग्रुप बी में आयरलैंड की जगह शामिल कर दिया जाए। बांग्लादेश ग्रुप सी में वेस्टइंडीज, इटली, इंग्लैंड और नेपाल के साथ है और उसे लीग मैच कोलकाता तथा मुंबई में खेलने हैं। आयरलैंड ग्रुप बी में श्रीलंका, आस्ट्रेलिया, ओमान और जिम्बाब्वे के साथ है जिसे अपने मैच कोलंबो और पल्लेकेले में खेलने हैं। आईसीसी की दो सदस्यीय टीम भारत में सुरक्षा इंतजामात को लेकर बीसीबी को आश्वस्त करने के लिए ढाका में थी।

कमलिनी व वैष्णवी पहली बार वनडे टीम में

नई दिल्ली। ऑफ स्पिनर श्रेयांका पाटिल और बल्लेबाज भारती फुलमाली की अगले महीने आस्ट्रेलिया दौरे के लिये भारत की टी20 टीम में वापसी हुई है जबकि विकेटकीपर जी कमलिनी और बायें हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा को पहली बार वनडे टीम में चुना गया है। काशवी गौतम को भी 15 सदस्यीय वनडे टीम में जगह मिली है जबकि तेज गेंदबाज अरूंधति रेड्डी और बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव को बाहर कर दिया गया है। वनडे टीम में शामिल हरलीन देयोल 16 सदस्यीय टी20 टीम में नहीं हैं। दोनों टीमों की कप्तान हरमनप्रीत कौर होंगी जबकि स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। टीम 15 फरवरी से शुरू हो रहे दौरे पर तीन टी20, तीन वनडे और छह से नौ मार्च तक पर्थ में एक टेस्ट खेलेगी।

एंड्रीवा और मचाक ने जीते खिताब

एडिलेड। तीसरी वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा ने शुरू में 0-3 से पिछड़ने के बावजूद शानदार वापसी करते हुए शनिवार को यहां लगातार नौ गेम जीतकर एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में विक्टोरिया एमबोको को 6-3, 6-1 से हरा दिया। यह मुकाबला डब्ल्यूटीए टूर की रैंकिंग में शीर्ष 20 में शामिल लेकिन 20 वर्ष से कम उम्र की खिलाड़ियों के बीच था। एंड्रीवा 18 वर्ष और एमबोको 19 वर्ष की हैं। कनाडा की खिलाड़ी एमबोको ने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन इसके बाद एंड्रीवा ने उनकी एक नहीं चलने दी और आसानी से मैच अपने नाम करके अपना पांचवां डब्ल्यूटीए खिताब जीता। बाद में पुरुष एकल के फाइनल में थॉमस मचाक ने उगो हम्बर्ट को 6-4, 6-7 (2), 6-2 से पराजित किया।

भारत ने वर्षा बाधित मैच में बांग्लादेश को 18 रनों से हराया

अंडर-19 विश्व कप

बुलावायो, एजेंसी

ऑफ स्पिनर विहान मल्होत्रा ने 14 रन देकर चार विकेट लिए जिसकी मदद से भारत ने अंडर 19 विश्व कप के वर्षा बाधित मैच में शनिवार को बांग्लादेश पर डकवर्थ लुईस प्रणाली से 18 रनों से जीत दर्ज की।

भारत को 49 ओवर के मैच में 238 रन पर आउट करने के बाद बांग्लादेश जीत की ओर बढता दिख रहा था, लेकिन 40 रन के भीतर आठ विकेट गंवा दिये और भारत को लगातार दूसरी जीत तोहफे में दे दी। बांग्लादेशी टीम 28.3 ओवर में 146 रन पर आउट हो गई। मैच के बाद दोनों टीम के खिलाड़ियों को हाथ मिलाते और बातचीत करते देखा गया। भारत अब ग्रुप बी में दो मैचों में चार अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि बांग्लादेश और अमेरिका ने अभी खाता नहीं खोला है।

न्यूजीलैंड ने अभी तक ग्रुप बी में अपने अभियान का आगाज नहीं किया है। बारिश के कारण दूसरी बार डेढ घंटे का खेल बाधित होने के बाद बांग्लादेश को 29 ओवर में 165 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। एक समय पर बांग्लादेश ने 20 ओवर में दो विकेट पर 102 रन बना लिये थे और डकवर्थ लुईस प्रणाली से वह 14 रन आगे था। इसके बाद

हालांकि मल्होत्रा की शानदार आफ स्पिन गेंदबाजी के आगे बांग्लादेश ने लगातार विकेट गंवा दिये। मल्होत्रा ने कलाम सिद्दीकी (15), शेख परवेज जिबोन (सात), रिजान हुसैन (15) और समीउन बशीर (दो) के विकेट लिये। बांग्लादेश ने पांच विकेट 33 गेंद के भीतर गंवा दिये। बायें हाथ के स्पिनर खिलन पटेल ने बांग्लादेशी कप्तान अजीजुल हकीम का विकेट लिया जिन्होंने 72 गेंद में 51 रन बनाये थे। हेनिल पटेल ने इकबाल हुसैन इमोन को आउट करके बांग्लादेश की पारी का अंत किया। इससे पहले बांग्लादेश ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और अनुशासित गेंदबाजी से भारत को लगातार दबाव में बनाये रखा।

आक्रामक युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भी चिर परिचित अंदाज में नहीं खेल पाये और उन्हें 72 रन की पारी में 67 गेंद खेलनी पड़ी। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाये। अभिज्ञान कुंडू ने दो जीवनदानों का पूरा फायदा उठाते हुए 112 गेंद में चार चौकों और तीन छक्कों के साथ 80 रन बनाए। बारिश के कारण 65 मिनट का व्यवधान होने के कारण मैच 49 ओवर प्रति टीम कर दिया गया।

टॉस के बाद कप्तानों ने नहीं मिलाए हाथ

भारत और बांग्लादेश के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का असर क्रिकेट के मैदान पर भी दिखा क्योंकि शनिवार को यहां आईसीसी अंडर-19 विश्व कप ग्रुप ए मैच से पहले दोनों टीमों के कप्तानों ने परंपरा के अनुसार हाथ नहीं मिलाए हालांकि बीसीबी ने बाद में कहा कि उनके कप्तान ने ऐसा जान बूझकर नहीं किया और यह क्षणिक चूक से हो गया। भारत के कप्तान आयुष म्हात्रे और बांग्लादेश के उप कप्तान जवाद अबरार टॉस के लिए आए थे।

भारत की निगाह घरेलू धरती पर वनडे रिकॉर्ड बरकरार रखने पर

इतिहास रचना चाहेगा न्यूजीलैंड, मुकाबला आज दोपहर 1:30 बजे से

इंदौर, एजेंसी

अब तक घरेलू धरती पर वनडे में शानदार रिकार्ड रखने वाले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतने के लिए रविवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। न्यूजीलैंड की टीम की निगाह भी श्रृंखला जीतकर इतिहास रचने पर होगी। तीन मैचों की श्रृंखला अभी 1-1 से बराबर है।

मार्च 2019 के बाद से भारत ने अपने घरेलू मैदान पर कोई द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं हारी है। तब ऑस्ट्रेलिया ने 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए श्रृंखला 3-2 से जीती थी लेकिन अब यह रिकॉर्ड दांव पर लगा है।

न्यूजीलैंड के लिए भी यह मैच काफी महत्वपूर्ण है। उसकी टीम ने 1989 से द्विपक्षीय वनडे मैचों के लिए भारत का दौरा किया है, लेकिन यहां कभी भी श्रृंखला नहीं जीती है। इस इंतजार को खत्म करने का यह उसके पास संभवतः सबसे अच्छा अवसर है। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर नहीं चाहेंगे कि उनके नेतृत्व में घरेलू मैदान पर टीम को एक और श्रृंखला में हार का सामना करना पड़े। विशेषकर तब जबकि उन्होंने कई अनचाहे रिकॉर्ड बनाए हैं।

गंभीर के कोच रहते हुए भारत ने घरेलू मैदान पर पांच टेस्ट मैच हारे हैं और पहली बार श्रीलंका में वनडे श्रृंखला गंवाई। राजकोट में खेले गए दूसरे वनडे में भारत की हार किसी एक असाधारण पारी के कारण नहीं बल्कि न्यूजीलैंड का बीच के ओवरों में शानदार नियंत्रण बनाए रखने के कारण हुई। रिल मिचेल का नाबाद शतक सुनियोजित आक्रामकता पर आधारित था। उन्होंने विशेषकर भारत के स्पिनरों को निशाना बनाया। यह एक ऐसा विभाग है जिसमें भारत हाल के दिनों में संघर्ष करता नजर आ रहा है।

इंदौर में होल्कर स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान न्यूजीलैंड के खिलाड़ी। एजेंसी

टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, आयुष बडोनी, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : माइकल ब्रैसवेल (कप्तान), डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), मिशेल हे, निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फाउल्क्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनोक्स, माइकल रे, आदित्य अशोक।

टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी की झलक

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी के साथ सेल्फी लेतीं युवतियां। ● एजेंसी

विश्व नंबर वन अन सि यंग खिताब की देहरी पर

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी अन सि यंग और इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी 950000 डॉलर ईनामी राशि के इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में क्रमशः महिला और पुरुष फाइनल में पहुंच गए।

इस सत्र में 11 खिताब जीत चुकी शीर्ष वरीयता प्राप्त गत चैम्पियन यंग ने महिला एकल सेमीफाइनल में थाईलैंड की पूर्व विश्व चैम्पियन रेचानोक इंतानोन को 21-11, 21-7 से हराया।

दक्षिण कोरिया की इस खिलाड़ी का सामना अब दुनिया की नंबर दो खिलाड़ी चीन की वांग झियि से होगा जिन्होंने तोक्यो ओलंपिक चैम्पियन चेन यू फेइ को 21-15, 23-21 से हराया। पुरुष एकल में तीसरी वरीयता प्राप्त क्रिस्टी ने सिंगापुर के पूर्व विश्व चैम्पियन लो कीन यू को 21-18, 22-20 से मात दी। अब उनका सामना कनाडा के विक्टर लेइ या चीनी ताइपै के लिन चुन यि से होगा।

चिड़िया का घोसला गिरने से मैच रुका

चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त लियू शेंग शू और तान निंग और छठी वरीयता प्राप्त कोरिया की बाएक हा ना और ली सो ही के बीच महिला युगल सेमीफाइनल कुछ देर के लिए रोकना पड़ा जब चिड़िया के घोसले से कुछ कोर्ट पर गिरा।

मंधाना की तूफानी पारी से आरसीबी जीती

नवी मुंबई, एजेंसी

कप्तान स्मृति मंधाना शतक से चार रन से चूक गई, लेकिन उनकी बेहतरीन पारी की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराकर महिला प्रीमियर लीग में लगातार चौथी जीत दर्ज की।

आरसीबी पांच टीमों की तालिका में शीर्ष पर है जबकि चार में से तीन मैच हारकर दिल्ली सबसे नीचे है। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के 41 गेंद में 62 रन की मदद से 166 रन बनाये थे। एक समय पर दिल्ली का स्कोर दूसरे ओवर में चार विकेट पर 10 रन था लेकिन शेफाली ने पारी को संभाला। मंधाना ने हालांकि उनकी पारी को बेनूर करते हुए आरसीबी को एकतरफा जीत दिलाई। आरसीबी

● **दिल्ली को आठ विकेट से हराकर लगातार चौथी विजय हासिल की**

ने तीसरे ओवर में ग्रेस हैरिस का विकेट गंवा दिया था लेकिन इसके बाद मंधाना और जॉर्जिया वोल ने दूसरे विकेट के लिए 142 रन की साझेदारी की। आरसीबी ने दस गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। मंधाना ने 61 गेंद में 13 चौकों और तीन छक्कों के साथ 96 रन बनाए। वहीं आस्ट्रेलिया की वोल ने 42 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों के साथ 54 रन जोड़े। मंधाना ने नंदिनी शर्मा की गेंद पर लूसी हैमिल्टन को कैच दिया लेकिन तब तक टीम की जीत तय कर दी थी। वहीं पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई दिल्ली की टीम ने पहली नौ गेंद में ही दस रन पर चार विकेट गंवा दिए थे और 74 रन पर छह विकेट गिर चुके थे। शेफाली ने 62 रन बनाए।

जीत का जश्न मनातीं यूपी वॉरियर्स की खिलाड़ीं। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन | अल्काराज और सिनर से पार पाना होगा बेहद कठिन, आज से शुरू हो रहा वर्ष का पहला ग्रैंड स्लैम

नोवाक जोकोविच की निगाह मेजर 25वें खिताब पर

मेलबर्न, एजेंसी

नोवाक जोकोविच को अब भी पूरा भरोसा है कि वह अपना 25वां एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने में सफल रहेंगे और उन्हें उम्मीद है कि रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वह कार्लोस अल्काराज और यानिक सिनर की कड़ी चुनौती से पार पाने में सफल रहेंगे।

जोकोविच पिछले साल चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे थे लेकिन वह अल्काराज और सिनर की चुनौती से पार पाने में असफल रहे थे। वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में एक बार फिर से यह दोनों युवा खिलाड़ी उनकी राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं।

जोकोविच ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन की पूर्व संध्या पर कहा 2025 में मैंने सिनर या अल्काराज़ के खिलाफ खेले गए चार ग्रैंड स्लैम मैच में से तीन में हार का सामना किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा हमें उनकी ज्यादा तारीफ करने की जरूरत नहीं है। उनकी तारीफ पहले ही काफी हो चुकी है। हम जानते हैं कि वे कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। वे उस मुकाम के हकदार हैं जहां वे अभी हैं। वे इस समय पुरुष टेनिस में सबसे मजबूत खिलाड़ी हैं। जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम एकल खिताब की तलाश में तीसरा सत्र शुरू कर रहे हैं।

उन्होंने अपने एकमात्र निर्धारित अभ्यास टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया, क्योंकि वह युवा खिलाड़ियों का सामना करने के लिए पूरी तरह से फिट रहना चाहते हैं। यह 38 वर्षीय खिलाड़ी खुद को मुकाबले में बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। जोकोविच ने आखिरी बार 2023 में अमेरिकी ओपन के रूप में कोई ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। तब से सिनर और अल्काराज़ ने आठ खिताब आपस में बांटे हैं। सिनर ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पिछले दो बार के चैंपियन हैं जबकि अल्काराज़ मेलबर्न पार्क में खिताब जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। जोकोविच ने पिछले साल इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अल्काराज को हराया था पर सेमीफाइनल में हैमस्ट्रिंग में चोट लगने से मैच छोड़ना पड़ा था।

रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार हैं वीनस विलियम्स

मेलबर्न। वीनस विलियम्स 45 वर्ष की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में नया रिकार्ड बनाने के लिए तैयार हैं। अमेरिका की यह स्टार खिलाड़ी रविवार को यहां कोर्ट पर उतरते ही वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के महिला एकल में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें इस बात का अहसास तब तक नहीं हुआ जब तक कि उन्हें पांच साल में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश नहीं मिला। वीनस जापान की किमिको दाते का रिकॉर्ड तोड़ेगी जिन्होंने 44 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था। वीनस ने शनिवार को टूर्नामेंट से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा जब तक यह खबर मीडिया में नहीं आई, मैंने इसके बारे में सोचा भी नहीं था। मेरे लिए यह हबहुत खुशी की बात है।

औपचारिक उद्घाटन समारोह में फेडरर होंगे आकर्षण का केंद्र

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई ओपन के पहले औपचारिक उद्घाटन समारोह में रोजर फेडरर सभी के आकर्षण का केंद्र रहे। करीब 15000 की क्षमता वाला स्टेडियम खचाखच भरा था और आस्ट्रेलिया के महान टेनिस खिलाड़ी रॉड लावेर भी मौजूद थे जो अपने नाम पर बने मेलबर्न पार्क के सेंटर कोर्ट रॉड लावेर एरिना में बैठे थे। छह बार आस्ट्रेलियाई ओपन और 20 बार ग्रैंडस्लैम जीत चुके फेडरर ने नुमाइशी युगल मैच में पैट राफ्टर और लेटन हेविट के खिलाफ आंद्रे अगासी के साथ खेला। मैच देखने के लिये रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच भी मौजूद थे। आस्ट्रेलियाई ओपन मुख्य दौर के एकल मुकाबले रविवार से शुरू होंगे। फेडरर 2021 के बाद पहली बार आस्ट्रेलिया आये है।

यूपी वॉरियर्स की मुंबई इंडियंस पर लगातार दूसरी विजय

नवी मुंबई, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

● **कप्तान मेग लैनिंग और फीबी लिचफील्ड ने खेलीं शानदार अर्धशतकीय पारियां**

यूपी वॉरियर्स ने कप्तान मेग लैनिंग (70 रन) और फीबी लिचफील्ड (61) के अर्धशतकों और दूसरे विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से शनिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को 22 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। दोनों टीम तीन दिन में दूसरी बार आमने सामने हुईं। दोनों ही बार यूपी वॉरियर्स ने मुंबई इंडियंस को पराजित किया। लैनिंग की अगुआई वाली यूपी वॉरियर्स ने आठ विकेट पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में मुंबई इंडियंस 20 ओवर में छह विकेट पर 165 रन ही बना सकी।

मुंबई इंडियंस की आधी टीम 11वें ओवर में 69 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुकी थी। इसके बाद अमेलिया केर (नाबाद 49 रन) और अमनजोत कौर (41 रन) ने मिलकर छठे विकेट के लिए 45 गेंद में 83 रन की भागीदारी की। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। यूपी वॉरियर्स ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराकर खाता खोला था। अब दोनों टीमों के पांच मैच में चार चार अंक हैं। यूपी वॉरियर्स के लिए शिखा पांडे ने 30 रन देकर दो विकेट झटके जबकि क्रांति गौड़, दीप्ति शर्मा, सोफी एक्लेस्टोन और क्लो ट्रायोन को एक एक विकेट मिला। मुंबई इंडियंस के लिए कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 18 रन, नटाली साइवर ब्रंट ने 15, हैली मैथ्यूज ने 13 रन और सजीवन सजना ने 10 रन बनाए। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज किरण नवगिरे लगातार पांचवें मैच में असफल रहीं और पहले ही ओवर में निकोला कैरी की गेंद पर बोल्ड हो गईं। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की महान क्रिकेटर लैनिंग ने हमवतन लिचफील्ड के साथ महज 76 गेंद में 119 रन की भागीदारी निभाकर टीम के प्रतिस्पर्धी स्कोर की नींव रखी। लैनिंग ने 45 गेंद की पारी के दौरान 11 चौके और दो छक्के जमाए जबकि उभरती हुई स्टार लिचफील्ड ने 37 गेंद में सात चौके और तीन छक्के जड़े। पर 13वें ओवर में अमनजोत कौर ने लिचफील्ड को आउट किया जिससे यूपी वॉरियर्स को 124 रन पर दूसरा झटका लगा। अगले ओवर में लैनिंग भी पवेलियन लौट गईं जिससे स्कोर तीन विकेट पर 136 रन हो गया। हरलीन देओल ने 25 व क्लो ट्रायोन ने 21 रनों का योगदान दिया।